ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 5 जून 2024
वर्ष 5, अंक 199, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

www.amritvichar.com

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

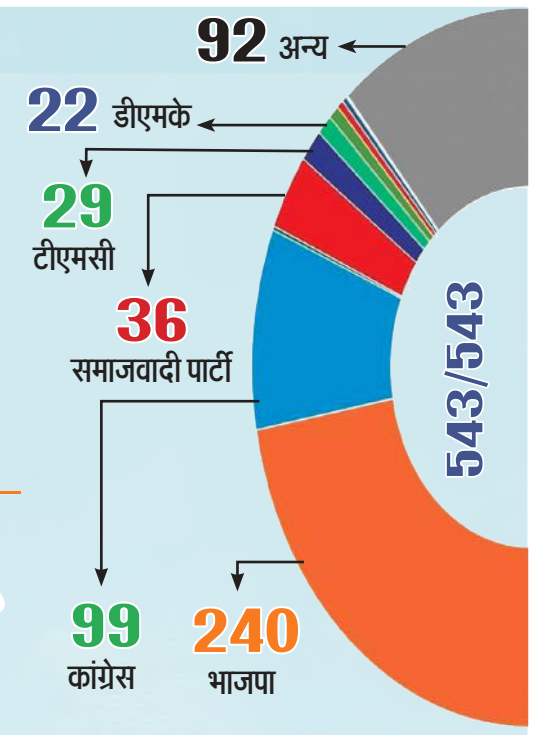

फिर से... मोदी

- कई राज्यों में सीटें घटीं पर सरकार बरकरार
- लगातार तीसरी बार बनेगी एनडीए की सरकार

291 सीटों पर राजग

235 सीटों पर इंडी गंबधन

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है। मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। 18वीं लोकसभा चुनाव के नतीजे लगभग साफ हो गए हैं। 542 सीटों में से एनडीए को 291, इंडी गठबंधन को 234 सीटें मिल रही हैं। भाजपा 272 के बहुमत आंकड़े को पार नहीं कर पाई, लेकिन एनडीए को बहुमत मिल गया है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान समेत कई राज्यों में भाजपा को पिछले चुनाव के मुकाबले नुकसान पहुंचा। नतीजे सामने आने के बाद अब सरकार बनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। एनडीए बुधवार को सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है। उसने अपने घटकदलों की बुधवार को बैठक बुलाई है। पीएम ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार और टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू को फोन कर बैठक के लिए बुलाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक भी बुलाई है। मोदी की अध्यक्षता में होने वाली ये बैठक आम चुनाव के नतीजे घोषित होने के एक दिन बाद पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे शुरू होगी। मोदी ने लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर ये बैठक बुलाई है और इसमें 17वीं लोकसभा को भंग करने की सिफारिश किए जाने की संभावना है, जिसका कार्यकाल 16 जून को समाप्त हो रहा है।

तीसरे कार्यकाल में हर तरह के भ्रष्टाचार को उखाड़ फेंकेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

चुनाव परिणामों में एनडीए को बहुमत मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि तीसरे कार्यकाल में राजग सरकार देश में बड़े फैसलों का नया अध्याय लिखेगी। मोदी मंगलवार रात भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय पहुंचे जहां कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल की प्राथमिकताओं का खुलासा करते हुए कहा, तीसरे कार्यकाल में देश बड़े फैसलों का एक नया अध्याय लिखेगा और ये मोदी की गारंटी है। राजग सरकार की प्रतिबद्धता समाज के हर क्षेत्र और हर वर्ग के विकास की रही है। 10 वर्ष में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।...हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक गरीबी देश के अतीत का हिस्सा ना हो जाये।

उन्होंने कहा भारत को 21 वीं के एक मजबूत स्तंभ बनाने के लिए भ्रष्टाचार पर लगातार तेज प्रहार करने होंगे। डिजिटल इंडिया और तकनीक ने भ्रष्टाचार के रास्ते को बंद कर दिया है। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई दिनों दिन कठिन होती जा रही है। लोग निर्लज्जता से भ्रष्टाचार का बचाव कर रहे हैं। तीसरे कार्यकाल में राजग की सरकार हर तरह के भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने का काम करेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इसे भाजपा एवं राजग के लिए एक बड़ी और गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार, दो कार्यकाल के बाद लगातार तीसरी बार वापस आयी है। यही नहीं, लोकसभा चुनाव के साथ ही अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, आंध्रप्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनावों में चारों राज्यों में राजग की सरकारें

- तीसरे कार्यकाल की प्राथमिकताओं का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया खुलासा

पूर्ण बहुमत प्राप्त करके आयीं हैं और वहां कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। उन्होंने कहा, छह दशक बाद, देश के मतदाताओं ने एक नया इतिहास रचा है, छह दशक बाद किसी गठबंधन को, राजग को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया है।

उन्होंने कहा यह पल, निजी तौर पर मेरे लिए भी भावुक करने वाला पल है। मेरी मां के जाने के बाद ये मेरा पहला चुनाव था, लेकिन सच मानिए देश की कोटि-कोटि माताओं-बहनों-बेटियों ने मां की कमी मुझे खलने नहीं दी। मोदी ने कहा, हमारे विरोधी एकजुट होकर भी उतनी सीटें नहीं जीत पाए, जितनी इस लोकसभा चुनाव में अकेले बीजेपी ने जीती है। अगर आप (देशवासी) 10 घंटे काम करेंगे तो मोदी 18 घंटे काम करेगा, आप दो कदम चलेंगे तो मोदी चार कदम चलेगा। हम भारतीय मिलकर चलेंगे, देश को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने महिलाओं और युवाओं के लिए रोज़गार स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाने तथा किसानों को हर प्रकार से आत्मनिर्भर बनाने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि आने वाला युग हरित युग होगा। इस मौके पर भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह मौजूद थे।

उप्रः केंद्र के इन मंत्रियों के हिस्से में हार

प्रत्याशी : अजय मिश्र टेनी
केंद्रीय गृह राज्य मंत्री
सीट : लखीमपुर खीरी
मतों से हारे
34,329

प्रत्याशी : स्मृति ईरानी
मंत्री
सीट : अमेठी
मतों से हारे
1,67,196

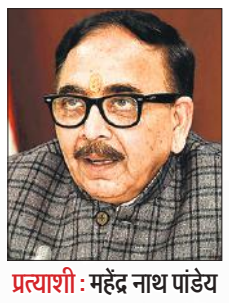

प्रत्याशी : महेंद्र नाथ पांडेय
मंत्री
सीट : चंदौली
मतों से हारे
21,565

प्रत्याशी : कौशल किशोर
मंत्री
सीट : मोहनलालगंज
मतों से हारे
70,292

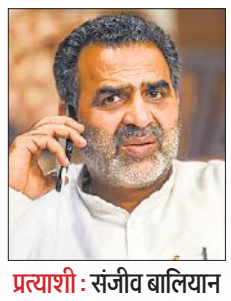

प्रत्याशी : संजीव बालियान
मंत्री
सीट : मुजफ्फरनगर
मतों से हारे
24,672

272
सीटें चाहिए होती हैं पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए

प्रदेश में 33 सीट ही हासिल कर सकी भारतीय जनता पार्टी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में सपा ने अखिलेश यादव की कमान में वापसी कर राजनीतिक पंडितों को हैरान कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता और भाजपा द्वारा राम मंदिर निर्माण का श्रेय लेने के बावजूद सपा का शानदार चुनावी प्रदर्शन जमीनी स्तर पर अखिलेश की लोकप्रियता और उनकी राजनीतिक सूझबूझ को दर्शाता है। प्रदेश में सपा ने 37 सीटें जीत ली जबकि उसकी सहयोगी कांग्रेस ने भी छह सीट पर जीत दर्ज की है। सपा की स्थापना के बाद लोकसभा चुनावों में यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2019 में बसपा से गठबंधन के बावजूद सिर्फ पांच सीटें जीतने वाली सपा ने अकेले परिवार में ही पांच सीटें हासिल कर ली हैं। 2019 में 62 सीट पर जीत हासिल करने वाली भाजपा इस बार उप्र में 33 सीटों पर जीत हासिल कर पाई।

देश मोदी को नहीं चाहता : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि इंडी गठबंधन से बाहर के दलों के संपर्क करने और सरकार गठन के प्रयासों से जुड़ी कवायद के बारे में कोई भी फैसला घटक दल मिलकर करेंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन की बैठक होगी, जिसमें फैसला होगा।

राहुल ने कहा कि चुनाव में देश की जनता ने साफ संदेश दिया है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को नहीं चाहती। राहुल ने सरकार गठन के लिए नीतीश और चंद्रबाबू नायडू जैसे नेताओं के संपर्क किए जाने से जुड़े सवाल पर कहा, हम उम्मीद करते हैं कि इंडी गठबंधन की कल बैठक होगी। उनका कहना था, यह चुनाव हमें भाजपा के साथ ही सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग समेत हिंदुस्तान की कई संस्थाओं और आधी न्यायपालिका के खिलाफ भी लड़ना पड़ा। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने संस्थाओं को डराया और धमकाया। लड़ाई संविधान को बचाने की थी और संविधान बचाने में गरीबों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब मोदी सरकार ने हमारे बैंक खाते फ्रीज किए, मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला, पार्टियां तोड़ी तो मेरे दिमाग में था कि हिंदुस्तान की जनता अपने संविधान के लिए एकजुट होकर लड़ जाएगी। ये बात सच साबित हुई। राहुल गांधी ने कहा, गठबंधन के इस चुनावी परिणाम के पीछे संविधान, आरक्षण और गरीबी जैसे मुद्दे रहे हैं।

लोकसभा चुनाव
जनता का फैसला

4 हिमाचल में क्लीन स्वीप
7 दिल्ली में क्लीन स्वीप
5 उत्तराखंड में क्लीन स्वीप
29 मध्य प्रदेश में क्लीन स्वीप

अमृत विचार
बुधवार, 5 जून, 2024
www.amritvichar.com

जीत का सहरा

सीट : गुना (मध्य प्रदेश)
प्रत्याशी: ज्योतिरादित्य
मतों से जीत: 5.4 लाख

सीट : हमीरपुर (हिमाचल)
प्रत्याशी : अनुराग ठाकुर
मतों से जीत: 182357

सीट : कैसरगंज लखनऊ
प्रत्याशी : करण भूषण
मतों से जीत: 1,48,843

सीट : नगीना (उप्र)
प्रत्याशी : चंद्रशेखर
मतों से जीत: 151473

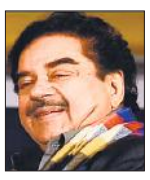
सीट: आसनसोल (पं. बंगाल)
प्रत्याशी : शत्रुघ्न सिन्हा
मतों से जीत: 59,564

सीट : मंडी (हिमाचल)
प्रत्याशी : कंगना रनोट
मतों से जीत: 74755

सीट : मेरठ (उप्र)
प्रत्याशी : अरुण गोविल
मतों से जीत: 10585

सीट : त्रिशूर (केरल)
प्रत्याशी : सुरेश गोपी
मतों से जीत: 74686

सीट : गोरखपुर (उप्र)
प्रत्याशी : रवि किशन
मतों से जीत: 103526

सीट : पीलीभीत (उप्र)
प्रत्याशी : जितिन प्रसाद
मतों से जीत : 1,66,575

सीट : खीरी (उप्र)
प्रत्याशी : उत्कर्ष वर्मा
मतों से जीत : 34, 329

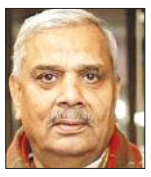
सीट : मुजफ्फरनगर (उप्र)
प्रत्याशी : हरेंद्र मलिक
मतों से जीत: 24,672

सीट : उधमपुर
प्रत्याशी : जितेंद्र सिंह
मतों से जीत: 1,24,373

सीट : हैदराबाद
प्रत्याशी : ओवैसी
मतों से जीत: 3,38,087

सीट : वडोदरा
प्रत्याशी : हेमंग जोशी
मतों से जीत : 5.82 लाख

सीट : सिरसा
प्रत्याशी : कुमारी शैलजा
मतों से जीत: 2.67 लाख

सीट : उधमसिंह नगर
प्रत्याशी : अजय भट्ट
मतों से जीत: 3.26 लाख

सीट : मथुरा
प्रत्याशी : हेमा मालिनी
मतों से जीत: 2.61 लाख

मतगणना की आंधी में उड़ गए एक्जिट पोल्स

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सातवें चरण के मतदान के बाद एनडीए के पक्ष में एक्जिट पोल की आंधी मतगणना के साथ ही ढह गई। बड़े मीडिया हाउस और एजेंसियों के एग्जिट पोल्स में एनडीए गठबंधन को 400 से ज्यादा सीटें और भाजपा को 370 सीट के साथ बहुमत में दिखाया गया था। मतगणना के बाद आए रुझान ने पूरी कहानी ही पलट दी। अब भाजपा को लोकसभा में बहुमत बनाए रखने के लिए तेलुगू देशम पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड) और एकनाथ शिंदे की शिवसेना जैसे अपने सहयोगियों पर बहुत हद तक निर्भर रहना पड़ेगा।

इस लोकसभा चुनाव में 400 पार एनडीए सरकार का नारा देने वाली मोदी सरकार मंगलवार को हुई मतगणना में 300 पार के लिए तरस गई। मध्य प्रदेश और गुजरात को छोड़ दें तो भाजपा को सबसे बड़ा नुकसान उत्तर प्रदेश में उठाना पड़ा। वहीं महाराष्ट्र में भी विपक्षी गठबंधन का प्रदर्शन शानदार रहा, यहां भी भाजपा एक्जिट पोल्स के रुझानों में आगे थी।

- रुझानों में भाजपा को 360 सीट और एनडीए को 400+ का किया था दावा
- 300 पार के लिए तरस गई एनडीए विपक्ष को तगड़ा फायदा

पिछले चुनाव के नतीजे में बहुमत में थी भाजपा : 2019 के चुनाव नतीजे जब सामने आए थे तो भाजपा लगातार दूसरी बार खुद के दम पर सत्ता में आई। भाजपा ने सबसे ज्यादा 303 सीटें जीतीं। इसके बाद कांग्रेस को महज 52 सीटों पर जीत मिली थी। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस के 22 सांसद, बसपा के 10, भाकपा के 2, माकपा के 3 और एनसीपी के 5 सांसद जीते थे। इसके अलावा अन्य सीटें एनडीए गठबंधन के हिस्से में पहुंची थी।

दावों से उलट इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन

मतगणना के बाद आए रुझान में इंडिया गठबंधन को मिली बढ़त ने सभी को भौचक्का कर दिया। मतगणना से पूर्व के रुझानों में 130 से कम सीटों को दिखाया गया था, लेकिन वास्तविक में 230 से ज्यादा पार कर गई। 100 से अधिक सीटें इंडिया गठबंधन के लिए माइलस्टोन की तरह काम करेगा। गठबंधन 9 जून तक सरकार बनाने का दवा यदि पेश नहीं कर पाया तो भी लोकसभा में मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएगा।

उत्तर प्रदेश ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन

वर्तमान में मोदी सरकार के लिए सबसे बड़ी टेंशन इस समय उत्तर प्रदेश की कम सीटें बन गई हैं। एक्जिट पोल्स में एनडीए को 400 पार की सबसे बड़ी बढ़त उत्तर प्रदेश राज्य में दिखाई गई थी। यहां 80 में से 72 सीटों का दावा किया गया था, लेकिन 36 सीटों पर सिमट गई। ऐसे में भाजपा को अन्य राज्यों के घटक दलों पर निर्भर रह कर सरकार चलानी पड़गी। 2019 के चुनाव में बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए ने 64 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, गठबंधन में बसपा ने 10 और सपा ने 5 सीटों पर जीत हासिल की थी।

सात राज्यों में भाजपा को भारी नुकसान

उप्र, महाराष्ट्र, बिहार, पं. बंगाल, कर्नाटक, हरियाणा, राजस्थान में कम सीटें

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के मत की गिनती आज सुबह आठ बजे से शुरू होने के साथ ही आए परिणाम ने भाजपा की परेशानी को बढ़ा दिया है। राजग को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पंजाब, लद्दाख, पंश्चिम बंगाल, कर्नाटक, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में भाजपा की अपेक्षा से कम सीटें आई हैं। कांग्रेस और उसकी इंडिया गठबंधन के दमदार प्रदर्शन ने सभी को चौका दिया है। साथ ही सरकार बनाने के लिए 272 सीटों की जरूरत होती है। लेकिन कई राज्यों में निराशजन प्रदर्शन के बाद भी राजग सरकार बनाने की ओर अग्रसर है।

उत्तर प्रदेश में सपा तो पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने भाजपा को काफी नुकसान पहुंचाया है। जहां भाजपा ने हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात की सभी सीटों पर जीत दर्ज की है, वहीं हरियाणा और महाराष्ट्र में उसको काफी नुकसान हुआ है। भाजपा सबसे ज्यादा बेहतर परिणाम की आशा प. बंगाल से थी पर ममता बनर्जी ने यह साबित किया की वह बंगाल में भाजपा पर भारी पड़ेंगी।

2019 के चुनाव में भाजपा ने इन सभी राज्यों में बेहतर प्रदर्शन किया था और इस बार भी सबसे ज्यादा सीटों के आने की उम्मीद भी भाजपा को इन्हीं राज्यों से थी।

लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए निराशाजनक साबित हुए हैं। उत्तर प्रदेश, हरियाणा पंजाब, पश्चिम बंगाल जैसे कई प्रमुख राज्यों में उसकी करारी हार हुई है। भाजपा को उत्तर प्रदेश में 30, बिहार में 9, पंजाब में 2, कर्नाटक में 9, लेह की एक सीट, पश्चित बंगाल में 6 हरियाणा में 5 और महाराष्ट्र में 23 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है वहीं, कांग्रेस ने पिछली वार की अपेक्षा अच्छा प्रदर्शन किया है और यूपी में कांगेस में 6 सीटों पर जीत दर्ज की, साथ ही सपा ने भी 38 सीटें जीती है। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने 13, शिवसेना ने 7 सीटों पर जीत दर्ज कर भाजपा को नुकसान पहुंचाया है। बिहार में भी कांग्रेस को तीन सीटें मिली है और राजद ने चार सीटों पर जीत दर्ज की है। कर्नाटक में कांग्रेस को नौ और पंश्चिम बंगाल में एक सीट मिली है।

बंगाल से भाजपा को काफी उम्मीद थी पर टीएमसी ने 29 सीटों पर जीत दर्ज कर इस पर पानी फेर दिया। वहीं हरियाणा में भी कांग्रेस ने पांच सीट जीतकर भाजपा को पांच सीट पर ही समेट दिया जबकि पिछली बार भाजपा ने यहां की सभी 10 सीटों पर जीत दर्ज की थी। राजस्थान में भी भाजपा को दस सीटों का नुकसान हुआ है जहां भाजपा को केवल 14 सीटों पर ही जीत मिल सकी है और कांग्रेस को 8 और अन्य को तीन सीटें मिली हैं।

वहीं भाजपा ने उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। केरल के त्रिपुर में भी भाजपा ने अपना खाला खोल दिया है। साथ ही मध्य प्रदेश की 29 सीटों पर भाजपा ने एकतरफा जीत दर्ज की है। साथ ही भाजपा ने असम में 9 छत्तीसगढ़ में 10, दिल्ली की सातों सीटों के साथ ही गुजरात में 26 मेंसे 25, हिमाचाल की चार पर जीत दर्ज की है। इसी के साथ ही कई छोटे राज्यों में भी भाजपा को कोई खास सफलता हाथ नहीं लग सकी है।

इन राज्यों में नुकसान

उत्तर प्रदेश-80

भाजपा	33 (-29)
सपा	37 (+32)
कांग्रेस	6 (+5)
रालोद	2
अन्य	2

कर्नाटक-28

कांग्रेस	9 (+8)
भाजपा	17 (-8)
जेडीएस	2

राजस्थान-25

भाजपा	14 (-10)
कांग्रेस	+8
अन्य	3

हरियाण-10

भाजपा	5 (-5)
कांग्रेस	5 (+5)

महाराष्ट्र-48

भाजपा	10 (-13)
कांग्रेस	13 (+12)
शिवसेना	7
एनसीपी	1
अन्य	17

प. बंगाल-42

टीएमसी	29(+7)
भाजपा	12 (-6)
कांग्रेस	1 (-1)

बिहार-40

भाजपा	12 (-5)
राजद	+4
जदयू	12 (-4)
कांग्रेस	3 (+2)
अन्य	9

5 नेताओं ने तोड़े रिकॉर्ड, इंदौर के लालवानी आगे

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा के चार उम्मीदवारों सहित कम से कम पांच राजनेताओं ने जीत के अंतर के सभी रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। इंदौर के मौजूदा सांसद शंकर लालवनी ने 11.72 लाख मतों से जीत दर्ज की। गृह मंत्री अमित शाह, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा नेता सीआर पाटिल मतगणना के अंतिम दौर में सात लाख से ज्यादा मत से जीते हैं।

असम के धुबरी से कांग्रेस के रकीबुल हुसैन 7.36 लाख मतों से जीते। सबसे ज्यादा अंतर से जीत का रिकॉर्ड भाजपा के प्रीतम मुंडे के नाम था, जिन्होंने अक्टूबर 2014 में महाराष्ट्र की बीड सीट पर हुए उपचुनाव में 6.96 लाख से ज्यादा मत पाए थे। विदिशा से शिवराज सिंह चौहान 7.96 लाख से ज्यादा मतों से जीते। अमित शाह गांधीनगर सीट पर 7.37 लाख, जबकि उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मध्य प्रदेश की गुना सीट से 5.4 लाख से अधिक मतों से जीते हैं। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब त्रिपुरा पश्चिम सीट से 6 लाख से अधिक मतों से जीते, जबकि भाजपा के कृति देव देबबर्मन ने त्रिपुरा पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में 4.86 लाख से अधिक मतों से जीत दर्ज की। भाजपा के हेमंग जोशी भी वडोदरा से 5.82 लाख से अधिक मतों से विजयी रहें। कांग्रेस के अमासहायम रघुराम रेड्डी खम्मम से 4.59 लाख, भाजपा के एटला राजेंद्र मलकानगिरी से 3.81 लाख, अजय भट्ट नैनीताल-उधमसिंह नगर से 3.26 लाख से अधिक मतों से जीते हैं। रायपुर से भाजपा के बृजमोहन अग्रवाल 4.43 लाख मतों से विजयी हुए। नोएडा से पार्टी उम्मीदवार महेश शर्मा 5.57 लाख मतों से आगे चल रहे हैं। हरियाणा में कांग्रेस की कुमारी शैलजा और दीपेंद्र सिंह हुड्डा सिरसा और रोहतक से क्रमशः 2.67 लाख और 3.01 लाख मतों से विजयी हुए।

लोगों ने नफरत और तानाशाही के खिलाफ वोट दिया : आप

नई दिल्ली। आप ने मंगलवार को कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इसके उम्मीदवारों ने दिल्ली में भाजपा को कड़ी टक्कर दी और साथ ही लोगों ने भाजपा की नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के खिलाफ मतदान किया।

आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा, मैं देश के मतदाताओं के सामने सिर झुकाना चाहता हूं। यह चुनाव जनता का एक संदेश है कि वह भाजपा के 10 साल के शासन से थक गई है और उसे बाहर करना चाहती है। लोग महंगाई से परेशान हो गए हैं। भाजपा के 272 के बहुमत के आंकड़े से दूर दिखाई देने पर सिंह ने कहा, नतीजे भाजपा और उसकी नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के लिए एक बड़ा सबक हैं।

हार का बोझ

सीट : खूंटी (झारखंड)
प्रत्याशी : अर्जुन मुंडा
मतों से हारे: 1.49 लाख

सीट : मथुरा
प्रत्याशी : मुकेश धनगर
मतों से हारे: 2.93 लाख

सीट : हैदराबाद
प्रत्याशी : माधवी लता
मतों से हारे: 3,38,087

सीट : गाजियाबाद
प्रत्याशी : डॉली शर्मा
मतों से हारे: 3.36 लाख

सीट : अनंतनाग- राजौरी
प्रत्याशी : महबूबा मुफ्ती
मतों से हारे: 2,81,794

सीट : रामपुर
प्रत्याशी : घनश्याम लोधी
मतों से हारे: 87434

सीट : आजमगढ़
प्रत्याशी : दिनेश लाल यादव
मतों से हारे: 1,61,035

सीट : राजगढ़ (मध्यप्रदेश)
प्रत्याशी : दिग्विजय सिंह
मतों से हारे: 1.46 लाख

सीट : फतेहपुर
प्रत्याशी: निरंजन ज्योति
मतों से हारे: 35 हजार

सीट : जलौन
प्रत्याशी : भानू प्रताप वर्मा
मतों से हारे: 53,898

सीट : घोसी
प्रत्याशी : अरविंद राजभर
मतों से हारे: 1,62,943

सीट : रायबरेली
प्रत्याशी : दिनेश प्रताप सिंह
मतों से हारे: 3,90,030

सीट : सुल्तानपुर
प्रत्याशी : मेनका गांधी
मतों से हारे: 40 हजार

सियासत केंद्रीय मंत्रियों में स्मृति, डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, संजीव बालियान, साध्वी निरंजन ज्योति, भानू प्रताप वर्मा, टेनी और कौशल किशोर जबकि राज्य सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और जयवीर सिंह हारे

मोदी–योगी के कई मंत्री पराजित, अयोध्या भी हार गयी भाजपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राजनीतिक हलकों में भले कहा जाता हो कि दिल्ली की कुर्सी का रास्ता उप्र. से हो कर जाता है लेकिन इस बार चुनाव में तो यहां कई मंत्रियों ने भी अपनी सांसदी गंवा दी। देश को चौंकाने वाले उप्र. की लोस सीट के परिणामों में चुनाव लड़ रहे 12 केंद्रीय मंत्रियों में से सात मंत्री और राज्य सरकार के दो मंत्री चुनाव हार गए। इस बार भाजपा से जनता का ऐसा मोहभंग हुआ कि चुनाव के दौरान चर्चा में रहे अयोध्या में भव्य राम मंदिर को सहेजने वाली अयोध्या सीट से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने चुनाव हरा दिया है।

हारने वाले केंद्रीय मंत्रियों की तो इस सूची में स्मृति ईरानी, डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, संजीव वालियान, साध्वी निरंजन ज्योति, भानू प्रताप वर्मा, अजय मिश्रा टेनी और कौशल किशोर के नाम शामिल हैं। जबकि राज्य सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और जयवीर सिंह भी चुनाव हार गए हैं। भाजपा के अन्य दिग्गज नेताओं में पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी (सुल्तानपुर), भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ (आजमगढ़), महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री कृपाशंकर सिंह (जौनपुर), पूर्व पीएम चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर (बलिया), मंत्री व निषाद पार्टी के अध्यक्ष डा. संजय निषाद के पुत्र प्रवीण निषाद (संत कबीर नगर), मंत्री व सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के पुत्र अरविंद राजभर (घोसी) जैसे बड़े नेता भी चुनाव हार गए।

- केन्द्र के सात और राज्य सरकार के दो मंत्री चुनाव हार गए

लोकसभा फैजाबाद (अयोध्या)	
गठबंधन के अवधेश प्रसाद	554289
भाजपा लल्लू सिंह	499722
बसपा के सच्चिदानंद पांडेय	46407
कम्युनिस्ट पार्टी के अरविंद सेन	15367

अयोध्या : आस्था व विकास पर भारी पड़ा जातीय समीकरण

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में अयोध्या से राजनीति के नए ट्रेड का संकेत है। आस्था और विकास, जातीय समीकरण के मकड़जाल में उलझ कर रह गए। वैश्विक पर्यटन नगरी का आकर्षण भी मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। परिणाम रहा कि अयोध्या में भाजपा को मुंह की खानी पड़ी। अयोध्या राजनीति की प्रयोगशाला के तौर पर देखी जाती है। यहां नए–नए प्रयोग राजनीति को नई दिशा देते रहे हैं। भाजपा को ऊर्जा अयोध्या से मिलती रही है तो सपा और बसपा ने भी अयोध्या में अपने नए प्रयोगों के जरिए सियासत से सत्ता की सीढ़ी चढ़ी। तीनों दलों ने अलग–अलग चुनाव में सोशल इजीनियंरिग का प्रयोग भी यहीं किया। कामयाबी हासिल की। इस बार भी सपा ने एकदम नया प्रयोग किया। सामान्य सीट से सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र मिल्कीपुर के विधायक अवधेश प्रसाद को चुनाव मैदान में भेजा। प्रसाद, पासी बिरादरी से आते हैं। बिरादरी के साथ अन्य वोटों के ध्रुवीकरण से उन्होंने भाजपा की नाक रही अयोध्या की सीट छीन ली। यह अयोध्या के लिए बड़ी बात है।

अयोध्या केवल भाजपा का गढ़ नहीं रही है बल्कि अयोध्या को आस्था और विकास के नजरिए से भी देखा जाता है। राम मंदिर पर फैसला आने से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा तक आस्था की तरंगे पूरे देश में यहां से फैलती रहीं। प्रदेश में अयोध्या से ज्यादा विकास शायद ही कहीं किया गया हो, कुछ लोग इससे प्रभावित भी हुए तो लाभ बहुतों को हुआ। इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हाईवे तक। आधुनिक सुविधाओं युक्त भव्य रेलवे स्टेशन से अच्छी ट्रेनों के साथ राम मंदिर निर्माण और राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। कई हजार करोड़ रूपये की परियोजनाएं और लोगों को योजनाओं के लाभ। सब एक ओर रह गए और जातीय सियासत दूसरी ओर। साफ है कि लोकसभा चुनाव में अयोध्या के विकास का मुद्दा नहीं रहा।

- नहीं लुभा पाया वैश्विक पर्यटन नगरी का आकर्षण
- सामान्य सीट से दलित विधायक ने दर्ज कराई जीत
- मंडल से प्रदेश तक जातीय समीकरण का असर

जातीय सियासत इसलिए भी कि साल 2019 का चुनाव सपा–बसपा ने यहां ने एक साथ मिलकर लड़ा था, लेकिन जीत नहीं पाई। भाजपा लगभग 65 हजार वोट से चुनाव जीत गई थी। गठबंधन के प्रत्याशी को 4 .63 लाख वोट मिले। तब प्रत्याशी आनंद सेन यादव थे। वह अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित थे। इस लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के सपा प्रत्याशी के पक्ष में पहले से ज्यादा ध्रुवीकरण हुआ। इसका कारण प्रत्याशी का पासी बिरादरी से होना माना जा रहा है। सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह पर 56 हजार से ज्यादा वोटों से बढ़त बना ली। फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा क्षेत्र में चार में जातीय समीकरण का प्रभाव साफ देखा गया। आस्था, विकास से इतर सरकार के विरोध के साथ जातीय राजनीति का असर अयोध्या ही नहीं, फैजाबाद मंडल के सभी सीटों पर महसूस किया जा रहा है। अयोध्या के पड़ोस में अमेठी की तस्वीर को छोड़ दिया जाए तो अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सुल्तानपुर में इसका साफ असर है। इन सीटों के जीते प्रत्याशियों की जाति और जातीय समीकरण इसी ओर इशारा करते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो मंडल ही नहीं पूरे प्रदेश में सपा ने जातीय राजनीति के जरिए चुनावी फतह पर काम किया। लोकसभावार ज्यादातर प्रत्याशियों का चयन ही जातीय समीकरण के आधार पर किया गया। मतगणना के बाद चुनाव परिणाम के साथ जातीय राजनीति के पक्ष में परिणाम साफ दिख रहा है।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 5 जून 2024
वर्ष 5, अंक 199, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

मिशन विश्वकप का आगाज करेगी टीम इंडिया 13

पिता बने वरुण, पत्नी नताशा ने दिया बेटी को जन्म 14

राजग को बहुमत, 9 को मोदी ले सकते हैं शपथ

सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी भाजपा, सहयोगी दलों के दम पर फिर बनेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा चुनाव के अब तक आए नतीजों के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भले ही बहुमत (272 सीट) से दूर नजर आ रही है लेकिन वह सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने की ओर अग्रसर है। हालांकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अपने सहयोगियों की बदौलत उसकी फिर से सरकार बनने जा रही है। राजग की सीटों का आंकड़ा 300 सीटों के करीब पहुंचता दिख रहा है। खबर है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजग की नई सरकार का 9 जून को शपथ ग्रहण कार्यक्रम हो सकता है। दरअसल, राष्ट्रपति भवन की ओर से एक बयान जारी किया गया है जिसके मुताबिक राष्ट्रपति भवन का सर्किट-1 बुधवार (5 जून) से लेकर 9 जून तक आम जनता के लिए बंद रहेगा। इस दौरान राष्ट्रपति भवन में नई सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारियां की जाएंगी।

नई दिल्ली भाजपा मुख्यालय में समर्थकों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा। ● एजेंसी

लोकसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती जैसे-जैसे आगे बढ़ी, रुझानों में स्पष्ट होता चला गया कि सत्तारूढ़ गठबंधन उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर रहा है और एग्जिट पोल के अनुमान भी गलत साबित हो रहे हैं। अब तक के रूझान और नतीजे इसकी भी तस्दीक कर रहे हैं कि किसी एक दल को बहुमत देने के पिछले एक दशक के जनादेश में बदलाव आया है और एक बार फिर देश की राजनीति में गठबंधन युग की वापसी हो रही है। तकरीबन साढ़े ग्यारह बजे तक के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भाजपा 228 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी थी जबकि 12 सीटों पर उसके उम्मीदवार आगे थे। भाजपा कुल मिलाकर 240 सीटों पर आगे थी। 543 सदस्यों वाली लोकसभा में बहुमत के लिए आवश्यक 272 के जादुई आंकड़े से वह पीछे है। हालांकि राजग का आंकड़ा 300 के करीब पहुंचता दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर 'इंडिया' गठबंधन करीब 234 सीटों पर आगे हैं। कांग्रेस 88 सीटों पर जीत चुकी है और 11 सीटों पर उसके उम्मीदवार आगे हैं। साल 2019 के प्रदर्शन के मुकाबले कांग्रेस लगभग दोगुनी सीट की ओर आगे बढ़ती दिख रही है। पिछले चुनाव में भाजपा के पास 303 जबकि राजग के पास 350 से अधिक सीटें थीं। राजग यदि फिर से सत्ता में आता है और नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बनते हैं तो लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में वह जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। भाजपा को इस चुनाव में उत्तर प्रदेश में में खासा झटका लगा है जहां समाजवादी पार्टी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। राजस्थान और हरियाणा में भी उम्मीद के विपरीत उसका प्रदर्शन रहा।

नई ऊर्जा, नए संकल्पों के साथ हम आगे बढ़ेंगे : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार जीत को ऐतिहासिक पल बताया है और इसके लिए देश की जनता के प्रति आभार जताया। मोदी ने कहा है कि गठबंधन देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई ताकत से काम करेगा। प्रधानमंत्री ने 18वीं लोकसभा के परिणामों और रुझानों के बीच मंगलवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। मैं इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए अपने परिजनों को नमन करता हूं। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम नई ऊर्जा, नई उमंग, नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ेंगे। सभी कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण भाव से अथक मेहनत की है, मैं इसके लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं। लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना के जाता रूझानों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 292 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि विपक्षी 'इंडिया समूह' के प्रत्याशी 233 सीटों पर आगे चल रहे हैं या विजयी हुए हैं। इन चुनावों में भाजपा अपने बल पर बहुमत हासिल करने में कामयाब नहीं हुई है, लेकिन लोकसभा की 543 सीटों में से उसे 240 सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही हैं।

आंध्र प्रदेश में राजग बहुमत की ओर, तेदेपा कार्यालय में जश्न

विधानसभा चुनाव

अमरावती, एजेंसी

आंध्र प्रदेश में अपने चुनाव पूर्व सहयोगियों जनसेना और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाने के लिए तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के भारी बहुमत प्राप्त करने की ओर अग्रसर होने के साथ ही मंगलवार को राज्यभर में पार्टी के कार्यालयों में खुशियां मनाई जाने लगीं।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, तेदेपा ने 124 विधानसभा सीट पर जीत हासिल की है तथा 10 सीट पर आगे है, जबकि जनसेना ने 20 सीट पर जीत दर्ज की है तथा 1 पर आगे है। वहीं, भाजपा ने 6 विधानसभा सीट पर जीत हासिल कर ली है तथा 2 सीट पर आगे है। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस महज 8 पर जीती और 4 सीट पर आगे है। गुंटूर लोकसभा सीट से तेदेपा प्रत्याशी पी चंद्रशेखर ने संवाददाताओं से कहा कि इतिहास फिर से लिखा गया है। राजग सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे के तहत तेदेपा ने 144 विधानसभा सीट पर, जबकि भाजपा ने 10 सीट, जनसेना ने 21 सीट पर चुनाव लड़ा। आंध्र में विधानसभा की 175 सीट है।

तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को जीत की बधाई देते भाजपा नेता सिद्धार्थ सिंह।

ओडिशा में भाजपा ने 74 सीटें जीतीं, पाया पूर्ण बहुमत

भुवनेश्वर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ओडिशा की 147-सदस्यीय विधानसभा में 74 सीट जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया है। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार मतों की गिनती जारी है और भाजपा ने 74 सीट जीत ली हैं जबकि चार निर्वाचन क्षेत्रों में उनके उम्मीदवार बढ़त बनाए हुए हैं। ओडिशा में वर्ष 2000 से सत्तारूढ़ बीजद को विधानसभा में इस बार 50 सीट मिली हैं और एक सीट पर उसका उम्मदवार आगे है। कांग्रेस को इस चुनाव में 14 सीट से संतोष करना पड़ा है। ओडिशा में 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में बीजद ने 113 सीट पर जीत दर्ज की थी, जबकि भाजपा और कांग्रेस के खाते में क्रमश: 23 एवं नौ सीट गई थीं।

आंध्र के राज्यपाल ने जगन का इस्तीफा किया स्वीकार

अमरावती। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने मंगलवार को मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और उनसे नई सरकार के गठन तक पद पर बने रहने का अनुरोध किया। राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव अनिल कुमार सिंघल ने बताया कि नजीर ने मंगलवार को रेड्डी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। सिंघल ने कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

बरेली मंडल में भाजपा के हाथ से फिसली आंवला और बदायूं सीट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव 2024 में बरेली मंडल की आंवला और बदायूं सीट भाजपा के हाथ से फिसल गई। कड़े मुकाबले में सपा ने ये दोनों सीटें भाजपा से छीन लीं। आंवला में धर्मेंद्र कश्यप को नीरज मौर्य ने सिर्फ 15,969 और बदायूं में दुर्विजय सिंह शाक्य को आदित्य यादव ने 35,067 वोटों से हराया। पीलीभीत, बरेली और शाहजहांपुर सीट पर भाजपा ने कब्जा बरकरार रखा। हालांकि प्रतिष्ठापूर्ण जीत पीलीभीत में ही हुई जहां जितिन प्रसाद 1,64,935 वोटों के अंतर से जीते।

बरेली संसदीय सीट के लिए भाजपा और सपा के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। पहली बार लोकसभा चुनाव लड़े भाजपा के प्रत्याशी छत्रपाल गंगवार को 5,67,127 वोट मिले और उन्होंने सपा प्रत्याशी प्रवीण सिंह ऐरन को 34804 वोटों से हराया। ऐरन को 5,32,323 वोट मिले। आंवला में सपा प्रत्याशी नीरज मौर्य को 4,92,515 वोट मिले और उन्होंने दो बार से सांसद भाजपा के धर्मेंद्र कश्यप को 15,969 वोटों के अंतर से हराया। बसपा प्रत्याशी आबिद अली 95,630 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे।

पीलीभीत सीट पर भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद ने मंडल में 1,64,935 वोटों के सर्वाधिक अंतर से सपा के भगवत सरन गंगवार को हराया। जितिन को 6,07,158 और भगवत सरन को 4,42,223 वोट मिले। बसपा के अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू जमानत भी नहीं बचा सके। उन्हें 88,697 वोट ही मिल पाए। शाहजहांपुर में भाजपा ने लगातार तीसरी बार परचम लहराया। पार्टी के अरुण सागर ने सपा की ज्योत्सना गोंड को 55,521 वोटों से हराया। अरुण को 5,92,227 और ज्योत्सना को 5,36,706 वोट मिले। अरुण लगातार दूसरी बार जीते हैं। बसपा के दोदराम वर्मा को 91 हजार 688 वोट मिले। सपा का गढ़ कहे जाने वाले बदायूं सीट का चुनाव दिलचस्प रहा। सपा के आदित्य यादव ने भाजपा के दुर्विजय सिंह शाक्य को कांटे की टक्कर में 35,067 वोटों से हराकर यह सीट दोबारा पार्टी की झोली में डाल दी। वरिष्ठ सपा नेता शिवपाल सिंह यादव के बेटे आदित्य को 5,01,390 और दुर्विजय को 4,66,323 वोट मिले। बसपा के मुस्लिम खान 97,686 वोट लेकर तीसरे नंबर पर रहे। 2019 के चुनाव में भाजपा की संघमित्रा मौर्य ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव को हराकर सपा से यह सीट छीनी थी।

जितिन प्रसाद

अरुण सागर

आदित्य यादव

लोस चुनाव

● बरेली में भाजपा के छत्रपाल गंगवार, पीलीभीत में जितिन प्रसाद और शाहजहांपुर में अरुण सागर जीते

छत्रपाल गंगवार

नीरज मौर्य

एटा-कासगंज : 27611 वोटों से जीते सपा प्रत्याशी देवेश शाक्य

कासगंज। एटा-कासगंज लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह को समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी देवेश शाक्य ने 27611 वोटों से हरा दिया। देवेश को 473675 वोट मिले जबकि पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह (राजू भैया) को 446064 मत प्राप्त हुए।

सफल रहा गठबंधन, दो लड़कों की जोड़ी हिट

अजय दयाल, लखनऊ

● राहुल गांधी का चल गया खटाखट वाला दांव और अखिलेश यादव की पीडीए चाल

अमृत विचार : पिछले चार चुनावों (विधानसभा और लोकसभा) में गठबंधन का असफल प्रयोग कर चुके समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के गठबंधन का प्रयोग इस बार सफल रहा। अखिलेश और राहुल गांधी यानी दो लड़कों की जोड़ी भी हिट हो गई जबकि सत्तासीन दल (भाजपा) ने इस जोड़ी को असफल करार देने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी थी।

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों और रुझानों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में सपा को लगभग 36 तो वहीं कांग्रेस को छह सीटें मिलीं। कांग्रेस उप्र. से 17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी जबकि सपा एक सीट टीएमसी को देकर कुल 63 सीट पर लड़ी। दरअसल, उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों पर सबकी निगाहें टिकी हुई थीं। पिछले दो आम चुनावों में मुकाबला एकतरफा रहा था। दोनों में भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की थी। 2014 में भाजपा ने 71 सीटें तो 2019 में 62 सीटों पर जीत हासिल की, लेकिन इस बार के चुनाव में भाजपा काफी पिछड़ गई और विपक्षी गठबंधन मजबूत स्थिति में आ गया। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में पहली बार जब राहुल और अखिलेश की जोड़ी सामने आई तो एक नारा खूब चला- यूपी को ये साथ पसंद है। मगर उस चुनाव में जनता ने दोनों की जोड़ी को नकार दिया था। उस वक्त जब सपा और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा तो 60 सीटें भी नहीं जीत सके। उसी वक्त अखिलेश और राहुल गांधी की जोड़ी को यूपी के लड़के कहा जाने लगा था।

बहरहाल, एक बार फिर उत्तर प्रदेश में दोनों की जोड़ी ने भाजपा और मोदी की गारंटी का सामना करने के लिए साथ आना तय किया और इस बार जनता के दिलो-दिमाग पर छा गए। दोनों ने मिलकर राजनीतिक गणित साधी। राहुल गांधी का जनता के सामने खटाखट वाला दांव और अखिलेश यादव की पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक की रणनीति काम कर गई। स्वार्थ का गठबंधन करने का आरोप झेलते हुए भी सपा और कांग्रेस ने सकारात्मक मुद्दों के साथ चुनाव प्रचार किया और खटाखट सीटें हासिल करने में सफल रहे।

निवेशकों के डूबे 31 लाख करोड़

मुंबई, एजेंसी

लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा नेतृत्व वाले राजग को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के रूझानों से निराश निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में आज भूचाल आ गया और सेंसेक्स एवं निफ्टी में करीब छह फीसदी की गिरावट दर्ज की गई जिससे निवेशकों के 31 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गए।

आम चुनाव के एक्जिट पोल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 सीटों के करीब बताया गया था लेकिन मतगणना में भाजपा को 244 सीटें और राजग को करीब 300 सीटें मिलने के रूझान से निवेशक हताश हो गए और जमकर बिकवाली की जिसके कारण बाजार में भूचाल आ गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 4389.73 अंक टूटकर 72079.05 अंक पर तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 1379.40 अंक उतरकर 21884.50 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली का असर छोटी और मझौली कंपनियों पर पड़ा और बीएसई का मिडकैप 8.07 प्रतिशत फिसलकर 40788.10 अंक पर और स्मॉलकैप 6.79 फीसद गिरकर 44958.48 अंक पर रहा। इस बिकवाली से बीएसई का बाजार पूंजीकरण गिरकर 39483705.27 करोड़ रुपये पर आ गया। पिछले दिवस यह 42591511.54 करोड़ रुपये पर रहा था। इस तरह से निवेशकों के आज 3107806.27 करोड़ रुपये डूब गए।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के परिणाम घोषित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को बताया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (स्नातक) के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। एनटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नतीजे घोषित कर दिए गए हैं, अभ्यर्थी वेबसाइट पर अपने परिणाम देख सकते हैं। सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों का विवरण भी शीघ्र ही उपलब्ध होगा। इस वर्ष राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के लिए रिकॉर्ड 23 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें 10 लाख से ज्यादा पुरुष, 13 लाख से अधिक महिलाएं और 24 थर्ड जेंडर श्रेणी के उम्मीदवार शामिल हैं।

उप्र. में भाजपा के मिशन 80 को लगा करारा झटका

लगातार पांचवीं बड़ी जीत से चूकी पार्टी, राम मंदिर मुद्दे का नहीं मिला फायदा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : इस बार के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को करारा झटका लगा है। यह झटका करारा इसलिए कि पार्टी का न तो मिशन 80 पूरा हुआ और न ही उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक राम मंदिर निर्माण (अयोध्या) की उपलब्धि भाजपा के खाते में आई।

अगर ऐसा होता तो भाजपा राज्य में लगभग 33 सीट जीतने के बजाय कम से कम 70 सीटों के आसपास पा जाती। उत्तर प्रदेश में दो बार विधानसभा और दो बार लोकसभा चुनाव जीत चुकी भाजपा इस बार अपनी पांचवीं प्रचंड जीत से चूक गई।

मतगणना के दौरान वीरान नजर आया लखनऊ स्थित भाजपा कार्यालय।

दरअसल, पिछले दो लोकसभा चुनाव में शानदार नतीजे के बाद खासकर उत्तर प्रदेश में भाजपा अपने बुलंद हौसलों के साथ थी। राम मंदिर की शुरुआत और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद तो ऐसा लग रहा था कि पार्टी राज्य में क्लीन स्वीप करेगी। लेकिन इसे अतिआत्मविश्वास कहें या जनता की नब्ज पकड़ लेने की गलतफहमी, भाजपा नाकाम साबित हुई। पार्टी को लगा कि हिंदुत्व और राम मंदिर का मुद्दा उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ा है। लेकिन विपक्ष के गठजोड़ और सामाजिक समीकरण साधने की रणनीति के आगे भाजपा कमजोर साबित हुई।

गौर करने वाली बात यह है कि लोकसभा चुनाव घोषित हो जाने के बावजूद सपा और कांग्रेस में सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही थी। सत्तासीन दल के नेताओं ने इस पर तफरीह भी ली कि हम यहां प्रचार में उतर गए और विपक्ष सीट बंटवारे में ही उलझा है। इसके बाद भी जिस तरह ऐन चुनाव से पहले सपा और कांग्रेस में सीटों पर सहमति बनी और नामांकन के आखिरी दिन तक उम्मीदवारों को बदलने का सिलसिला रहा, उससे अच्छा संदेश तो नहीं गया लेकिन अब परिणाम चौंकाने वाले सामने आए हैं। इधर, भाजपा के आत्मविश्वास के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी थी तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कुशल प्रशासक वाली छवि। डबल इंजन की इस जोड़ी के बूते भाजपा पिछले चुनावों की तरह इस बार भी बड़े बहुमत को लेकर आश्वस्त थी, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और निकली।

लोकसभा चुनाव जनता का फैसला (यूपी)

सहारनपुर (1)
(+64542)
1 : इमरान मसूद (कांग्रेस) 547967 (कुल मिले मत)
2 : राघव लखनपाल (भाजपा) 483425 (कुल मिले मत)

बागपत (11)
(+159459)
1 : राजकुमार सांगवान (भाजपा+) 488967 (कुल मिले मत)
2 : अमरपाल (सपा) 329508 (कुल मिले मत)

मैनपुरी (21)
(+221639)
1 : डिंपल यादव (सपा) 598526 (कुल मिले मत)
2 : जयवीर सिंह (भाजपा) 376887 (कुल मिले मत)

हरदोई (31)
(+27856)
1 : जय प्रकाश रावत (भाजपा) 486798 (कुल मिले मत)
2 : उषा वर्मा (सपा) 458942 (कुल मिले मत)

इटावा (41)
(+58419)
1 : जितेंद्र दोहरे (सपा) 490747 (कुल मिले मत)
2 : रामशंकर कठेरिया (भाजपा) 432328 (कुल मिले मत)

फूलपुर (51)
(+4332)
1 : प्रवीण पटेल (भाजपा) 452600 (कुल मिले मत)
2 : अमरनाथ मौर्या (सपा) 448268 (कुल मिले मत)

बस्ती (61)
(+100994)
1 : रामप्रसाद चौधरी (सपा) 527005 (कुल मिले मत)
2 : हरीश द्विवेदी (भाजपा) 426011 (कुल मिले मत)

सलेमपुर (71)
(+3573)
1 : रमाशंकर राजभर (सपा) 405472 (कुल मिले मत)
2 : रवींद्र कुशवाहा (भाजपा) 401899 (कुल मिले मत)

कैराना (2)
(+69116)
1 : इकरा चौधरी (सपा) 528013 (कुल मिले मत)
2 : प्रदीप कुमार (भाजपा) 458897 (कुल मिले मत)

गाजियाबाद (12)
(+336965)
1 : अतुल गर्ग (भाजपा) 854170 (कुल मिले मत)
2 : डॉली शर्मा (कांग्रेस) 517205 (कुल मिले मत)

एटा (22)
(+28052
1 : देवेश शाक्य (सपा) 475808 (कुल मिले मत)
2 : राजवीर सिंह (भाजपा) 447756 (कुल मिले मत)

मिश्रिख (32)
(+33406)
1 : अशोक कुमार रावत (भाजपा) 475016 (कुल मिले मत)
2 : संगीता राजवंशी (सपा) 441610 (कुल मिले मत)

कन्नौज (42)
(+170922)
1 : अखिलेश यादव (सपा) 642292 वोट (कुल मिले मत)
2 : सुब्रत पाठक (भाजपा) 471370 (कुल मिले मत)

इलाहाबाद (52)
(+58795)
1 : उज्जवल रमण सिंह (कांग्रेस) 462145 (कुल मिले मत)
2 : नीरज त्रिपाठी (भाजपा) 403350 (कुल मिले मत)

सन्त कबीर नगर (62)
(+92170)
1 : लक्ष्मीकांत पप्पू निषाद (सपा) 498695 (कुल मिले मत)
2 : प्रवीण निषाद (भाजपा) 406525 (कुल मिले मत)

बलिया (72)
(+43384)
1 : सनातन पांडेय (सपा) 467068 (कुल मिले मत)
2 : नीरज शेखर (भाजपा) 423684 (कुल मिले मत)

मुजफ्फरनगर (3)
(+24672)
1 : हरेन्द्र मलिक (सपा) 470721 (कुल मिले मत)
2 : संजीव बलियान (भाजपा) 446049 (कुल मिले मत)

गौतम बुद्ध नगर (13)
(+559472)
1 : डॉ. महेश शर्मा (भाजपा) 857829 (कुल मिले मत)
2 : महेन्द्र सिंह नागर (सपा) 298357 (कुल मिले मत)

बदायूं (23)
(+34991)
1 : आदित्य यादव (सपा) 501855 (कुल मिले मत)
2 : दुर्विजय सिंह शाक्य (भाजपा) 466864 (कुल मिले मत)

उन्नाव (33)
(+35818)
1 : साक्षी महाराज (भाजपा) 616133 (कुल मिले मत)
2 : अनु टंडन (सपा) 580315 (कुल मिले मत)

कानपुर (43)
(+20968)
1 : रमेश अवस्थी (भाजपा) 443055 (कुल मिले मत)
2 : आलोक मिश्रा (कांग्रेस) 422087 (कुल मिले मत)

बाराबंकी (53)
(+215704)
1 : तनुज पुनिया (कांग्रेस) 719927 (कुल मिले मत)
2 : राजरानी रावत (भाजपा) 504223 (कुल मिले मत)

महाराजगंज (63)
(+35451)
1 : पंकज चौधरी (भाजपा) 591310 (कुल मिले मत)
2 : वीरेंद्र चौधरी (कांग्रेस) 555859 (कुल मिले मत)

जौनपुर (73)
(+99335)
1 : बाबू सिंह कुशवाहा (सपा) 509130 (कुल मिले मत)
2 : कृपा शंकर सिंह (भाजपा) 409795 (कुल मिले मत)

बिजनौर (4)
(+37508)
1 : चंदन चौहान (भाजपा+) 404493 (कुल मिले मत)
2 : दीपक सैनी (सपा) 366985 (कुल मिले मत)

बुलंदशहर (14)
(+275134)
1 : डॉ. भोला सिंह (भाजपा) 597310 (कुल मिले मत)
2 : शिवराम (कांग्रेस) 322176 (कुल मिले मत)

आंवला (24)
(+15969)
1 : नीरज मौर्य (सपा) 492515 (कुल मिले मत)
2 : धर्मेंद्र कश्यप (भाजपा) 476546 (कुल मिले मत)

मोहनलालगंज (34)
(+70292)
1 : आरके चौधरी (सपा) 667869 (कुल मिले मत)
2 : कौशल किशोर (भाजपा) 597577 (कुल मिले मत)

अकबरपुर (44)
(+44345)
1 : देवेंद्र सिंह भोले (भाजपा) 517423 (कुल मिले मत)
2 : राजाराम पाल (सपा) 473078 (कुल मिले मत)

फैजाबाद (54)
(+54567)
1 : अवधेश प्रसाद (सपा) 554289 (कुल मिले मत)
2 : लल्लू सिंह (भाजपा) 499722 (कुल मिले मत)

गोरखपुर (64)
(+103526)
1 : रवि किशन (भाजपा) 585834 (कुल मिले मत)
2 : काजल निषाद (सपा) 482308 (कुल मिले मत)

मछलीशहर (74)
(+35850)
1 : प्रिया सरोज (सपा) 451292 (कुल मिले मत)
2 : बीपी सरोज (भाजपा) 415442 (कुल मिले मत)

नगीना (5)
(+151473)
1 : चंद्रशेखर (आसपा) 512552 (कुल मिले मत)
2 : ओम कुमार (भाजपा) 361079 (कुल मिले मत)

अलीगढ़ (15)
(+15647)
1 : सतीश गौतम (भाजपा) 501834 (कुल मिले मत)
2 : बिजेंद्र सिंह (सपा) 486187 (कुल मिले मत)

बरेली (25)
(+34804)
1 : छत्रपाल सिंह गंगवार (भाजपा) 567127 (कुल मिले मत)
2 : प्रवीण सिंह एरन (सपा) 532323 (कुल मिले मत)

लखनऊ (35)
(+135159)
1 : राजनाथ सिंह (भाजपा) 612709 (कुल मिले मत)
2 : रविदास मेहरोत्रा (सपा) 477550 (कुल मिले मत)

जालौन (45)
(+53898)
1 : नारायण दास अहिरवार (सपा) 530180 (कुल मिले मत)
2 : भानु प्रताप वर्मा (भाजपा) 476282 (कुल मिले मत)

अम्बेडकरनगर (55)
(+137247)
1 : लालजी वर्मा (सपा) 544959 (कुल मिले मत)
2 : रितेश पांडेय (भाजपा) 407712 (कुल मिले मत)

कुशीनगर (65)
(+81790)
1 : विजय कुमार दुबे (भाजपा) 516345 (कुल मिले मत)
2 : अजय प्रताप सिंह (सपा) 434555 (कुल मिले मत)

गाजीपुर (75)
(+124861)
1 : अफजाल अंसारी (सपा) 539912 (कुल मिले मत)
2 : पारस नाथ राय (भाजपा) 415051 (कुल मिले मत)

मुरादाबाद (6)
(+105762)
1 : रुचि वीरा (सपा) 637363 (कुल मिले मत)
2 : कुंवर सर्वेश सिंह (भाजपा) 531601 (कुल मिले मत)

हाथरस (16)
(+247318)
1 : अनूप वाल्मिकी (भाजपा) 554746 (कुल मिले मत)
2 : जसवीर वाल्मिकी (सपा) 307428 (कुल मिले मत)

पीलीभीत (26)
(+164935)
1 : जितिन प्रसाद (भाजपा) 607158 (कुल मिले मत)
2 : भगवत सरन गंगवार (सपा) 442223 (कुल मिले मत)

रायबरेली (36)
(+390030)
1 : राहुल गांधी (कांग्रेस) 687649 वोट (कुल मिले मत)
2 : दिनेश प्रताप सिंह (भाजपा) 297619 (कुल मिले मत)

झांसी (46)
(+102614)
1 : अनुराग शर्मा (भाजपा) 690316 (कुल मिले मत))
2 : प्रदीप जैन 'आदित्य' (कांग्रेस) 587702 (कुल मिले मत)

बहराइच (56)
(+64227)
1 : आनंद कुमार गोंड (भाजपा) 518802 (कुल मिले मत)
2 : रमेश चंद्र (सपा) 454575 (कुल मिले मत)

देवरिया (66)
(+34842)
1 : शशांक मणि त्रिपाठी (भाजपा) 504541 (कुल मिले मत)
2 : अखिलेश प्रताप सिंह (कांग्रेस) 469699 (कुल मिले मत)

चन्दौली (76)
(+21565)
1 : बीरेंद्र सिंह (सपा) 474476 (कुल मिले मत)
2 : महेंद्र नाथ पांडेय (भाजपा) 452911 (कुल मिले मत)

रामपुर (7)
(+87434)
1 : मोहिबुल्लाह नदवी (सपा) 481503 (कुल मिले मत)
2 : घनश्याम सिंह लोधी (भाजपा) 394069 (कुल मिले मत)

मथुरा (17)
(+293407)
1 : हेमा मालिनी (भाजपा) 510064 (कुल मिले मत)
2 : मुकेश धनगर (कांग्रेस) 216657 (कुल मिले मत)

शाहजहांपुर (27)
(+55379)
1 : अरुण कुमार सागर (भाजपा) 592718 (कुल मिले मत)
2 : ज्योत्सना गोंड (सपा) 537339 (कुल मिले मत)

अमेठी (37)
(+167196)
1 : केएल शर्मा (कांग्रेस) 539228 (कुल मिले मत)
2 : स्मृति इरानी (भाजपा) 372032 (कुल मिले

हमीरपुर-महोबा (47)
(+2629)
1 : अजेन्द्र सिंह लोधी (सपा) 490683 (कुल मिले मत)
2 : पुष्पेन्द्र चंदेल (भाजपा) 488054 (कुल मिले मत)

कैसरगंज (57)
(+148843)
1 : करण भूषण सिंह (भाजपा) 571263 (कुल मिले मत)
2 : भगत राम (सपा) 422420 (कुल मिले मत)

बांसगांव (67)
(+3150)
1 : कमलेश पासवान (भाजपा) 428693 (कुल मिले मत)
2 : सदल प्रसाद (कांग्रेस) 425543 (कुल मिले मत)

वाराणसी (77)
(+152513)
1 : नरेन्द्र मोदी (भाजपा) 612970 (कुल मिले मत)
2 : अजय राय (कांग्रेस) 460457 (कुल मिले मत)

सम्भल (8)
(+121494)
1 : जियाउरहमान (सपा) 571161 (कुल मिले मत)
2 : परमेश्वर लाल सैनी (भाजपा) 449667 (कुल मिले मत)

आगरा (18)
(+271294)
1 : एसपी सिंह बघेल (भाजपा) 599397 (कुल मिले मत)
2 : सुरेश चंद कर्दम (सपा) 328103 (कुल मिले मत)

खीरी (28)
(+34329)
1 : उत्कर्ष वर्मा 'मधुर' (सपा) 557365 (कुल मिले मत)
2 : अजय मिश्र (टेनी) (भाजपा) 523036 (कुल मिले मत)

सुल्तानपुर (38)
(+43174)
1 : राम भुआल निषाद (सपा) 444330 (कुल मिले मत)
2 : मेनका गांधी (भाजपा) 401156 (कुल मिले मत)

बांदा (48)
(+71210)
1 : कृष्णा देवी पटेल (सपा) 406567 (कुल मिले मत)
2 : आरके सिंह पटेल (भाजपा) 335357 (कुल मिले मत)

श्रावस्ती (58)
(+76673)
1 : राम शिरोमणि वर्मा (सपा) 511055 (कुल मिले मत)
2 : साकेत मिश्रा (भाजपा) 434382 (कुल मिले मत)

लालगंज (68)
(+115023)
1 : दरोगा प्रसाद सरोज (सपा) 439959 (कुल मिले मत)
2 : नीलम सोनकर (भाजपा) 324936 (कुल मिले मत)

भदोही (78)
(+44072)
1 : डॉ. विनोद कुमार बिंद (भाजपा) 459982 (कुल मिले मत)
2 : ललितेश पति त्रिपाठी (टीएमसी) 415910 (कुल मिले मत)

अमरोहा (9)
(+28670)
1 : कंवर सिंह तंवर (भाजपा) 476506 (कुल मिले मत)
2 : दानिश अली (कांग्रेस) 447836 (कुल मिले मत)

फतेहपुर सीकरी (19)
(+43405)
1 : राजकुमार चाहर (भाजपा) 445657 (कुल मिले मत)
2 : राम नाथ सिकरवार (कांग्रेस) 402252 (कुल मिले मत)

धौरहरा (29)
(+4449)
1 : आनंद भदौरिया (सपा) 443743 (कुल मिले मत)
2 : रेखा वर्मा (भाजपा) 439294 (कुल मिले मत)

प्रतापगढ़ (39)
(+66206)
1 : एसपी सिंह पटेल (सपा) 441932 (कुल मिले मत)
2 : संगम लाल गुप्ता (भाजपा) 375726 (कुल मिले मत)

फतेहपुर (49)
(+33199)
1 : नरेश उत्तम पटेल (सपा) 500328 (कुल मिले मत)
2 : निरंजन ज्योति (भाजपा) 467129 (कुल मिले मत)

गोंडा (59)
(+46224)
1 : कीर्तिवर्धन सिंह (भाजपा) 474258 (कुल मिले मत)
2 : श्रेया वर्मा (सपा) 428034 (कुल मिले मत)

आज़मगढ़ (69)
(+161035)
1 : धर्मेंद्र यादव (सपा) 508239 वोट (कुल मिले मत)
1 : दिनेश यादव निरहुआ (भाजपा) 347204 (कुल मिले मत)

मिर्जापुर (79)
(+37810)
1 : अनुप्रिया पटेल (भाजपा+) 471631 (कुल मिले मत)
2 : रमेश चंद बिंद (सपा) 433821 (कुल मिले मत)

मेरठ (10)
(+10585)
1 : अरुण गोविल (भाजपा) 546469 (कुल मिले मत)
2 : सुनीता वर्मा (सपा) 535884 (कुल मिले मत)

फिरोज़ाबाद (20)
(+89312)
1 : अक्षय यादव (सपा) 543037 (कुल मिले मत)
2 : विश्वदीप सिंह (भाजपा) 453725 (कुल मिले मत)

सीतापुर (30)
(+89641)
1 : राकेश राठौर (कांग्रेस) 531138 (कुल मिले मत)
2 : राजेश वर्मा (भाजपा) 441497 (कुल मिले मत)

फर्रुखाबाद (40)
(+2678)
1 : मुकेश राजपूत (भाजपा) 487963 (कुल मिले मत)
2 : डॉ नवल किशोर शाक्य (सपा) 485285 (कुल मिले मत)

कौशाम्बी (50)
(+103944)
1 : पुष्पराज सरोज (सपा) 509787 (कुल मिले मत)
2 : विनोद सोनकर (भाजपा) 405843 (कुल मिले मत)

डुमरियागंज (60)
(+42728)
1 : जगदंबिका पाल (भाजपा) 463303 (कुल मिले मत)
2 : भीष्मा शंकर तिवारी (सपा) 420575 (कुल मिले मत)

घोसी (70)
(+162943)
1 : राजीव राय (सपा) 503131 (कुल मिले मत)
2 : अरविंद राजभर (सुभासपा) 340188 (कुल मिले मत)

राबर्ट्सगंज (80)
(+129234)
1 : छोटेलाल खरवार (सपा) 465848 (कुल मिले मत)
2 : रिंकी कोल (भाजपा+) 336614 (कुल मिले मत)

आज का मौसम

आसमान में हल्की धूप खिली रहेगी।

40.2⁰	27.1⁰
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 00.59	सूर्यास्त 00.11

पीलीभीत में फिर खिला कमल...जितिन ने सपा के भगवत सरन को हराया

हार-जीत को लेकर कई दिनों की तमाम आशंकाओं के बीच 164935 वोटों से जीते भाजपा प्रत्याशी, 29 राउंड में पूरी की गई मतगणना

मतगणना स्थल पर विजयी जितिन प्रसाद को प्रमाण पत्र देते जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार सिंह ● अमृत विचार

मंडी समिति में सरकारी वेबसाइट पर मतदान प्रतिशत अपलोड करते कार्मिक ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: हाई प्रोफाइल मानी जाने वाली पीलीभीत लोकसभा सीट पर एक बार फिर कमल खिल उठा। तमाम आशंकाओं के बीच भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद ने परिणाम को अपने पक्ष में कर लिया। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी सपा के भगवत सरन गंगवार को 1,64,935 मतों से हराकर जीत दर्ज की। तीसरे नंबर पर बसपा के अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू रहे। उन्होंने 89697 वोट हासिल किए।

मंडी समिति परिसर मंगलवार सुबह छह बजे से पूर्व ही सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए। मंडी समिति के तीन प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए। मंडी समिति के गेटों पर मतगणना कार्मिकों, मतगणना एजेंटों समेत अन्य ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों की सघन जांच के बाद ही उन्हें मंडी परिसर में घुसने की इजाजत दी गई। मतगणना स्थल को त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में लेने के साथ ही सुबह आठ बजे मतगणना का कार्य शुरू हुआ। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की मतगणना का कार्य किया गया है। इस दौरान ईटीपीबीएस से प्राप्त मतों की स्कैनिंग करने के बाद उन्हें पोस्टल बैलेट मतगणना टेबल पर ले जाया गया। मतगणना शुरू होने से पूर्व ही सपा प्रत्याशी भगवत सरन गंगवार मतगणना स्थल पर पहुंच गए। करीब साढ़े आठ बजे ईवीएम से प्राप्त वोटों की गिनती का कार्य निर्धारित दो अलग-अलग शेडों में शुरू किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार सिंह ने अन्य मतगणना अधिकारियों के साथ मतगणना स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। पहले राउंड की घोषणा करीब पौने दस बजे के की गई। पहले राउंड में ही भाजपा के जितिन प्रसाद ने 23043 वोट हासिल किए, जबकि सपा के भगवत सरन गंगवार ने 13126 एवं बसपा के अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू ने 2763 मत प्राप्त किए। करीब दो राउंड के बाद भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद भी मतगणना स्थल पर पहुंचे। पहले राउंड से कमल खिलने का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह अंतिम दौर तक चलता रहा। मतगणना के दौरान जैसे-जैसे राउंडों की घोषणा की जा रही थी, सपाइयों की धड़कनें भी तेज होती चली गई। पहले राउंड की घोषणा के दौरान भाजपा के पक्ष में लगी वोटों की झड़ी अंतिम दौर तक बरकरार रही। करीब साढ़े तीन बजे हुई 15वें राउंड की घोषणा में जितिन प्रसाद 1.51 लाख वोटों से बढ़त बना चुके थे। इस बीच परिणामों को देख सपा प्रत्याशी भगवत सरन गंगवार अपने समर्थकों के साथ मतगणना स्थल से चले गए। करीब चार बजे तक चली 29 राउंड की मतगणना में भाजपा के जितिन प्रसाद ने सपा(गठबंधन) के भगवत सरन गंगवार को 1,64,935 वोटों से हराकर पीलीभीत लोकसभा सीट पर एक बार फिर कमल खिला दिया। जितिन प्रसाद ने 6,07,158 वोट हासिल किए। वहीं सपा (गठबंधन) के भगवत सरन गंगवार ने 4,42,223 मत प्राप्त किए। जबकि बसपा के अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू तीसरे नंबर पर रहे। उन्होंने कुल 89,697 वोट प्राप्त किए। चूंकि बहेड़ी विधानसभा क्षेत्र के वोटों की गिनती बरेली जनपद में की गई थी। वहां से परिणाम न आने के चलते फाइनल परिणाम की घोषणा में देरी हो गई। शाम करीब सवा सात बजे जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार सिंह ने प्रेक्षक प्रसन्ना रामास्वामी की मौजूदगी में विजयी प्रत्याशी भाजपा के जितिन प्रसाद को प्रमाण पत्र सौंपकर उनकी जीत की घोषणा की। इस दौरान एसपी अविनाश पांडेय, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋतु पूनिया समेत सभी सहायक रिटर्निंग आफिसर व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

इन प्रत्याशियों को मिले इतने वोट

जितिन प्रसाद (भाजपा)	607158
अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू (बसपा)	89697
भगवत सरन गंगवार (सपा गठबंधन)	442223
राजीव कुमार सक्सेना(भारतीय कृषक दल)	3809
संजय कुमार भारती (राष्ट्रीय समाज दल)	1631
आदर्श पांडेय (निर्दलीय)	1726
आशीष कुमार (निर्दलीय)	1850
प्रमोद भाई पटेल उर्फ पीके (निर्दलीय)	1539
मोहम्मद शाहिद हुसैन (निर्दलीय)	1846
सुशील कुमार शुक्ला (निर्दलीय)	2727

सपा का वोट प्रतिशत बढ़ा मगर जीत नहीं पाए भगवत सरन, बड़े अंतर से मिली हार

- **2019 के चुनाव में मिले थे 37.83 प्रतिशत वोट, 2024 में मिले 38.09 प्रतिशत वोट**
- **भाजपा का वोट प्रतिशत पिछली बार से कम, मगर जीत 164935 वोट से दर्ज कराई**

पीलीभीत, अमृत विचार: इस बार के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का वोट प्रतिशत बीते चुनाव की भांति कुछ बढ़ा लेकिन जीत नहीं मिल सकी। भाजपा का वोट प्रतिशत पिछली बार के मुकाबले कम होने के बाद भी बड़े अंतर से प्रत्याशी जितिन प्रसाद ने जीत दर्ज कर भाजपा के गढ़ को बचा लिया। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे वरुण गांधी को 704546 वोट मिले थे। ये मतदान में डाले गए कुल वोट का 59.38 प्रतिशत वोट था। जबकि सपा -बसपा गठबंधन के प्रत्याशी हेमराज वर्मा 448922 वोट पाकर दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्हें 37.83 प्रतिशत वोट मिला था। इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा से पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार मैदान में थे और भाजपा ने कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद को उम्मीदवार बनाया था। जितिन प्रसाद ने कुल 607158 वोट हासिल किए और 164935 वोट से जीत दर्ज की। जीत का अंतर काफी अधिक रहा। मगर वोट प्रतिशत 52.3 रहा। जबकि सपा के प्रत्याशी भगवत सरन गंगवार को 442223 वोट मिले। जोकि 38.09 रहा। इसके अलावा बसपा के फूलबाबू 89697 वोट पाकर जमानत भी नहीं बचा पाए। उन्हें महज 7.73 प्रतिशत वोट मिल सका।

राउंडवार इतने मिले वोट

राउंड	अनीस अहमद	जितिन प्रसाद	भगवत सरन गंगवार
1	2763	23048	13162
2	4181	21195	14717
3	3985	25542	14048
4	3135	2363	15115
5	3050	26180	13509
6	3261	21416	18072
7	2674	22650	17839
8	2690	25844	13098
9	2879	23446	13401
10	3989	22757	16189
11	2934	21908	15330
12	2590	20652	17247
13	2085	18052	23904
14	2820	20627	19898
15	3233	16196	20027
16	2628	23440	13186
17	3264	26030	12532
18	3946	21623	13796
19	4002	23907	14905
20	3084	19297	19636
21	2726	19342	17301
22	3258	20736	16429
23	3133	20295	18242
24	2977	22249	13955
25	3652	24523	13904
26	2596	22280	9824
27	2830	12358	18156
28	3934	10144	7422
29	948	5182	3532

2019 में वरुण गांधी ने हेमराज वर्मा को किया था पराजित

पीलीभीत, अमृत विचार: पिछले चुनाव (2019) में भाजपा के वरुण गांधी सपा-बसपा के संयुक्त उम्मीदवार से करीब 21 प्रतिशत मतों से आगे थे तब वरुण गांधी की सीधी टक्कर सपा के पूर्व मंत्री रहे हेमराज वर्मा से थी। लोकसभा चुनाव में कुल 1187225 मत पड़े थे। देर शाम 29 चरणों में हुई मतगणना पूरी होने के बाद वरुण गांधी को 704549 और गठबंधन के हेमराज वर्मा को 448922 मत मिले थे।

भाजपा के वरुण गांधी ने हेमराज वर्मा को 255627 मतों से शिकस्त दी थी। वहीं, सभी एग्जिट पोल और जानकारों ने भी वरुण गांधी का पलड़ा भारी बताया गया था और आखिरी में नतीजे भी वरुण के पक्ष में आए थे। इससे पहले 2014 में वरुण गांधी की मां मेनका गांधी ने बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। मतदान के बाद से ही मेनका की जीत को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। मतगणना जब शुरू हुई तो रुझान भी भाजपा प्रत्याशी की ओर देख अंदाजा लग गया था मेनका की जीत तय है। ढाई लाख से ज्यादा वोटों के अंतर पर जीत दर्ज की थी। उन्होंने समाजवादी पार्टी के नेता बूद्धसेन वर्मा को परास्त किया था। मेनका गांणी को 546934 वोट मिले तो सपा के बुद्धासेना वर्मा को 271478 वोट ही मिल सके थे।

मतगणना के उतार-चढ़ाव के साथ बदलता रहा मौसम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : मतगणना की बेला में सियासत के साथ मौसम ने भी अपना रंग खूब दिखाया। मंगलवार को मौसम का तेवर अन्य दिनों के मुकाबले और तल्ख रहा। तापमान 39.02 से बढ़कर 40.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिला। मतगणना स्थल पर तल्ख धूप के तेवरों से वहां लगे मतगणना कार्मिक, सुरक्षा कर्मी और एजेंट बेहाल दिखे। गर्मी से निजात पाने के लिए लोग पानी, जूस आदि शीतल पेयों का सहारा लेते दिखाई दिए।

मंगलवार को सुबह ठीक आठ बजे मंडी समिति में लोकसभा चुनाव की मतगणना शुरु हुई। सुबह पहले राउंड से पांचवे राउंड तक मौसम सुहावना रहा। एक तरफ भाजपा अपनी लीड बढ़ाती जा रही थी। जैसे जैसे लीड का पारा बढ़ता गया। वैसे वैसे मौसम में भी तब्दीली होती चली गई। कुछ देर बाद अचानक तेज हवा के साथ बूंदाबंदी शुरु हुई तो लोगों को लगा अब गर्मी से उन्हें राहत मिलेगी। मगर 10 मिनट की बारिश के बाद और चिपचिपाहट वाली गर्मी का एहसास होने लगा। साढ़े 12 बजे के बाद तेज धूप निकली और हर कोई बेहाल दिखा। त्वचा को भेदती सूर्य की किरणें और लू के थपेड़ों से लोगों को परेशान करती रही। आलम यह रहा कि तेज धूप की वजह से लोगों का घरों से निकलना मुश्किल रहा।

दोपहर में सड़कें खाली रहीं, जो लोग निकले वो अनेकों जतन के साथ। चढ़ते पारे के साथ ही लोगों के हलक भी सूखने लगे थे। मतगणना ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मी हो या फिर एजेंट हर कोई ठंडे पानी की तलाश करते दिखा।बाहर ड्यूटी पर लगा फोर्स भी जूस के ठेले और पानी की दुकानों पर दिखाई दे रहा था। जहां गला तर करने के बाद उन्हें कुछ सुकून मिला।

गर्मी की वजह से कार्यकर्ता भी पार्टियों की ओर से बनाए गए कैंप कार्यालय पर बैठकर ही हार जीत का आंकड़ा लगाते रहे। जबकि हर मतगणना में मंडी समिति के दोनों गेटों पर भीड़ लगी रहती थी। मगर प्रचंड गर्मी के चलते ऐसा नहीं हुआ। धूप से बचने के लिए सड़कों पर लगे सुरक्षाकर्मी भी छावं तलाशते नजर आए। ताकि उन्हें गर्मी से राहत मिल सके।

बारिश हुई तो टिनशेड की ओर दौड़े पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

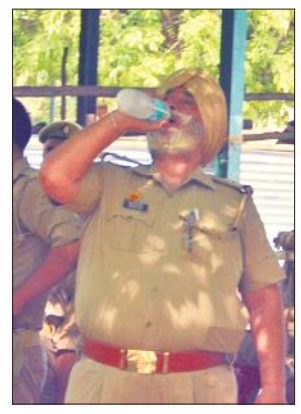

शीतल जल से गर्मी से राहत पाते पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

- **सुबह हुई हल्की बूंदाबांदी, दोपहर में तेज धूप ने बढ़ाई तपिश**
- **पानी और जूस की दुकानों पर सुबह से शाम तक लगी रही भीड़**

अभी कुछ दिन गर्मी से राहत नहीं

कृषि वैज्ञानिक डॉ. एस एस ढाका ने बताया कि मंगलवार को अधिकतम पारा 42.2 डिग्री सेल्सियस था वहीं सोमवार को पारा 39 डिग्री रहा था। तापमान में 1.2 डिग्री की बढ़ोतरी ने लोगों को बेहाल कर दिया था। कभी कुछ दिनों तक राहत की उम्मीद नहीं दिख रही है।

मतगणना स्थल पर बच्चे को बारिश से छाता लगाकर बचाती पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

चुनाव के दौरान जनता से किए सभी वादे किए जाएंगे पूरे

पीलीभीत, अमृत विचार: लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद भाजपा प्रत्याशी व लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद मीडिया के सामने आए। उन्होंने कहा कि नतीजों से तय हो गया है कि अब एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है। चुनाव के प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री समेत कई अन्य बड़े नेताओं ने उनके समर्थन में जनसभाएं की।

स्थानीय स्तर पर पार्टी कार्यकर्ता भी दिनरात डटे रहे। कहा कि उन्होंने जनता से जो लोकसभा चुनाव में जीत मिलने पर जो वादे किए थे, उन सभी को पूरा किया जाएगा। उद्योगों को बढ़ावा दिए जाने के साथ ही ढांचागत विकास पर उनका फोकस रहेगा। कहा कि पीलीभीत में मानव-वन्यजीव संघर्ष एक बड़ी समस्या रही है। इस समस्या का भी प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराएंगे। उन्होंने कहा कि पीलीभीत सीट पर रिकॉर्ड वोटों से जीत हुई है। यह सब यहां की जनता के आशीर्वाद से हुआ है। कहा कि संसदीय क्षेत्र का विकास कराने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे।

...और जब पहुंचे लंच पैकेट, टूट पड़े पुलिस कर्मी

लंच पैकेट ले जाते पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: मतगणना संपन्न कराई जा रही थी। बारिश के बाद निकली तपती धूप में हर कोई बेचैन सा था। काफी समय भी हो गया था और हर खाने का इंतजार किया जा रहा था। प्रत्याशियों के एजेंटों के लिए भी लंच पैकेट पहुंचने लगे थे। कार्मिकों को भी भोजन परोसा गया था। इसी बीच तपती धूप में सुरक्षा की कमान संभाल रहे पुलिसकर्मियों के लिए भी लंच पैकेट पहुंचे। सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने उन्हें अपनी देखरेख में बंटवाया।

एवरेस्ट फतेह कर लौटे सत्यदीप का स्वागत

संवाददाता, पूरनपुर

अमृत विचार: एवरेस्ट और लहोत्से पर्वतों की चढ़ाई पूरी कर नया रिकॉर्ड बनाने वाले सत्यदीप गुप्ता के घर लौटने पर भव्य स्वागत किया गया। कस्बे का नाम रोशन करने वाले पर्वतारोही को फूल मालाओं से लाद दिया और गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड में नाम दर्ज करने की मांग की है।

नगर के रहने वाले सत्यदीप गुप्ता पर्वतारोही हैं। अब तक कई पर्वत श्रृंखलाओं की चढ़ाई पूरी कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने नेपाल में स्थित एवरेस्ट और लहोत्से पर्वत की चढ़ाई पूरी की थी। एक सप्ताह में दो बार उन्होंने दोनों पर्वतों की चढ़ाई पूरी कर नया रिकॉर्ड बनाया। सत्यदीप की इस सफलता से क्षेत्र के लोग गौरवान्वित है। चढ़ाई पूरी करने के बाद से ही सोशल मीडिया पर उन्हें शुभकामनाएं दी गई थी। मंगलवार को सत्यदीप गुप्ता अपने घर पहुंचे।

जानकारी लगते ही काफी संख्या में लोग उन्हें बधाई देने के लिए पहुंच गए। लोगों ने पूरनपुर का नाम रोशन करने वाले सत्यदीप गुप्ता को फूल मालाओं से लाद दिया। इस दौरान तराई विकास मोर्चा के संयोजक सच्चिदानंद वर्मा ने कहा कि बेहद कठिन परिस्थितियों में सत्यदीप गुप्ता एवरेस्ट और लहोत्से पर्वत की चढ़ाई पूरी की। उन्होंने पूरनपुर का ही नहीं पूरे देश का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर हम सबको गर्व है। सभी ने सत्यदीव का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड में दर्ज करने की भी मांग की। सच्चिदानंद वर्मा,पूर्व जिला पंचायत सदस्य अर्चना वर्मा, राधा कृष्ण गुप्ता, अमित गुप्ता, मीना गुप्ता, जूही गुप्ता, शिवी गुप्ता सहित कई लोग मौजूद रहे

घर लौटने पर पर्वतारोही सत्यदीप गुप्ता का स्वागत करते लोग। ● अमृत विचार

- **गिनीज बुक में नाम दर्ज कराने की उठाई मांग**

मतगणना में नोटा ने दिखाई धमक 6741 वोटरों ने किसी को नहीं चुना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **19 राउंड में सात प्रत्याशियों पर भारी रहा नोटा**
- **पिछले चुनाव में भी 9973 वोट पाकर तीसरे पर रहा था नोटा**

अमृत विचार: पीलीभीत लोकसभा सीट पर कुल 10 प्रत्याशियों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया था, लेकिन केवल तीन को छोड़ दें तो बाकी सात नोटा से भी आगे नहीं निकल सके। पांचों विधानसभा सीट पर कुल 6741 लोगों ने नोटा का प्रयोग किया, हालांकि यह पिछले लोकसभा चुनाव में 9973 लोगों ने नोटा को विकल्प के तौर पर चुना था।

लोकसभा सीट की पांचों विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी को 607158 मत मिले हैं। जबकि सपा (गठबंधन) प्रत्याशी को 4,42,223 वोट हासिल हुए। वहीं बसपा प्रत्याशी ने 89,697 वोट हासिल किए। इनके बाद चौथा नंबर नोटा का आता है। इस बार हुए लोकसभा चुनाव में 6741 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। इसके बाद चुनाव मैदान में उतरे शेष सात अन्य प्रत्याशी का नंबर आता है जो नोटा को भी पार नहीं कर सके। मतगणना के 29 राउंड की बात करें तो नोटा ने इन सात प्रत्याशियों को 19 राउंड में शिकस्त दी।

पोस्टल बैलेट में सपा (गठबंधन) आगे रहा

लोकसभा चुनाव में जीत भले ही भाजपा प्रत्याशी ने दर्ज की है, लेकिन पोस्टल बैलेट मत लेने में सपा (गठबंधन) प्रत्याशी आगे रहें। सपा (गठबंधन) प्रत्याशी को 2488 पोस्टल बैलेट वोट मिले हैं। दूसरे नंबर पर भाजपा प्रत्याशी रहे। उनको 1959 पोस्टल बैलेट वोट मिले हैं। बसपा प्रत्याशी को 445 मत मिले हैं। शेष बचे सात अन्य प्रत्याशियों को भी पोस्टल बैलेट मत मिले, लेकिन इनमें से किसी को भी 20 से अधिक पोस्टल बैलेट वोट नहीं मिल पाए। यहां भी नोटा इन सात प्रत्याशियों पर भारी रहा। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2013 में जब नोटा का विकल्प देने का ऐतिहासिक फैसला सुनाया होगा, तो उसने भी नहीं सोचा होगा कि बड़ी संख्या में लोग इसके पक्ष में मतदान करेंगे। प्रत्याशियों के खिलाफ अविश्वास जताने के इस बड़े हथियार का लोगों ने खूब इस्तेमाल किया है।

शिव इन्टरप्राईजेज फोम एण्ड प्लाई
गद्दे, सोफे का सामान, पर्दे, प्लाई बोर्ड, दरवाजे, सनमाइका हार्डवेयर, फर्नीचर
सिकलापुर, बरेली
9897245877

रास्ता बंद होने के कारण धूप में बच्ची को गोद में लेकर जाता परिवार का सदस्य और अन्य।

पूर्णागिरि जाने के लिए पैदल भटकते श्रद्धालु ● अमृत विचार

मंडी समिति सड़क पर पैदल भटकते राहगीर। ● अमृत विचार

एक नजर

सैयद साहब का सालाना उर्फ आज से

बीसलपुर : नगर के ईदगाह चौराहे के नजदीक स्थित सैयद साहब का सलाना उर्स बुधवार से शुरू होगा, जोकि नौ जून तक चलेगा। उर्स कमेटी के अध्यक्ष मुजम्मिल अहमद ने बताया कि उर्स में छह और सात जून को कव्वाली महफिल होगी। जिसमें मुंबई के कव्वाल खली बरसाती, दिल्ली के कव्वाल ताहिर चिश्ती अपनी कव्वालियों का फन बिखरेंगे। नौ जून को कुल शरीफ के साथ उर्स का समापन होगा। हजारों कीसंख्या में अक़ीक़तमंद उर्स में शिरकत करेंगे।

सड़क हादसों में तीन लोग घायल, हालत गंभीर

बीसलपुर : नगर के अलग-अलग मार्गों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बिलसंडा क्षेत्र के ग्राम भरकनिया के रहने वाले सत्यपाल एक चिकित्सक के यहां कर्मचारी हैं। वह मंगलवार को सड़क पार कर रहे थे। इस बीच पीलीभीत की ओर से आ रहे बाइक चालक ऋषभ ने टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गए। उन्हें राहगीरों की मदद से अस्पताल भर्ती कराया गया। जबकि बाइक सवार को भी चोट आई। उधर, आसरा आवास कॉलोनी के दीपक गंगवार बाइक से काम निपटाकर घर जा रहे थे। जनता टेक्निकल इंटर कॉलेज के सामने थ्री व्हीलर ने टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गए। उन्हें नगर के एक निजी अस्पताल भर्ती कराया गया है।

वाहनों के लिए दिनभर भटकते रहे यात्री हाईवे पर पहुंचने के बाद मिली मंजिल

जनाजे में कानपुर जाने को निकले परिवार को नहीं मिली सवारी कई किमी चले पैदल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- नौगवां चौराहा और ओवरब्रिज पर की गई थी नो एंट्री, लंबी दूरी तय मंजिल को पहुंचे लोग

अमृत विचार : मतगणना को सकुशल संपन्न कराने के लिए किया गया रूट डायवर्जन के चलते यात्रियों को परेशानी हुई। सवारियों के लिए तेज धूप में भटकना पड़ा। मंडी समिति वाले रास्ते को चारों तरफ से रुट डायवर्जन होने के कारण बंद कर दिया था। किसी वाहन को प्रवेश नहीं मिल सका। इसकी वजह से यात्री सड़कों पर पैदल भटकते दिखाई दिए।

जनाजे में शामिल होने कानपुर जा रहे एक परिवार को भी सवारी न मिलने के कारण करीब तीन किलोमीटर पैदल चलना पड़ा और फिर असम हाईवे तक पहुंचे। तब जाकर गंतव्य के लिए सवारी मिल सकी। यह स्थिति देर शाम तक बनी रही। जिस वजह से यात्रियों को मंजिल तक पहुंचने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। नवीन मंडी समिति में मंगलवार को लोकसभा चुनाव की मतगणना हुई। पुलिस प्रशासन की ओर से मंडी समिति के अलावा कई जगह रुट डायवर्जन किया गया था। टनकपुर हाईवे पर नौगवां अंडरपास और ओवरब्रिज का मार्ग पर आमजनमानस के लिए बंद कर दिया था। नवीन मंडी समिति के रामलीला रोड और हाईवे के मार्गपर भी आवागमन बंद थ। पुलिस की ओर से बरेली, बीसलपुर, पूरनपुर, जहानाबाद की तरफ से आने वाले वाहन बरेली हाईवे पर टाइगर तिराहा से ईदगाह रेलवे क्रॉसिंग होते हुए नौगवां चौराहा की तरफ से निकाले जा रहे थे। वहीं शहर से बरेली, बीसलपुर, जहानाबाद, पूरनपुर की तरफ जाने वाले बड़े वाहनों को नौगवां चौराहा से ईदगाह क्रासिंग से टाइगर तिराहा की ओर से डायवर्ट किया हुआ था। असम चौराहा से शहर के भीतर की तरफ आने वाले रास्ते और भी आवाजाही प्रतिबंध की हुई थी। बड़े वाहन से लेकर बाइकों के प्रवेश पर भी रोक लगा दी गई थी।

असम चौराहा पर मंडी की ओर जाने वाले वाहनों को रोकती पुलिस ● अमृत विचार

जिसकी वजह से स्थानीय लोगों को आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आलम यह था कि शहर में कानपुर का एक परिवार रुककर कई दिनों से साड़ी का कारोबार कर रहा था। जनाजे में शामिल होने के लिए मंगलवार को परिवार कानपुर जा रहा था। इस दौरान वह वाहन ना मिलने पर उन्हे कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। किसी तरह पूरनपुर हाईवे पर पहुंचने के बाद उन्हें गतंव्य के लिए सवारी मिल सकी। वहीं पूर्णागिरि जाने वाले यात्रियों को भी असुविधाओं का सामना करना पड़ा। सवारी न मिलने की वजह से जिन्हें घूमकर जाना पड़ा।

सवारी न मिलने के कारण सड़क पर पैदल जाता पैर से दिव्यांग युवक।

टाइगर तिराहा से निकाली गई बसें और ट्रक

मतगणना के चलते भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी। मगर यात्रियों को सुविधा देने के लिए रोडवेज की ओर से विभिन्न रुटों पर चलाई जाने वाली बसों को नौगवां चौराहा से सवारी लेने के बाद उन्हें टाइगर तिराहा के रास्ते निकाला गया। ऐसे में टाइगर तिराहा पर भारी ट्रैफिक बना रहा।

इतना ही नहीं नौगवां अंडर पास के नीचे से भी मंडी की ओर से जाने वाले वाहनों को रोक दिया गया था। ऐसे में नौगवां पकड़िया और शारदा कॉलोनी के आसपास रहने वाले लोगों को भी दिक्कतें हुई। कई जगह पुलिस कर्मियों से निकलने को लेकर स्थानीय लोगों की बहस भी हुई। ऐसे में शहर के भीतर से नौगवां की ओर आए लोगों को मजबूरी में पैदल ही मंडी समिति सड़क पर पैदल सफर करना पड़ा। आलम यह रहा कि 42 डिग्री तापमान में लोग अपने सिर पर सामान और पीठ पर बैग लदाकर पैदल भटकते हुए दिखाई दिए। तो वहीं बीसलपुर और पूरनपुर हाईवे पर सवारी की भी किल्लत बनी रही। जिन्हें सवारी मिली तो उनसे दोगुना किराया भी वसूला गया। ऐसे में मजबूरी में लोगों को मंजिल तक पहुंचने के लिए जदोजहद करना पड़ी।

शहर में नौगवां ओवरब्रिज के पास से वाहन सवारों को वापस करती पुलिस।

असम चौराहा सै मंडी जाने वाले रोड पर इक्का-दुक्का दिखे वाहन।

भितरघातियों को चिंता सताई, अब मिलेगी माफी या फिर होगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मतदान के बाद से ही चल रही थी कुछ नाम की चर्चाएं
- भाजपा-सपा दोनों ही दलों में नतीजे सामने आने पर मची खलबली

अमृत विचार: चुनाव परिणाम सामने आने के बाद भाजपा खेमें में जश्न तो सपा को एक बार फिर मायूसी हाथ लगी है। हर बार की तरह मंथन भी होगा। खास बात ये है कि दोनों ही दलों के नेताओं के बीच मतगणना स्थल पर ही भितरघातियों को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई। कुछ नामों की चर्चाएं बढ़ी तो बात उन तक भी पहुंची और चिंता बढ़ती सी दिखाई दे गई। समर्थकों के बीच भी यही कयास लगाए जाते रहे कि अब भितरघात की माफी मिलेगी या फिर संगठन के स्तर से कार्रवाई की तलवार लटक गई है।

इस बार का लोकसभा चुनाव पीलीभीत वासियों के साथ ही राजनीतिक दलों के लिए भी बेहद खास था। मतदान के बाद बसपा के मुकाबले से आउट होने की बात आम हो चुकी थी। भाजपा और सपा के बीच टक्कर मानी जा रही थी। चुनाव में उम्मीद से अधिक साइकिल की रफ्तार का शोर बढ़ा भी रहा। दोनों ही दल अपनी जीत को लेकर आश्वस्त थे।

भाजपा ने चार लाख पार का लक्ष्य तय कर रखा था तो सपा (गठबंधन) प्रत्याशी की जीत भी दो लाख के आसपास वोटों से होना उनके राजनीतिक दलों के पदाधिकारी मान रहे थे। चुनाव प्रचार के दौरान ही अपनों की नाराजगी और चुप्पी ने कुछ नामों को लेकर भितरघात का शोर बढ़ा दिया था। मंगलवार को मतगणना के बाद परिणाम आए और कमल खिल गया। जितिन प्रसाद नवनिर्वाचित सांसद चुने गए और दूसरे नंबर सपा गठबंधन प्रत्याशी भगवत सरन गंगवार रहे। मंडी परिसर में तमाम भाजपाई जीत को लेकर जितिन प्रसाद के स्वागत और बधाई देने के लिए दोपहर बाद ही पहुंचना शुरू हो गए थे। डेढ़ लाख तक लीड पहुंची तो सपा प्रत्याशी समेत अन्य पदाधिकारी भी मतगणना स्थल से निकलना शुरू हो गए थे। इस दौरान जीत-हार के अलावा भितरघात करने वालों को लेकर भी नेताओं के बीच चर्चा होती रही। कुछ भाजपाइ अपने दल के जिम्मेदारों पर सवाल उठाते दिखाईदिए। जबकि सपा में भी इसको लेकर मंथन कम नहीं दिखा। जिनके नामों की चर्चा रही उनके समर्थक भी इस सुगबुगाहट को देख चिंता में डूबे रहे कि आखिर अब आगे क्या होगा?

घरों और दुकानों में टीवी के सामने डटे रहे लोग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- पल-पल की अपडेट के चलते भोजन करने समेत अन्य कार्य भी टीवी देखते हुए किए पूर्ण

अमृत विचार: चार जून को मतगण्ना होनी थी। नतीजों को लेकर सुबह जैसे ही मतगणना शुरू हुई लोगों ने तैयारी पूर कर ली। मतगणना के दौरान घरों और दुकानों में लोग टीवी के सामने डटे रहे। हर कोई चुनाव परिणाम जानने के लिए उत्सुक दिखा। खानपान की दुकानों को छोड़कर अन्य दुकानों पर भीड़ नहीं के बराबर दिखी। मतगणना को लेकर जिले की हर विधानसभाओं में लोग तय समय पर आठ बजे के बाद से ही टीवी से चिपके रहे। पल-पल के अपडेट के लिए टीवी छोड़ने की जगह चाय पीने और भोजन करने का कार्य भी टीवी देखते हुए ही पूर्ण की। टीवी देखने के चक्कर में कुछ लोगों ने तो नहाने में भी लेट लतीफी की। अधिकतर पुरुष अपने मित्रों के साथ उनके घर टीवी देखने का लुत्फ चाय नाश्ते के साथ लिया, जिसमें राजनीतिक चर्चा भी समय-समय पर करते रहे। चर्चा जनपद से हटकर कभी अयोध्या पहुंच जाती तो कभी पश्चिम बंगाल। लोग अपने अनुमान से यह भी बताते रहे कि किस पार्टी कि कितनी सीटें आएंगी। शाम को इस बात के साथ टीवी देखने से फुर्सत में हुए कि देखिए सरकार कौन बनाता है। चौक चौराहों की दुकानों पर भी लोग किसी कार्य से जाते दिखे तो टीवी देखने में समय खपाते दिखे। मंत्रियों की क्या स्थिति रही चुनाव में चाय पान की दुकानों पर टीवी देखने वाले इसपर भी चर्चा करने से पीछे नहीं रहे।

खेत पर काम कर रहे ग्रामीण पर लाठी-ड़डों से हमला

संवाददाता, बीसलपुर

- ग्राम बरखेड़ा का मामला, तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज
- खेत पर कब्जा करने की नियत से हमला करने का लगाया आरोप

अमृत विचार: खेत पर काम कर रहे ग्रामीण पर गाली गलौज के बाद लराठी-डंडो से हमला कर दिया गया। बचाने आए उसके साथी से को भी आरोपियों ने पीटा। उसके साथ भी मारपीट की गई।

पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है। कोतवाली में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में ग्राम बरखेड़ा यासीन के मदनलाल ने बताया कि 27 मई की शाम पांच बजे वह अपने खेत पर काम कर रहा था।

तभी गांव के अशोक कुमार, नेमचंद्र और राम बहादुर लाठी डंडे व धारदार हथियार लेकर आ गए। गाली गलौज करना शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट की गई। बज साथी संतोष कुमार ने बीच बचाव कराना शुरू कर दिया तो उनको भी पीटा। ग्रामीणों के जमा होने पर आरोपी धमकी देकर भाग गए। खेत पर कब्जा करने की नियत से हमला करने का आरोप पीड़ित ने लगाया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

विरोध नहीं आया काम, आईकार्ड दिखाने वालों को ही मिला प्रवेश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : मतगणना को लेकर चप्पे चप्पे पर सतर्कता रही। मंडी समिति की किलेबंदी की गई थी। बिना पास कोई मंडी के करीब तक नहीं पहुंच सका।आईडी चेक करने के बाद ही मंडी परिसर में प्रवेश मिला। वहीं कई कार्यकर्ता और अन्य लोगों की पुलिस कर्मियों से बहस होती रही। मगर, पुलिस प्रशासन की सख्ती के चलते बिना आईडी कार्ड वाले प्रवेश नहीं ले पाए।

मंगलवार को मतगणना के मद्देनजर सुरक्षा बंदोबस्त चौक चौबंद रखने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से एक हजार पुलिसकर्मियों के साथ पैरामिलिट्री फोर्स की ड्यूटी लगाई गई थी। टनकपुर हाईवे पर डिग्री कॉलेज चौराहे पर रामलीला रोड और ओवरब्रिज के पास बैरियर लगाया गया। लोगों की आवाजाही भी रोक दी गई। मंडी में उम्मीदवार और उनके एजेंटों को मंडी गेट नंबर तीन से जाने दिया जा रहा था। जबकि प्रत्याशियों और उनके निर्वाचन अभिकर्ता को प्रवेश मंडी गेट नंबर दो से दिया गया। दोनों ही गेटों के बाहर भारी संख्या में फोर्स को तैनात रहा। चेकिंग के बाद एजेंट और अन्य लोगों को प्रवेश दिया गया। इस दौरान मोबाइल पूर्णतय प्रतिबंध रहा।

मंडी समिति में काउंटिंग के लिए ईवीएम लेकर जाते कर्मिक और साथ में जाता अर्धसैनिक बल का जवान। ● अमृत विचार

असम हाईवे से रामलीला की ओर से जाने वाले रास्ते पर मुस्तैद पुलिस बल।

बिना पास के पुलिस कर्मियों ने किसी को प्रवेश नहीं दिया गया। इस दौरान कई कार्यकर्ताओं की अंदर जाने के को लेकर पुलिस से बहस हुई। चुनाव आयोग की गाइडलाइन का पालन कराते हुए पुलिस ने बिना पास किसी को अंदर नहीं जाने दिया। ऐसे में सपा और भाजपा पार्टी की ओर से अपने कार्यकर्ताओं के लिए कैंप कार्यालय बनाया गया था। जहां सपा और भाजपा के कार्यकर्ता एलईडी पर लाइव प्रसारण देखते रहे। मंडी गेट नंबर एक से चुनाव प्रेक्षक, जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम और एसपी का प्रवेश रहा। मतगणना के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार, एसपी अविनाश पांडे, एडीएम ऋतु पुनिया, एएसपी विक्रम दाहिया समेत अन्य अफसर भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। सुरक्षा बंदोबस्त इतना सख्त रहा कि स्ट्रांग रुम से ईवीएम मशीन लाने के दौरान सुरक्षा कर्मियों को लगाया गया।

- मंडी समिति के अंदर कार्यकर्ताओं व अन्य लोगों की पुलिसकर्मियों से मतगणना स्थल पर हुई कहासुनी
- मंडी समिति में रहे किलेबंदी सुरक्षा इंतजाम, चप्पे-चप्पे पर रही फोर्स,अफसर करते रहे भ्रमणशील

ताकि कोई चूक न हो सके। मतगणना स्थल पर एजेंटों को अंदर जाने से पहले उनकी चेकिंग की गई। ताकि कोई भी व्यक्ति मोबाइल आदि अंदर न ले जाए।

> मतगणना को लेकर बैरियर लगाकर कई जगह रुट डायवर्ट किया गया था। जिलें में मतगणना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई है। कही किसी तरह का कोई भी विवाद होने की सूचना नहीं आई।
> – दीपक चतुर्वेदी सीओ सिटी

इधर, खुफिया विभाग की टीमें भी अलर्ट रही। मतगणना स्थल और शहर में होने वाली गतिविधियों पर नजर बनाए रही। सीसीटीवी कैमरे के बीच मतगणना को संपन्न कराया गया। शांतिपूर्ण ढंग से मतगणना निपटने के बाद अफसरों ने चैन की सांस ली।

प्रवेश-पंजीकरण प्रारम्भ
गंगाशील महाविद्यालय
फैजुल्लापुर, नवाबगंज, बरेली
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा 2F एवं 12B में स्वीकृत
सम्बद्ध : म. ज्यो. फु. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली
वर्तमान में संचालित पाठ्यक्रम
एम. ए. — चित्रकला, शिक्षाशास्त्र, गृहविज्ञान, भूगोल
एम. एस-सी. — वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, गृह विज्ञान
बी.कॉम — बी.कॉम. बी.कॉम - आनर्स
बी.एस-सी. — प्रथम ग्रुप- जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान; द्वितीय ग्रुप- भौतिक विज्ञान, गणित, रसायन विज्ञान; तृतीय ग्रुप- होमसाइंस
बी.ए. — हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास, राजनीति विज्ञान, चित्रकला, गृहविज्ञान
विशेष आकर्षण
- NCC, NSS एवं रोवर रेंजर की सुविधा
- स्मार्ट बोर्ड द्वारा व्याख्यान
- प्रतिवर्ष राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन
- समय-समय पर विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण
- पाठ्येत्तर एवं पाठ्य-सहगामी क्रिया-कलापों का आयोजन
- अत्याधुनिक आर्ट गैलरी की सुविधा
- UGC मानकों के अनुसार शिक्षकों की उपलब्धता
- भव्य सुन्दर, स्वच्छ एवं स्वस्थ प्राकृतिक वातावरण
- खेल-कूद की सुविधा
Website: www.gangasheelcollege.com | E-mail: gangasheelmahavidiyalay@gmail.com
दूरभाष:- 7055844442, 9759793825, 9389661704

MAXLIFE
SUPERSPECIALITY HOSPITAL & FAHMY IVF CENTRE
मैक्सलाइफ
सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
एण्ड फहमी आई.वी.एफ. सेन्टर
मालियों और ईसाइयों की पुलिया के बीच में, सिन्धू नगर, बरेली
डॉ. अनीस बेग
M.B.B.S., D.C.H.
Child Specialist
नवजात शिशु एवं सिरीयस बच्चों के विशेषज्ञ आधुनिक नर्सरी वेंटीलेटर सी. पैप
डॉ. फैहमी खान
M.B.B.S, D.G.O D.M.A.S., F.M.AS Gynaecologist
IVF Specialist Fellowship in Laparoscopy
स्त्री रोग विशेषज्ञ
डॉ. अरशद
M.B.B.S., M.S., (Fmas)
Laparoscopic Surgeon
डॉ. दीपक कुमार
M.B.B.S., M.S., MCH
न्यूरोसर्जन
दिमाग व रीढ़ की हड्डी के सर्जन
डॉ. फहद बिन हामिद
D. Ortho, DNB (Ortho)
Trauma, Joint Replacement
Arthoscopy & Sports Injury Specialist
डॉ. शरद खंडेलवाल
MBBS MS (Gen.Surgery)
Mch. (Plastic Surgery)
Cosmetic Hair Transplant.
Microvascular Reconstructive Surgeon
डॉ. मो. जावेद
M.B.B.S., M.D., Physician
ब्लड प्रेशर शुगर एवं पेट रोग विशेषज्ञ
FACILITIES
•CATHLAB
•ICU
•CCU
•ANGIOPLASTY
•NICU
•ECHO TMT
•ANGIOGRAPHY
•HDU
•PACEMAKER
•DIALYSIS
•VENTILATOR
मॉड्यूलर ऑपरेशन
लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
एडवांस आई.सी.यू.
एडवांस एन.आई.सी.यू.
कैथ लैब
EMERGENCY 24 HOURS
Contact :
0581-2990926
0581-2990928

चन्द्रलोक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस
रजऊ परसपुर, बरेली
मो. 8859492000
8859493000
GNM, DPT*, DOT* & B.Sc. (Nursing)
GNM में प्रवेश प्रारम्भ
हॉस्टल एवं ट्रांसपोर्ट की सुविधा
प्रैक्टिकल हेतु आधुनिक प्रयोगशालाएं
सरकारी मानकों के अनुसार फीस एवं छात्रवृत्ति।
सरकारी, अर्द्धसरकारी, सेना एवं विदेश में नौकरी के लिए मान्य
उ.प्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी लखनऊ एवं उ.प्र. सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
चन्द्रलोक हॉस्पिटल
दूरबीन द्वारा पित्त की थैली, गुर्दे एवं यूरेटर की पथरी और गदूद (प्रोस्टेट) का ऑपरेशन
मेडिक्लेम
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आयुष्मान कार्ड में निःशुल्क इलाज
सभी प्रकार की सर्जरी
पैथोलॉजी, अल्ट्रासाउण्ड
ट्रॉमा, हेड इंजरी, फ्रेक्चर आदि
आई.सी.यू., कार्डियक, मॉनिटर, वैन्टिलेटर
हृदय, सांस, गुर्दा रोग एवं डायबिटीज
पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
मो. 9458882565
9410002566

पीलीभीत में नई सियासत का उदय... मेनका, वरुण के बाद एक और बड़ा चेहरा

संगठन की मेहनत आई काम, मोदी-योगी समेत कई नेताओं ने झोंकी थी ताकत

वैभव शुक्ला, पीलीभीत

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आने और भाजपा प्रत्याशी कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद की जीत के साथ पीलीभीत में नई सियासत का उदय हो गया है। मोदी-योगी के कामों पर विश्वास जताते हुए मतदाताओं ने अपने नए सांसद को चुन लिया है। ये सीट गांधी परिवार के चलते अब तक हाईप्रोफाइल बनी रही। अब आगे भी इस सीट पर एक बार फिर जनप्रतिनिधि का ताज बड़े चेहरे पर ही सजा है। जितिन की जीत ने तराई की सियासत में खलबली मचा दी है। चुनाव के दौरान जनसभाओं के जरिए किए गए वादों को देखते हुए विकास की उम्मीद मतदाताओं को बंधी है।

पीलीभीत सीट की बात करें तो करीब साढ़े तीन दशक से मेनका गांधी और वरुण गांधी का गढ़ मानी जाती रही। 1989 से लेकर 2019 तक इस सीट पर हुए नौ चुनावों में आठ बार दोनों ने जीत दर्ज की और सांसद चुने गए। छह बार मेनका गांधी जबकि दो बार वरुण गांधी पीलीभीत से सांसद बने। 1991 में हुए लोकसभा चुनाव में जरूर भाजपा के डॉ.परशुराम गंगवार ने मेनका गांधी को हराया था। उस वक्त मेनका गांधी जनता पार्टी की उम्मीदवार रही थी। हालांकि बाद में मेनका ने वापस इस सीट पर कब्जा जमा लिया था। 2004 से मेनका गांधी और वरुण गांधी ही भाजपा का चेहरा रहे और दो-दो बार सांसद चुने गए। इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव में न तो मेनका गांधी पीलीभीत सीट पर थी न ही वरुण गांधी। मेनका को भाजपा ने सुल्तानपुर से टिकट दिया था जबकि वरुण गांधी का टिकट काट दिया था। इस बार भाजपा का किला बचाने के लिए यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद को कमान सौंपी गई थी। उनके सामने सपा (गठबंधन) से पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार और बहुजन समाज पार्टी से पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां मुख्य रूप से प्रत्याशी थे।

भाजपा पदाधिकारियों संग नवनिर्वाचित भाजपा सांसद जितिन प्रसाद। ● अमृत विचार

● **गांधी परिवार के बिना भाजपा का किला ढहने से बचाया, विकास की बढ़ी उम्मीद**

संगठन की ओर से टिकट में किए गए बदलाव के साथ ही जीत दर्ज कराने की भी चुनौती सामने थी। चार विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, सात ब्लॉक प्रमुख, कई चेयरमैन समेत जनप्रतिनिधियों की लंबी-चौड़ी फेहरिस्त, संगठन की बूथ स्तर पर गांव-गांव गठित की गई कमेटियां और सरकार की उपलब्धियों के बावजूद कोई रिस्क हाईकमान नहीं ले रहा था। शायद यही वजह थी कि लोकसभा चुनाव में कमल खिलाने के लिए कई मंत्रियों ने डेरा डालकर रखा और नुक्कड़ सभाएं की जाती रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पीलीभीत में सभा का मतदाताओं को साधने आए। संसदीय क्षेत्र में चुनाव के दौरान तीन बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आगमन हुआ। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी पीलीभीत पहुंचकर सभाएं की। कई एमएलसी और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का जनपद में ही डेरा रहा। कहीं न कहीं कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद की राजनीतिक प्रतिष्ठा से भी चुनाव जुड़ चुका था। विपक्ष को मेनका और वरुण के बिना अपनी जीत की राह आसान प्रतीत हो रही थी। भाजपाई भी जीत को लेकर आश्वस्त तो रहे लेकिन चिंता भी कम नहीं थी कि कहीं अबकी बार किला ढह न जाए और हाईकमान के निर्णय पर प्रश्नचिह्न लगे। 19 अप्रैल को पहले चरण में पीलीभीत में मतदान हुआ। इसके बाद सपा से कांटे की टक्कर होने की चर्चाएं तेज हो गई थी।

चार जून को जनता का फैसला ईवीएम से बाहर निकला और न सिर्फ भाजपा का किला ढहने से बचा। बल्कि जितिन प्रसाद के रूप में पीलीभीत में नई सियासत का उदय भी हो गया है। पीलीभीत वासियों को एक बार फिर हाईप्रोफाइल परिवार से जुड़ा सांसद मिला है। जितिन प्रसाद की सियासी पृष्ठभूमि से शायद ही कोई वाकिफ न हो। वैसे तो कैबिनेट मंत्री के तौर पर उनकी आवाजाही तराई में एक-डेढ़ साल से लगातार बनी हुई थी। मगर पीलीभीत सांसद के तौर पर उनकी जिम्मेदारियां और बढ़ गई है।

भितरघात का नहीं पड़ा खास असर

भाजपा संगठन की ओर से भले ही लोकसभा चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं में एकजुटता की बात कही गई हो, लेकिन भितरघात को लेकर चर्चाएं तेज रही थी। मतदान के दिन इसे लेकर चुनावी सरगर्मियां और बढ़ गई थी। दूसरी तरफ टिकट कटने के बाद से वरुण गांधी की ओर से साधी गई चुप्पी को भी भाजपा के लिए खतरा माना जा रहा था। विशेषज्ञों का मानना था कि गांधी परिवार का एक बड़ा वोट बैंक है। उसके भाजपा से खिसकने की आशंका जताई गई। मगर, नतीजों के सामने आने के बाद यह कहना गलत नहीं होगा कि इन चर्चाओं पर विराम लग गया। भितरघात का इतना असर मतदाताओं पर नहीं पड़ सका।

खुद का सियासी भविष्य संवारने को कई को जितिन से आस

लोकसभा चुनाव के नतीजे कई अन्य राजनेताओं के लिए भी बड़ी उम्मीद लेकर आए हैं। जितिन प्रसाद की जीत से अब उन्हें अपना सियासी भविष्य संवारने की आस बंधी है। दरअसल, जिला स्तर पर कई सत्ताधारियों के बीच आपसी मनमुटाव और दूरियों की चर्चाएं आम है। ऐसे में जितिन के लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरते ही उनकी आस बंध गई थी। कुछ अन्य नेताओं को आने वाले समय में अपने लिए भी कुछ अच्छा होने की उम्मीद जागी है।

पीलीभीत के विकास में नहीं आएगी कोई कमी

जीत के बाद भाजपा सांसद जितिन प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काम, भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत से प्रचंड बहुमत से कमल खिला है। पीलीभीत के विकास में कोई असर बाकी नहीं रखी जाएगी। जैसा कि चुनाव के समय कहा था..जनपद के इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि क्षेत्र, टूरिज्म सभी क्षेत्रों में काम कराया जाएगा

बाइक की चपेट में आकर ग्रामीण घायल

पीलीभीत, अमृत विचार: खुदागंज रोड पर देर रात गांव उगनपुर के पास एक ग्रामीण बाइक की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया है। कोतवाली क्षेत्र के गांव रढ़ैता के रहने वाले मुजफ्फर हुसैन ने बताया कि उनका पुत्र मुजम्मिल हुसैन (17) रविवार को देर रात खाना खाने के बाद गांव उगनपुर मरौरी तक टहलने गया था। पीछे से आ रही बाइक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया।

पीलीभीत की सीट पर सपा नहीं रच पाई इतिहास, फूलबाबू की चौथी बार हार

सौरभ सिंह, पीलीभीत

अमृत विचार: सियासत में कभी अर्श पर रहने वाले पूर्व मंत्री भगत सरन गंगवार और पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू इस बार के लोकसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक प्रतिष्ठा बचाने में कामयाब नहीं हो पाए। भगवत सरन की हार के साथ ही सपा का पीलीभीत सीट पर इतिहास रचने की तमन्ना अधूरी रह गई। जबकि हार के क्रम को बरकरार रखते हुए चौथी बार लोकसभा चुनाव फूलबाबू हार गए। खास बात थी कि भगवत सरन गंगवार चार लाख से अधिक वोट पाकर दूसरे नंबर पर जगह बनाने में कामयाब हो गए लेकिन फूलबाबू तो अपनी जमानत भी नहीं बचा सके।

पीलीभीत सीट पर पिछले चार चुनावों से भाजपा का ही सांसद बनता रहा है। 1952 से लेकर अब तक हुए चुनावों में कभी भी न तो समाजवादी पार्टी का सांसद बना, न ही बहुजन समाज पार्टी कमाल दिखा सकी। सूबे की सत्ता में सरकार रहते हुए भी जो लोकसभा चुनाव में उनमें भी हार का ही सामना करना पड़ा। 2019 के चुनाव में सपा-बसपा ने गठबंधन कर चुनाव लड़ा लेकिन उसमें भी हार ही मिली थी। गठबंधन प्रत्याशी पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा दूसरे नंबर पर रहे थे। जबकि जीत वरुण गांधी को मिली थी। इस बार समाजवादी पार्टी ने पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार को अपना प्रत्याशी बनाकर उतारा था।

वह नवाबगंज विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रह चुके है। दो बार मंत्री भी रहे थे। पीलीभीत वासियों के लिए उनका चेहरा कोई नया नहीं था। कुर्मी बिरादरी से ताल्लुके रखने के चलते सपा को भाजपा में सेंध लगाने की भी पूरी उम्मीद थी। जिसके चलते इस बार सपा ने गठबंधन प्रत्याशी के रूप में भगवत सरन को मैदान में उतारा था। मतदान के बाद से ही मिल रहे इनपुट को देखते हुए सपाई भी उनकी जीत को लेकर आश्वस्त हो चुके थे। पदाधिकारियों को भी लग रहा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पीलीभीत सीटपर सपा का सांसद जनता चुनेगी और सपा इतिहास रच देगी। खैर, ऐसा हो नहीं सका। उधर, बहुजन समाज पार्टी ने पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूल बाबू को अपना प्रत्याशी बनाया था।

हालांकि उनके प्रत्याशी होने की घोषणा जनपद वासियों के लिए नई नहीं थी। उनके अलावा बसपा में स्थानीय प्रत्याशी के रुप में कोई अन्य बड़ा चेहरा भी नहीं था। ऐसे में जब उनके नाम की घोषणा हुई तो पहले माना गया था कि वह नुकसान भी करेगे तो समाजवादी पार्टी का ही होगा। मगर जिताऊ प्रत्याशी के तौर पर उन्हें शुरुआत से ही नहीं माना जा रहा था। बता दें कि फूलबाबू बीसलपुर सीट से कई बार विधायक रह चुके हैं। बसपा सरकार में मंत्री भी बनाए गए थे। जिले की सियासत में उनका नाम भी है। मगर, लोकसभा चुनाव में उनका रिकार्ड बेहतर नहीं रहा। अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू पहले भी बसपा के टिकट पर तीन बार लोकसभा चुनाव लड़ चुके थे। वह 1999 के चुनाव में दूसरे नंबर पर रहे थे। 2004 और 2014 के लोकसभा चुनाव में वह तीसरे नंबर पर आए। 2024 में बसपा ने फिर मैदान में उतारा तो जमानत भी नहीं बचा पाए। ये उनकी लोकसभा चुनाव की चौथी हार है। फिलहाल टिकट में बदलाव के बाद भी जहां भाजपा जीत दर्ज कराने का सिलसिला बरकरार रखने में कामयाब हुई। वहीं विपक्षी दलों से चुनाव मैदान में उतरे दोनों पूर्व मंत्री राजनीतिक प्रतिष्ठा नहीं बचा पाए।

भगवत सरन गंगवार।

अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू।

● **सपा और बसपा के दोनों मंत्री रह चुके प्रत्याशी नहीं बचा पाए राजनीतिक प्रतिष्ठा**

कब कौन बना सांसद

● 1952	मुकुंद लाल अग्रवाल	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
● 1957	मोहन स्वरूप	प्रजा सोशलिस्ट पार्टी
● 1962	मोहन स्वरूप	प्रजा सोशलिस्ट पार्टी
● 1967	मोहन स्वरूप	प्रजा सोशलिस्ट पार्टी
● 1971	मोहन स्वरूप	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
● 1977	मो. शमशुल हसन खान	जनता पार्टी
● 1980	हरीश कुमार गंगवार	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
● 1984	भानु प्रताप सिंह	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
● 1989	मेनका गांधी	जनता दल
● 1991	परशुराम	भाजपा
● 1996	मेनका गांधी	जनता दल
● 1998	मेनका गांधी	स्वतंत्र
● 1999	मेनका गांधी	स्वतंत्र
● 2004	मेनका गांधी	भाजपा
● 2009	वरुण गांधी	भाजपा
● 2014	मेनका गांधी	भाजपा
● 2019	वरुण गांधी	भाजपा
● 2024	जितिन प्रसाद	भाजपा

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 7464943582
डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
ECG+ECHO+TMT+HOLTER
हृदय रोग के लक्षण:- ◆ घबराहट ◆ छाती में दर्द या भारीपन ◆ सांस फूलना ◆ पैरों में सूजन ◆ हाई ब्लडप्रेशर ◆ हाई कोलेस्ट्रोल ◆ डाइबिटीज (शुगर) ◆ सीने या पेट में जलन या दर्द ◆ हार्ट अटैक ◆ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448
डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
आधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
10 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली
डॉ. रजनीकांत साहू
MBBS, MS, MCh. (SGPGI, Lucknow)
Ex-Consultant-MAX Hospital, Delhi
वरिष्ठ न्यूरो सर्जन
मो. 7417389433
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सेन्टर
पता:- सी 427 डिवाइन हॉस्पिटल के सामने, के.के. हॉस्पिटल रोड, राजेन्द्रनगर, बरेली
मिलने का समय प्रातः 10 से 12, सायं 6 से 8
7017678157
सुविधायें:- सिर की चोट का इलाज व ऑपरेशन, ब्रेन ट्यूमर, दिमागी गांठ तथा ब्रेन हैमरेज का ऑपरेशन, गर्दन व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिप डिस्क, स्पाइनल ट्यूमर का इलाज व ऑपरेशन, सिर दर्द व मिर्गी के दौरे का इलाज।
डॉ. आशीष सक्सेना
MBBS, MS, FIAGES, FELS
जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
मो. 9045849322
उपलब्ध सुविधायें ● दूरबीन द्वारा पित्त की पथरी का ऑपरेशन ● हर्निया का ऑपरेशन ● अपेंडिक्स का ऑपरेशन ● पित्त की नली की पथरी ● बवासीर, भगन्दर, फिशर ● हाईड्रोसील ● स्तन की गांठ का ऑपरेशन ● पैर की नसों का फूलना (Varicose Veins) ● पाइलोनाइडल साइनस ● इसके अतिरिक्त सभी प्रकार के ऑपरेशन (दूरबीन विधि एवं चीरे द्वारा) करने की सुविधा।
इसके अतिरिक्त सभी प्रकार के ऑपरेशन (दूरबीन विधि एवं चीरे द्वारा) करने की सुविधा।
यश सर्जिकेयर क्लीनिक
प्रेम नर्सरी चौराहा, मिनी बाईपास रोड, बरेली-243122

जंगल सफारी सैलानियों को खूब पसंद आ रही

पीलीभीत, अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व आने वाले सैलानियों को जंगल सफारी की सैर खूब पसंद आ रही है। इस सत्र में अप्रैल माह तक 7866 जंगल सफारी वाहन बुक हो चुके हैं। पिछले सत्र की बात करें तो 4337 जंगल सफारी वाहन बुक हुए थे। इस बार 3529 वाहन अधिक बुक हुए हैं। यहां आने वाले सैलानियों के लिए पीटीआर और वन निगम की ओर से 60 वाहनों की व्यवस्था की गई है। इसमें वन निगम के पांच जीनान (बड़े जिप्सी वाहन) वाहन भी शामिल हैं। सैलानी चूका बीच की खूबसूरती के साथ जंगल को भी करीब से निहारना पसंद करते हैं। ऐसे में मुस्तफाबाद और महोफ गेट से बुकिंग कराने के बाद तीन घंटे तक जंगल सफारी की सैर कराई जाती है। हरियाली के बीच बहती नहरें, शारदा डैम के किनारे बने चूका बीच के अलावा बाघों का दीदार सैलानियों को बार-बार आने को मजबूर कर देता है।

एक नजर

लू लगने से चक्की मालिक की मौत

बीसलपुर। तहसील क्षेत्र के गांव गोवल के एक चक्की मालिक की सोमवार को सुबह लू लग गई थी। आनन-फानन में उसे परिजनों ने निजी अस्पताल भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। गांव गोवल के बटेश्वर दयाल ने बताया कि उनके भाई मुनेश्वर दयाल (40) मुख्य मार्ग पर चक्की चलाते थे। इस बीच उन्हें लू लग गई। रविवार की शाम उनकी हालत काफी खराब हो गई। उन्हें नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सोमवार को सुबह उनकी मौत हो गई। दोपहर में गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

चार बच्चों की मां नगदी व आभूषण लेकर गायब

बरखेड़ा। चार बच्चों की मां घर से नगदी समेत लाखों के आभूषण लेकर गायब हो गई। पति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी को 15 साल हो चुके हैं उसके चार बच्चे भी हैं। 31 मई को उसकी पत्नी दोपहर दो बजे के करीब घर से करीब तीन लाख रुपेय और लाखों के जेवरात लेकर चली गई। घर से पैसा और आभूषण गायब देख वह दंब रह गया। परिचित व अन्य सभी संभावित जगहों पर तलाश करने के बाद भी जब पत्नी को कोई पता नहीं चल सका तब वह थाने पहुंचा। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि युवक की तहरीर पर महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

तराई में जमकर मना भाजपा की जीत का जश्न

जितिन की जीत पर समर्थकों में दिखा उत्साह, बांटी मिठाई, रंग-गुलाल और ढोल-नगाड़ों संग जमकर झूमे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पीलीभीत लोकसभा सीट पर तमाम दावे और वादों के बाद एक बार फिर कमल खिला और भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद विजयी हुए। भाजपा की जीत के बाद जय श्री राम के उदघोष के साथ भाजपाईयों ने जमकर जश्न मनाया। प्रमाण पत्र मिलते ही ढोल नगाड़ों पर भाजपाइयों ने जमकर रंग गुलाल उड़ाते हुए मिठाइयां बांटी। साथ ही अपने नए सांसद को फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। वहीं कई जगह आतिशबाजी छोड़ी गई। पार्टी कार्यालय से लेकर पूरे जिले में समर्थकों ने खूब मिठाई बांटी। इतना ही लोगों ने जितिन प्रसाद के साथ अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल कर जीत की बधाईयां भी दी। देर रात जश्न का सिलसिला जारी रहा।

मंगलवार को सुबह से ही मतगणना शुरु होते ही पहले राउंड से ही भाजपा अपनी जीत की ओर बढ़ती चली गई। आलम यह रहा कि हर राउंड में भाजपा प्रत्याशी को बढ़त मिलती चली गई। जिससे भाजपाई गदगद होने लगे। इधर, लोग सुबह से ही टीवी हार जीत के रुझान देखने में जुटे रहे। दोपहर एक बजे के बाद पदाधिकारी और कार्यकर्ता मंडी समिति के बाहर फूल माला के साथ रंग गुलाल लेकर वहां पहुंचना शुरू हो गए। वहीं रामलीला मैदान में बनाए गए कार्यालय पर भी लोगों ने ढोल नगाड़े की पहले की व्यवस्था कर ली। मानों उन्हें पहले से ही अपनी जीत होने का भरोसा था। मतगणना समाप्त होने के बाद जैसे ही प्रशासन की ओर से भाजपा प्रत्याशी जितिन की जीत की घोषणा की गई।

वैसे ही समर्थकों और पदाधिकारियों को जनसैलाब मंडी परिसर में उमड़ पड़ा। जय श्रीराम के उदघोष लगाते हुए जीत पर हर्ष व्यक्त किया। इसके बाद जितिन प्रसाद के साथ तमाम पदाधिकारियों ने रंग गुलाल उड़ाकर पहले होली मनाई। फिर कैंप कार्यालय पर जाकर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। नवनिर्वाचित सांसद जितिन प्रसाद ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, रेखा सिंह परिहर, चेतन शर्मा, आशीर्वाद अग्रवाल, डॉ. आस्था अग्रवाल, रोहित कुमार समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इधर, जीत का पता लगते शहर में लोटन महाराज चौराहे पर भाजपा नगर उपाध्यक्ष अमरीश शर्मा, जिला सहकारी विकास संघ के उपाध्यक्ष संजीव शर्मा, निरंजन शर्मा, नाथू महाराज, भानु प्रताप सिंह, शिवम शर्मा, अतुल सक्सेना, सचिन शर्मा, बब्बू कश्यप, मयंक शर्मा आदि ने मिठाई बांटकर आतिशबाजी छोड़ी गई। भाजपा की जीत पर हर्ष व्यक्त किया। इसके अलावा शहर के मोहल्ला खकरा, जेपी रोड, चौक बाजार, स्टेशन रोड, चावला चौराहा आदि स्थानों पर मिठाई बांटने के साथ जमकर आतिशबाजी की गई। देर रात जश्न का सिलसिला चलता रहा।

मतगणना स्थल पर जीत की बधाई देती चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल और समर्थक। ● अमृत विचार

- आतिशबाजी छोड़ने का सिलसिला देर शाम तक रहा जारी
- नगर पालिका चेयरमैन ने फूल माला पहनाकर किया स्वागत

बिलसंडा में जीत पर जगह-जगह बटीं मिठाईयां

बिलसंडा। पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद को मिली प्रचंड जीत के बाद स्थानीय भाजपाइयों सहित क्षेत्र भर में खुशी की लहर दौड़ गई। तमाम लोगों ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार करते हुए उन्हें बधाई दी। नगर सहित कई स्थानों पर उनके समर्थकों ने देर रात तक आतिशबाजी छोड़कर कर जश्न मनाया। भाजपा मंडल कार्यालय पर अध्यक्ष विक्रम गंगवार की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई, साथ ही इस जीत का श्रेय विधायक विवेक वर्मा को दिया। चेयरमैन डीके गुप्ता, पूर्व चेयरमैन अटल सिंह जायसवाल, अधिवक्ता रमेशचंद्र गुप्ता, पंकज जायसवाल, रामेन्द्र गोस्वामी, अजय जायसवाल, आशीष सक्सेना, ठाकुर अक्षय सिंह, राजीश गुप्ता, रजत सागर, सुनील शुक्ला, अरविंद शुक्ला, रवि शुक्ला, बंटी शुक्ला आदि ने बधाई दी। इधर, ग्राम बमरोली में पूर्व प्रधान संतोष शुक्ला, प्रमोद शुक्ला, पूर्व ब्लॉक प्रमुख राकेश प्रताप सिंह, सतीशंकर मिश्रा आदि ने भी बधाई दी। बंडा रोड पर स्थित एक पेट्रोल पंप पर एकत्र हुए व्यापारियों ने केक काटकर खुशी का इजहार किया। इस मौके पर पंकज जायसवाल, आलोक जायसवाल, दीपक गुप्ता, कैलाश गंगवार, अजय जायसवाल, दुर्गेश गंगवार, अवध नरेश जायसवाल, दुर्गेश गंगवार, अंकित, जायसवाल, अरविंद, अमित आदि मौजूद रहे। उत्तर-प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल कार्यालय पर भी अध्यक्ष अवनीश जायसवाल के नेतृत्व में मिठाई बांटी गई।

जितिन की जीत पर बांटी मिठाई, उत्साह

गजरौला। लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद की जीत पर निवर्तमान सांसद प्रतिनिधियों ने आतिशबाजी कर ढोल नगाड़ों के साथ गजरौला नगर में मिठाई बांटी। समर्थकों ने कस्बे में ढोल नगाड़ों के साथ जुलूस निकालते हुए जीत पर मिठाई बांटी। समर्थकों ने पहले ही भाजपा की जीत का अंदेशा लगाते हुए पहले ही लड्डू का ऑर्डर बुक कर दिया था। जीत पर मंदिर में पूजा अर्चना भी की गई। इस मौके पर मिथुन राय, महेंद्र पाल, निवर्तमान सांसद प्रतिनिधि महेन्द्र पाल शर्मा, रविंद्र नाथ राय रामेश्वर दयाल, अनूप गुप्ता, देवेंद्र सिंह, राजू शर्मा, अनूप हालदार, आयुष राय, विपलव शर्मा, ठाकुरदास, राजेंद्र वर्मा, प्रवीण शर्मा, मतलूम बक्श, मुन्ने बख्श, बारिश खान, कपिल सिंह, सर्वेश शर्मा मौजूद रहे।

लोटन महाराज चौराहा पर मिठाई बांटते समर्थक। ● अमृत विचार

भाजपा की जीत पर मिठाई बांटते ब्लॉक प्रमुख। ● अमृत विचार

अमरिया में ब्लॉक प्रमुख ने बांटी मिठाई

अमरिया, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर अमरिया में भी कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया और मिठाई बांटी। कहा कि तीसरी बार मोदी सरकार बनने जा रही है। पीलीभीत की जनता ने भी जितिन प्रसाद को जिताकर अपना योगदान दिया है। ब्लॉक प्रमुख कार्यालय पर कार्यकर्ता जमा हुए। ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह की अगुवाई में मिठाई बांटी गई। उन्होंने कहा कि देश की जनता के साथ पीलीभीत की जनता ने भी इतिहास लिखने का काम किया है। नवनिर्वाचित सांसद जितिन प्रसाद की जीत पर मतदाताओं का आभार जताया।

विपक्ष के मुद्दे बेकार...

सरकार के काम और विकास के भरोसे भगवागढ़ तैयार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जाति बिरादरी के आंकड़े हुए फेल, मोदी-योगी के कार्यो पर जनता ने लगाई फिर मुहार
- पिछले कार्यकाल के अधूरे काम पूरा होने की है आस, शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार की दरकार

अमृत विचार : तराई में एक बार फिर विपक्ष की ओर से गिनाए जा रहे बेरोजागारी, शिक्षा, स्वास्थ्य कानून व्यवस्था को जोड़कर गिनाए जा रहे मुद्दों की कतार बेकार हो गई। सरकार के कराए काम और विकास की उम्मीद के भरोसे पीलीभीत वासियों ने कमल खिला दिया। भाजपा की वापसी के साथ ही भगवागढ़ बरकरार रहा।

मंगलवार को हुई मतगणना के बाद साफ हो गया इस चुनाव में विपक्ष की ओर से की जा रही मुद्दों की बौछार को मतदाताओं ने नकार दिया। मोदी योगी सरकार के कराए गए काम और आगे के विकास के सहारे भाजपा को लगातार पांचवी बार पीलीभीत सीट पर जीत मिल गई। हालांकि मतदान से पहले विपक्ष के सियासी दिग्गजों ने मतदाताओं को पुकार खूब रिझाने का प्रयास किया। मतदाताओं ने उनकी पुकार को दरकिनार कर पत्ता साफ कर दिया। विकास के मुद्दे पर वोट किया है। जिले की जनता व प्रबुद्धजनों का कहना है जनता ने सरकार के काम व आगामी विकास को सोचते हुए वोट दिया। प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों को पसंद किया और उनके कार्यो पर मुहर लगाई है। उनका कहना है कि पिछले कार्यकाल में जो काम बाकी रह गए थे, उनको इस बार पूरा किया जाएगा।

व्यापारी, उद्यमी, महिला, युवा, किसान सहित सभी वर्गो के विकास के लिए समर्पित रहेंगे। इसलिए फिर एक बार तराई में कमल खिला है। मतदाताओं को उम्मीद है कि भाजपा प्रत्याशी जिले में विकास करेंगे। जिलेवासियों को दरकार है कि यहां उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए साधन आयाम होंगे।

पीलीभीत की जनता ने साबित कर दिया है कि वह जागरुक है। जनता ने इस बार जाति बिरादारी राजनीति से बाहर निकलकर विकास के मुद्दे पर वोट किया है। जनता ने अपना पूरा हक अदा किया है। अब निर्वचित सांसद की बारी है कि वह पीलीभीत में विकास और रोजगार को नया आयाम देंगे। युवा होने के नाते जनता उनसे यह उम्मीद भी रखेंगी पीलीभीत पड़ोसी जनपदों में सबसे विकसित होकर प्रदेश में अलग पहचान बना सके। - **डॉ. पीयूष अग्रवाल, पूर्व आईएमए अध्यक्ष**

पीलीभीत में शुरुआत से ही सासंद बाहरी जिलों के रहे हैं। लेकिन यह पड़ोसी जिले के हैं। जनता ने विकास की उम्मीद करते हुए कमल खिलाया है। इसलिए सासंद जिले में रहकर जिले का विकास कराएं। सबसे पहले शाहजहांपुर और लखनऊ रुट पर ट्रेनों का संचालन कराया जाए। साथ ही शिक्षकों की समस्या का त्वरित निस्तारण कराया जाए। जिले में रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में काम करें। तभी जिले विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा।

- **लक्ष्मीकांत शर्मा**, सेवानिवृत्त शिक्षक

बसपा नेताओं के मुरझाए रहे चेहरे, सिर्फ एक नेताजी मुस्कुराए

पीलीभीत, अमृत विचार : बहुजन समाज पार्टी का हाल शुरुआत से ही टक्कर में नहीं रहा। चुनाव नतीजे सामने आने के बाद भी यही साबित हुए। टक्कर सिर्फ भाजपा के जितिन प्रसाद और सपा प्रत्याशी भगवत सरन गंगवार के बीच थी। बसपा प्रत्याशी तीसरे नंबर पर ही रहे।

पार्टी कार्यकर्ताओं करी मानें तो बसपा प्रत्याशी अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू सुबह ही कार में सवार होकर मतगणना स्थल पर पहुंच गए थे। लेकिन जैसे ही काउंटिंग शुरू होने के कुछ देर बाद रुझान आना शुरू हुए तो अचानक से वह गायब हो गए। फिर कहीं नहीं दिखाई दिए। काफी दाए बाएं झांकने के बाद भी बसपा के कार्यकर्ताओं की भी अपने प्रत्याशी की झलक नहीं मिल पा रही थी। जिसे लेकर अन्य राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता भी तंज कसते नजर आए। सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर मेसेज वायरल हुए। व्हट्यएप ग्रुप से लेकर फेसबुक पर इसे लेकर लोग तमाम तरह की चर्चाएं चलती रहीं। इसी बीच बसपा के एक नेताजी जरूर मंडी परिसर में भ्रमण करते हुए दिखे। उन्होंने भी हास्यास्पद अंदाज बरकरार रखा। मुस्कुराते रहे और बड़े ही हंसमुख अंदाज में कह दिया कि अभी कम से कम 80 पार करेंगे। अंत में मतगणना पूरी हुई तो उनकी कही बात सही भी साबित हुई। बसपा प्रत्याशी को 89697 वोट ही मिले। उसे उनकी कही अस्सी पार की बात से जोड़कर देखा जाता रहा।

कहां तक जाएगी बढ़त...शाम तक टिकी रही नजरें

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : मंडी समिति में चल रही मतगणना के दौरान एक-एक कर राउंड पूरे हो रहे थे और भाजपाईयों का चेहरा खिलता जा रहा था। पीलीभीत सीट के साथ ही प्रदेश और देश में पार्टी की स्थिति भी जानी जाती रही। भाजपा के दिग्गज खुद ही कमान संभाले हुए थे। जनप्रतिनिधि और पदाधिकारियों की आवाजाही मंडी समिति में लगातार बनी रही। कभी मोबाइल पर तो कभी प्रत्याशी व अन्य कार्यकर्ताओं संग बढ़त को लेकर टोह ली जाती रही। अंत में जब सपाई हार स्वीकार कर चलते बने तो जीत की खुशी सभी के चेहरों पर दिखाई देने लगी थी।

सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हुई। भाजपा और सपा के नेता अपने एजेंटों के साथ पहुंच चुके थे। कांटे की टक्कर को लेकर चर्चाओं के बीच जीत को लेकर आश्वस्त पदाधिकारी अपने-अपने प्रत्याशी की स्थिति भांपने में लगे रहे। कुछ समय बाद ही बढ़त ऐसी शुरू हुई कि सपा पिछड़ती चली गई। जब 50 हजार के पार बढ़त पहुंची, उस वक्त भी सपाईयों को ये आभास था कि अभी उनके बदलाव होगा। भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद, सपा प्रत्याशी भगवत सरन गंगवार भी परिसर में ही कार्यकर्ताओं और एजेंटों के बीच चहलकदमी बनाए हुए थे। मतगणना पर भी नजर रखी जा रही थी। दोपहर में भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, एमएलसी डॉ.सुधीर गुप्ता, पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवसान, नगर पालिका चेयरमैन पीलीभीत डॉ.आस्था अग्रवाल, उनके पति आशीर्वाद अग्रवाल समेत कई नेता पहुंचते रहे। बढ़त को लेकर जानकारी की जाती रही। वहीं, जितिन प्रसाद से भी मिलते रहे। हालांकि इस दौरान सपा नेताओं के चेहरे पर शुरुआत से ही बढ़त को देखते हुए मायूसी साफ दिखाई दे रही थी। ऐसे में जब बढ़ एक लाख के पार पहुंच गई। फिर तो भाजपाई भी जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हो चुके थे। देखते ही देखते ये आंकड़ा डेढ़ लाख को भी पार कर गया। जिसके बाद तो सपा प्रत्याशी ने भी अपनी हार को स्वीकार कर लिया। पहले वह अपने तमाम एजेंट बनाए गए कार्यकर्ताओं के साथ निकले। वहीं, कुछ देर बाद सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा भी अन्य कार्यकर्ताओं संग कार से निकल गए।

मतगणना स्थल पर मोबाइल पर रुझान देखते विधायक बाबूराम पासवान व अन्य।

मतगणना स्थल पर रुझान को देखते हुए एमएलसी डॉ.सुधीर गुप्ता व अन्य।

जितिन प्रसाद से वार्ता करते भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप।

भाजपा प्रत्याशी को बढ़त मिलते ही विक्टरी साइन बनाकर जीत का इशारा करते जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी।

- मतगणना स्थल पर भाजपा प्रत्याशी से मुलाकात कर की जाती रही चर्चा, देते रहे बधाई
- सपाई हार मानकर खुद ही छोड़ गए मैदान, फिर दिखती रही जीत की खुशी

बुके दिया तो किसी ने पहनाए हार, सेल्फी भी ली

भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद की जीत की घोषणा भी नहीं हुई थी और सपाई मतगणना परिसर से जा चुके थे। जीत तय हो चुकी थी और बधाइयों का क्रम शुरू हो चुका था। फिर क्या कोई बुके तो कोई हार पहनाकर जीत की शुमकामनाएं देने में जुट गया। जितिन प्रसाद ने भी सभी का हंसकर हाथ जोड़ते हुए आभार जताया। कुछ कार्यकर्ताओ ने इस दौरान उनके साथ सेल्फी भी ली।

भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद के मतगणना स्थल पर बुके देते भाजपाई व समर्थक।

बालक वर्ग में हापुड़ और बालिका में आगरा की टीम बनी विजेता

ट्रॉफी के साथ बालिका वर्ग की विजेता टीम। ● अमृत विचार

ट्रॉफी के साथ बालक वर्ग की विजेता टीम। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः बेनहर कॉलेज परिसर में चल रही द्वितीय जूनियर बालक एवं बालिकाओं की स्टेट बास्केटबॉल प्रतियोगिता का सोमवार रात समापन हुआ। अंतिम दिन मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार शामिल हुए। बालक वर्ग में हापुड़ जबकि बालिका वर्ग में आगरा की टीम प्रतियोगिता की विजेता बनीं। विजेताओं को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया।

सोमवार रात को बालिका वर्ग में गौतमबुद्धनगर और वाराणसी के बीच सेमीफाइनल खेला गया। जिसमें वाराणसी की टीम ने 10-09 से विजय हासिल की। बालिका वर्ग में दूसरे सेमीफाइनल में मुरादाबाद और आगरा के बीच मैच हुआ। जिसमें आगरा की टीम 21-18 से विजयी रही। बालक वर्ग में पहला सेमीफाइनल बरेली और हापुड़ के बीच हुआ। इसमें हापुड़ की टीम ने 15-06 से जीत दर्ज की। बालक वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में लखनऊ और वाराणसी के बीच मैच खेला गया। जिसमें वाराणसी की टीम 17-09 से जीती। इसके बाद फाइनल मुकाबला हुआ। बालक वर्ग में हापुड़ की टीम ने वाराणसी को 18-16 से हराकर प्रतियोगिता पर कब्जा किया। जबकि बालिका वर्ग में वाराणसी और आगरा के बीच मैच हुआ। इस फाइनल मुकाबले में आगरा की टीम ने 19-11 से जीत दर्ज कर चैंपियनशिप पर कब्जा किया। विजेताओं को पुरस्कृत कर खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की गई। इस मौके पर उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष आरएस बेदी, जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. परविंदर सिंह सैहमी, सचिव निशांत गोस्वामी, आशीष सिंह, देव सिंह, गुरसेवक सिंह, अमन सिंह, कमल खोलिया, राजेंद्र मौर्य, नरेंद्र मौर्य, मनोज भास्कर जसदीप कौर, एकांत अरोड़ा, नीरज कुमार आदि मौजूद रहे।

- राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का समापन
- राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार रहे मुख्य अतिथि

भिंडरावाला का पोस्टर नहीं हटाने पर तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

संवाददाता, पूरनपुर

अमृत विचारः गुरुद्वारा के बाहर लगे भिंडरावाला का पोस्टर पुलिस प्रशासन ने कमेटी से हटाने को कहा लेकिन कमेटी ने पहले 24 घंटे का समय मांगा। इसके बावजूद निर्धारित समय सीमा में पोस्टर नहीं हटाया गया। इस मामले में पुलिस ने गुरुद्वारा के प्रधान सहित तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

पूरनपुर खुटार मार्ग पर रूरिया गुरुद्वारा के सामने जनरैल सिंह भिंडरावाला का असलहों के साथ पोस्टर लगा हुआ है। इसकी पुलिस से शिकायत की गई थी। रविवार को सीओ आलोक सिंह, नायब तहसीलदार अभिषेक त्रिपाठी पुलिस बल के साथ गुरुद्वारा पहुंचे थे और भिंडरावाला का पोस्टर कमेटी को हटाने के लिए कहा था। जानकारी लगने पर सिख समुदाय के दर्जनों लोग पहुंच गए थे। कमेटी ने पोस्टर हटाने के लिए 24 घंटे का समय मांगा था। सोमवार को मांगा गया 24 घंटे का समय पूरा हो गया लेकिन गुरुद्वारा के सामने लगा पोस्टर नहीं हटाया गया। सोमवार शाम कमेटी ने समुदाय के दर्जनों लोगों के साथ गुरुद्वारा में बैठक की। इसमें पोस्टर न हटाने का निर्णय लिया गया।

कमेटी ने सीधे शब्दों में कहा कि गुरुद्वारा के सामने लगा जनरैल सिंह भिंडरावाला का पोस्टर हटाए जाने पर सभी गुरुद्वारों के सामने ऐसे पोस्टर लगा दिए जाएंगे। इधर निर्धारित समय सीमा में भिंडरावाला का पोस्टर न हटाए जाने पर पुलिस ने गुरुद्वारा के प्रमुख प्रधान अमरीक सिंह सहित तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस का तर्क है कि जानबूझकर धार्मिक स्थल के सामने सार्वजनिक स्थान पर पोस्टर लगाकर वैमनस्य पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज की गई है।

रूरिया गुरुद्वारा के सामने लगा जनरैल सिंह भिंडरा वाला का पोस्टर। ● अमृत विचार

- गुरुद्वारा के प्रधान सहित तीन लोगों पर पुलिस ने की कार्रवाई

भगन्दर, बवासीर
सभी प्रकार के बार-बार ऑपरेटेड Complex Fistula (जटिल भगन्दर) पाइल्स तथा एनल फिसर एवं Anal Stenosis की क्षार सूत्र द्वारा पूर्ण सफल चिकित्सा
सुश्रुत क्लीनिक
क्षार चिकित्सा गुदा एवं वृहदांत्र रोग
[COLO-RECTAL-CENTER]
28.बी, एकता नगर स्टेडियम रोड, बरेली
9897030475
9411221895
7060162071

डॉ. लालता प्रसाद (सर्जन)
B.sc., B.A.M.S., D.Ay.M. सर्जरी (I.M.S), (B.H.U.) वाराणसी
गुरू /प्रोफेसर - राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ आयुष मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली
भू.पू. वरिष्ठ लेक्चरार एस. आर. एम. स्टेट आयु कॉलेज, बरेली
Life-Member Association of Anaesthetists of Indian Medicine
45 वर्षों का कुशल अनुभव

डॉ. अभय प्रकाश (सर्जन)
B.A.M.S., M.S सर्जरी
क्षार सूत्र एवं गुदा रोग विशेषज्ञ
बाल गुदा रोग विशेषज्ञ व समस्त गुदा रोग भगन्दर, बवासीर, ऐनल फिसर रेक्टल पालिप, पाइलोनिडल साइनस, कोलाइटिस
गुदा रोगों के लक्षण
मलद्वार से खून मवाद आना
गांठ का मल द्वार से बाहर निकलना मल द्वार के आस पास बार-बार फोड़ा बनना एवं फूटना, बार-बार मल त्याग करना, मल द्वार में दर्द एवं खुजली होना
समय
प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक
सायं 7:00 से 8:00 बजे तक
रविवार
प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक
सायंकाल अवकाश

सैक्स रोगी मिलें
सैक्स रोगों का एकमात्र स्थायी समाधान

डॉ. रफीक
समय-रोजाना प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक (रविवार अवकाश)
बड़ी बिहार, निकट डेलापीर मण्डी, बरेली। मो. 9319929913
नामर्दी Impotance, नसों की कमजोरी, संभोग से घबराहट, उत्तेजना की कमी, स्त्रियों में सैक्स की इच्छा न होना, मानसिक तनाव आदि के लिए निःसंकोच मिलें।
ताकत, जोश, रुकावट और वैवाहिक जीवन का आनन्द उठाएं।
- शीघ्र पतन (Premature Ejaculation)
- धात रोग (Spermatorrhoea)
- स्वप्न दोष (Night Fall)
- वीर्य का पतलापन बगैरा का इलाज विशेष प्रकार की भस्मों, माजून, तिलों द्वारा किया जाता है।
- निल शुक्राणु (Azoospermia)
- शुक्राणुओं की कमी (Oligospermia)
- बांझपन (Sterility)
- सफेद पानी (Leucorrhoea)
- पेट में दर्द (Pelvic Pain)
- बार-बार गर्भपात होना

35 वर्षों का अनुभवी आयुर्वेदिका, यूनानी इलाज कराएं, जीवन में खुशियां लाएं।
ALA Herbal
ताकत, जोश, रुकावट का स्थायी समाधान
कैप्सूल मैनसूल (काम्बो पैक)

धात, शीघ्रपतन, नपुंसकता के सम्पूर्ण समाधान के लिए इस पैक में तीन प्रकार के कैप्सूल है। तीनों तरह के एक-एक कैप्सूल दूध के साथ खाने से हर प्रकार की कमजोरी ठीक हो जाती है। यह शुक्राणुओं की कमी को दूर करता है। इम्युनिटी पावर को बढ़ाता है। Streess, Depression में लाभ करता है।
यह पूर्णतयः हर्बल है, इसका कोई साइड इफैक्ट नहीं है
Flipkart, Amazon पर उपलब्ध है।
Helpline No.
8439818102
7451039913
स्टॉकिस्ट
आरोग्य सदन बरेली
9837007202

बवासीर भगन्दर
ऑपरेशन से बचें
दर्द रहित उपचार
सैक्स रोगियों का यूनानी आयुर्वेदिक इलाज

डॉ. एस.के. गुप्ता
(गुप्त रोग चिकित्सक)
बवासीर भगन्दर रोग विशेषज्ञ
ऑपरेशन से बचें # दर्द रहित उपचार
धातरोग स्वप्नदोष, नामर्दी इन्द्रियों में ढ़ीलापन उत्तेजना के बाद ढ़ीलापन हो जाना, पेशाब में पीलापन जलन शीघ्रपतन शुक्राणु लिकोरिया- स्वेतप्रदर रक्त प्रदर, कमर में दर्द, महावारी टाइम पर न होना नलों का बंद होना योनि का ढ़ीलापन सेक्स की इच्छा न होना। चर्म रोग कील मुहासों का आयुर्वेदिक यूनानी दवाओं द्वारा इलाज।
नशा छुडाए? नशे से कुछ ही दिनों में छुटकारा पायें।
नोटः- हर जगह से निराश रोगी एक बार अवश्य मिलें।
डॉ. सी.पी. गुप्ता क्लीनिक
स्थापित 1960
माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड आफिस के सामने, चौपुला से कुतुबखाना रोड, बरेली।
मो. 9259082174

आठ साल की बच्ची का शव गांव के बाहर कुएं में मिला

परिजन ने दुष्कर्म के बाद हत्या का लगाया आरोप

संवाददाता, सेहरामऊ दक्षिणी (शाहजहांपुर)

- बच्ची की पैजामी गायब, पुलिस एक युवक से कर रही पूछताछ
- दुष्कर्म की पुष्टि के लिए बनाई गई स्लाइड

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के एक गांव के बाहर आठ साल की बच्ची का शव कुएं में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लिया। मृतक बच्ची के परिवार वालों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने पैनल के आधार पर पोस्टमार्टम कराया। दुष्कर्म की पुष्टि के लिए स्लाइड बनाई गई है, जो जांच के लिए बरेली लैब भेजी जाएगी। पुलिस ने एक युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के एक गांव की 8 साल की बच्ची सोमवार को दिन में ढाई बजे खेलने के लिए निकली थी। वह दिन में चार बजे तक घर वापस नहीं आई तो परिवार वालों ने उसकी तलाश की। गांव में उसका पता नहीं चला। परिवार वाले तलाश करते हुए गांव के बाहर शाम छह बजे पहुंचे तो देखा कि एक कुएं में उसका शव पानी में उतराता हुआ देखा गया। परिवार वालों ने पुलिस को सूचना दी। एसओ रोहित सिंह सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे और बच्ची के शव को बाहर निकलवाया।

बच्ची टी शर्ट पहने हुए थी और पैजामी गायब थी। उसके शरीर में चोट के निशान नहीं थे। बच्ची तीन बहनों में छोटी थी और सरकारी स्कूल में कक्षा तीन में पढ़ती थी। पुलिस लाइन से फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच करके नमूने लिए। बच्ची के पिता ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने गांव के एक युवक पर शक जाहिर किया है। पुलिस ने शक के आधार पर युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। एसओ रोहित सिंह ने बताया कि मृतक बच्ची के परिवार वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं आई और तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

कुएं में दो फुट पानी था

मृतक बच्ची के घर से करीब दो मीटर दूर एक कुआं है। यह कुंआ काफी पुराना है। गांव वालों ने कूड़ा तथा पत्थर आदि डालकर पाट दिया था। लेकिन कुआं में करीब ढाई फिट पानी था। यह पानी बरसात का है और कुएं के पड़ोस में नाली है और गांव का गंदा पानी निकलकर जाता है। गांव में चर्चा है कि ढाई फिट पानी होने पर बच्ची कैसे डूब गयी और उसकी पैजामी कहां चली गयी। आशंका व्यक्त की जा रही है कि उसे डूबोकर मारा गया है। उसकी मौत पर तमाम चर्चाएं हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत

पुलिस ने आठ साल की बच्ची के शव का पोस्टमार्टम पैनल के आधार पर कराया। पोस्टमार्टम दो पुरुष डाक्टर तथा एक महिला डाक्टर ने किया। दुष्कर्म की पुष्टि के लिए स्लाइड बनाई गई और वीडियो ग्राफी बनायी गयी है। स्लाइड को बरेली लैब में जांच के लिए भेजा जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्ची की डूबने से मौत की पुष्टि हुई है। एसओ रोहित सिंह ने बताया कि उसकी डूबने से मौत कैसे हुई है, इसकी जांच की जा रही है।

प्रवेश प्रारम्भ
बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बरेली
बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI), न्यू दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
- डी. फार्मा (2 वर्षीय)
- बी. फार्मा (4 वर्षीय)
- एम. फार्मा (फार्मास्यूटिक्स) (2 वर्षीय)
- एम. फार्मा (फार्माकोलॉजी) (2 वर्षीय)

रोहिलखंड कॉलेज ऑफ फार्मेसी
फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI), न्यू दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
- डी. फार्मा (2 वर्षीय)
- बी. फार्मा (4 वर्षीय)

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल कैंपस, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली (उत्तर प्रदेश)
केशलता कॉलेज ऑफ फार्मेसी
फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI), न्यू दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
- डी. फार्मा (2 वर्षीय)

मो. 9457672942
केशलता हॉस्पिटल कैंपस, डेलापीर रोड, बरेली (उत्तर प्रदेश)
बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट
- एम.एच.ए. (2 वर्षीय)
- एम.पी.एच. (2 वर्षीय)

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल कैंपस, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
For Registration : Online - www.biu.edu.in, offline - Admission Cell Administrative Block, BIU (9105500202), E-mail : repsbareilly@gmail.com, bareillyrcps@gmail.com
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
डॉ. आशीष शर्मा (9105500202)
श्रीमती रिचा गुप्ता (9105500404)
योगेन्द्र सिंह (9760578366)

प्रवेश प्रारम्भ
बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बरेली
फैकल्टी ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज
उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ द्वारा मान्यता प्राप्त
- बैचलर इन मेडिकल लेबोरेटरी साइंस (बी.एम.एल.एस.) (3 वर्षीय)
- बैचलर इन फिजियोथिरेपी (बी.पी.टी.) (4 वर्षीय)
- बैचलर ऑफ आप्टोमेट्री (बी. आप्टम) (3 वर्षीय)
- बैचलर इन मेडिकल रेडियोलॉजिक इमेजिंग टेक्नॉलॉजी (बी.एम.आर.आई.) (3 वर्षीय)
- बैचलर इन ऑपरेशन थियेटर टेक्नोलॉजी (बी.ओ.टी.टी) (अगामी पाठ्यक्रम) (3 वर्षीय)
- एम.एस.सी. क्लीनिकल एंब्रियोलॉजी (अगामी पाठ्यक्रम) (2 वर्षीय)
- मास्टर इन मेडिकल लेबोरेटरी साइंस (एम.एम.एल.एस. (अगामी पाठ्यक्रम) (2 वर्षीय)
- मास्टर ऑफ फिजियोथिरेपी (एम.पी.टी.) (अगामी पाठ्यक्रम) (2 वर्षीय)

फैकल्टी ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज
- बी.एस.सी. फॉरेंसिक साइंस (3 वर्षीय) (डिग्री कोर्स)

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ द्वारा मान्यता प्राप्त
- डिप्लोमा इन एक्स-रे टेक्नीशियन (2 वर्षीय)
- डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन (2 वर्षीय)
- डिप्लोमा इन रेडियोथिरेपी टेक्नीशियन (आगामी पाठ्यक्रम) (2 वर्षीय)

रोहिलखंड कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज
उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ द्वारा मान्यता प्राप्त
- डिप्लोमा इन डायलेसिस टेक्नीशियन (2 वर्षीय)
- डिप्लोमा इन एम.आर.आई. टेक्नीक्स (2 वर्षीय)
- डिप्लोमा इन इमरजेन्सी एण्ड ट्रामा केयर टेक्नीशियन (2 वर्षीय)
- सर्टिफिकेट इन सेनीटेशन (1 वर्षीय)

For Registration : Online - www.biu.edu.in, offline - Admission Cell Administrative Block, BIU (9105500202), E-mail : repsbareilly@gmail.com, bareillyrcps@gmail.com
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
डॉ. आशीष शर्मा (9105500202)
श्रीमती रिचा गुप्ता (9105500404)
डॉ. प्रशांत गुप्ता (8445508214)

छात्रा को कार से खींचने के मामले में दी तहरीर

बरेली, अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय परिसर में चीफ प्रॉक्टर कार्यालय के सामने छात्रा को कार से खींचने के मामले में सुरक्षा प्रभारी सुधांशु ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए बारादरी थाना में तहरीर दी है। इस मामले में छात्रा के परिजनों ने आरोपी युवक के परिजनों में समझौता हो गया था। सुरक्षा प्रभारी के मुताबिक विश्वविद्यालय में छात्रा को कार से खींचने की घटना से दूसरी छात्राओं में भय है। भविष्य में ऐसी घटना न हो और विश्वविद्यालय में सुरक्षा का माहौल रहे।

सेल्फी लेते समय शारदा नदी में गिरा किशोर, मौत

दोस्तों के साथ नहाने गया था विपिन, परिवार में मचा कोहराम

लखीमपुर खीरी कार्यालय

अमृत विचार: थाना भीरा क्षेत्र के गांव डंबल टांडा में दोस्तों के साथ नदी में सेल्फी लेते समय एक किशोर की गहरे पानी में चला गया, जिससे उसकी डूबकर मौत हो गई। गोताखोरों की मदद से तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला जा सका। घटना के बाद से पूरे परिवार में मातम का माहौल पसरा है।

गांव डंबल टांडा निवासी 17 वर्षीय विपिन सिंह पुत्र पाल सिंह मंगलवार को अपने दोस्तों के साथ शारदा नदी में नहाने गया था। सभी दोस्त नदी में नहा रहे थे कि विपिन ने सेल्फी लेने के लिए मोबाइल निकाला और फोटो क्लिक करने लगा। तभी उसका पैर फिसल गया जिससे वह गहरे पानी में चला गया और वह डूब गयटा।

मृतक विपिन।

दोस्तों ने विपिन के डूबने की जानकारी पास पड़ोस के खेतों में काम कर रहे लोगों को दी। इस पर तमाम लोग व परिवार वाले मौके पर पहुंच गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों को नदी में उतारा और उसकी तलाश कराई।

3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोर विपिन को बाहर निकाल सके। उसे बिजुआ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया है।

शारदा नदी पर मौजूद परिजन व लगी भीड़। ● अमृत विचार

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सोरों (कासगंज)

पत्रांक: 1014/न.पा.प.सोरों/2024-2025 दिनांक: 04/06/2024

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, सोरों (कासगंज) के निर्माण/आपूर्ति कार्यो को सम्पादित कराने हेतु वित्तीय वर्ष 2024-2025 की अवधि हेतु पंजीकरण एवं नवीनीकरण निर्धारित शुलक जमा कर किये जाने है। अत: इच्छुक फर्म/ठेकेदार दिनांक 15 जून 2024 से दिनांक 30 जून 2024 तक निर्धारित अवधि में ठेकेदारी से सम्बन्धित समस्त प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित प्रतियों के साथ संलग्न कर नगर पालिका परिषद, सोरों कार्यालय में सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत अथवा प्राप्त करा सकते हैं, नियत समयावधि के पश्चात् आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। इस सम्बन्ध में वांछित शर्ते निम्नवत् है:-

1. जिलाधिकारी महोदय, कासगंज द्वारा निर्गत हैसियत एवं चरित्र प्रमाण-पत्र।
2. जी.एस.टी. पंजीकरण प्रमाण-पत्र।
3. श्रम विभाग में पंजीयन का प्रमाण-पत्र।
4. आयकर का एन.ओ.सी./पैन कार्य।
5. किसी भी सरकारी विभाग में सम्बन्धित क्षेत्र में 05 वर्ष कार्य करने का अनुभव प्रमाण-पत्र।
6. किसी भी सरकारी विभाग में ब्लैक लिस्टेड न होने का 100/- रू. के स्टाम्प पेपर का शपथ पत्र।
7. नवीन पंजीकरण शुल्क रू.- 15,000/- एवं नवीनीकरण शुल्क रू. 10,000/- नकद कार्यालय नगर पालिका परिषद, सोरों में जमा करना अनिवार्य है।
8. वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु पंजीकरण/नवीनीकरण ठेकेदार/फर्म द्वारा जमानत के रूप में रू. 1,00,000/- की एफ.डी.आर. / एन.एस.सी. अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, सोरों (कासगंज) के नाम बंधक करना अनिवार्य है।
9. उ.प्र. शासन द्वारा समय-समय पर निगर्त शासनादेशों का ठेकेदार/फर्म द्वारा पालन करने सम्बन्धी रू. 100/- के स्टाम्प पेपर पर शपथ-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
10. पंजीकरण हेतु पालिका के अध्यक्ष एवं सभासद तथा पालिका के कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी का ब्लड रिलेशन न होने का प्रमाण-पत्र।

मुकेश कुमार
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, सोरों (कासगंज)

रामेश्वर दयाल महेरे
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, सोरों (कासगंज)

इंडिगो में नौकरी का झांसा दे करते थे ठगी

- बेरोजगार अभ्यर्थियों को ठगने वाले लोगों ने गलत दस्तावेजों से खुलवाए थे बैंकों में खाते
- दो लोगों को खाता खोलने आया था टिंकू तभी दबोचा गया, फिर साथी पुलिस के हत्थे चढ़े

मुरादाबाद कार्यालय

अमृत विचार : बेरोजगारों को नौकरी का झांसा देकर ठगने वाले 9 शातिरों ने पुलिस की पूछताछ में हैरतंगेज राज उगले हैं। ये लोग इंडिगो एयरलाइंस कंपनी में खाली पदों पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर बेरोजगारों को ठगते थे। इन ठगों को पुलिस ने सोमवार को दबोचा था। इनमें कोशेंद्र, अमित, टिंकू, पिंटू, अर्जुन, अनुज, अंकित व अनुज पुत्र राम औतार और शमशाद हैं। इसमें गैंग का सरगना कौशेंद्र है, जबकि गैंग के अन्य सदस्यों में शमशाद व पिंटू जन सेवा केंद्र चलाते थे। इन सभी के विरुद्ध नगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ऊषा मलिक ने धोखाधड़ी व साइबर ठगी और अन्य आरोपों के तहत नामजद एफआईआर दर्ज कराई है।

इन लोगों ने इंडिगो एयरलाइंस कंपनी का फर्जी तरीके से लोगो भी अपने लैपटॉप पर बना रखा था। जिसका प्रयोग वह बेरोजगार युवकों को नौकरी दिलाने के नाम पर नियुक्ति पत्र देने में करते थे।

पूछताछ में बताया है कि वह लोग गांव-देहात के युवकों को नौकरी दिलाने के नाम पर उनके आधार कार्ड व अन्य आइडी कुछ पैसे देकर ले लेते थे। जन सेवा केंद्र संचालक शमशाद व पिंटू आधार कार्ड में लिखा पता बदलकर उस पर फर्जी पता लिखते थे और बैंकों में खाते खुलवा लेते थे। उन्हीं आधार कार्ड से सिम प्राप्त करने में सफल हो जाते थे। यही नहीं, जो बेरोजगार युवक ऑनलाइन नौकरी की तलाश कर रहे होते हैं, उनसे ये लोग मोबाइल से संपर्क करते थे और इंडिगो एयरलाइंस में वैकेंसी बताकर फार्म भराने के नाम 550, टेस्ट के नाम पर 1500 और मेडिकल परीक्षण के नाम से 5,000 रुपये लेते थे। फिर ज्वाइनिंग लेटर के नाम पर भी 5,000 रुपये अभ्यर्थियों से लेते थे। फिलहाल, पुलिस ने अभियुक्तों से बरामद बैग व स्टेटमेंट और फर्जी ज्वाइनिंग लेटर विवेचनात्मक कार्रवाई के लिए एकत्र कर लिया है।

अभियुक्तों के पास इनके मिले आधार व पैन कार्ड

अजयवती नाम की बैंक पासबुक, रोहन देसाई नाम का आधार कार्ड, रानी पुत्री जयपाल सिंह नाम से दो आधार कार्ड, समोद कुमार का पैन व आधार कार्ड, अनस मोहम्मद पुत्र हबीब अहमद नाम का आधार कार्ड, नाजिम अली पुत्र शहीद अली नाम का ड्राइविंग लाइसेंस व आधार कार्ड और इंडिगो एयरलाइंस कंपनी के फर्जी 88 नियुक्ति पत्र भी अभियुक्तों के पास मिले हैं।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पीलीभीत

टनकपुर रोड, निकट जिला अस्पताल, पीलीभीत (उ.प्र.)-262001
ई-मेल : kvpilibhit2008@gmail.com वेबसाइट : https://pilibhit.kvs.ac.in दूरभाष : 05882-253319

कक्षा-11 में प्रवेश के लिए पंजीकरण तिथि बढ़ाये जाने की सूचना (गैर के.वि. छात्र/छात्राओं हेतु) : सत्र 2024-25

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पीलीभीत में कक्षा-11 (विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय) में प्रवेश के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 05.06.2024 से बढ़ाकर 08.06.2024 की जाती है। प्रवेश के लिए इच्छुक छात्र/छात्राएँ प्रात: 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक विद्यालय में ऑफलाइन माध्यम द्वारा पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण फार्म डाउनलोड करने एवं अधिक जानकारी हेतु विद्यालय की वेबसाइट https://pilibhit.kvs.ac.in देखें। पंजीकरण फॉर्म विद्यालय से भी नि:शुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

Extension in Last Date of Registration for Admission in Class-11 (For Non-KV Students) Session 2024-25

Last date of registration for admission in class-11 (Science & Commerce Streams) in PM Shri Kendriya Vidyalaya Pilibhit is being extended to 08.06.2024. Interested candidates may register in Vidyalaya through offline mode from 10 AM to 2 PM. To download the Registration Form and for more information, please visit Vidyalaya website https://pilibhit.kvs.ac.in.Registration Form may also collected from Vidyalaya free of cost.

प्राचार्य/Principal

पौधों की मदद से हो सकता है दूषित मिट्टी का इलाज

- रुविवि के पादप विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष और छात्रों ने औद्योगिक क्षेत्र में किया शोध
- औद्योगिक क्षेत्र के आसपास की मिट्टी में पाए गए हैं कैंसर कारक तत्व

बरेली कार्यालय, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कई बरसों के शोध के बाद औद्योगिक क्षेत्र के आसपास की दूषित मिट्टी के उपचार का तरीका खोज निकाला है। सूरजमुखी समेत कई पौधों के माध्यम से मिट्टी से उन धातुओं (मेटल) को निकाला जा सकता है, जो हानिकारक हैं।

औद्योगिक क्षेत्र के आसपास लगातार कचरा एकत्र होने और एक ही स्थान पर बरसों तक कूड़ा डालने से उपजाऊ मिट्टी में विषैली धातुओं का समावेश होता है। इस विषय पर रुहेलखंड विश्वविद्यालय के पादप विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. आलोक श्रीवास्तव, एसो. प्रो. पंकज अरोरा और छात्रों ने रिसर्च की है।

प्रो. आलोक के मुताबिक शोध के दौरान बरेली के अलावा गाजियाबाद, बदायूं, रामपुर के औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास की मिट्टी में कैंसर कारक धातु जैसे निकिल, जिंक, कैडमियम, नाइट्रोफिनोल अधिक मात्रा में पाए गए हैं। शोध में पाया गया कि सूरजमुखी, सरसों, गेंदा, खसखस के पौधे मिट्टी से अधिक मात्रा में धातु (मेटल) को खींच लेते हैं। ऐसे पौधों को 400-600 डिग्री सेल्सियस में जलाने पर इनके अवशेषों से धातुओं को अलग कर वापस प्रयोग में लाया जा सकता है, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना कॉमर्शियल तौर पर दोबारा इस्तेमाल किए जा सके। इसी तरह बैक्टीरिया की मदद से जहरीले तत्वों को कम घातक बना सकते हैं।

स्यूडोमोनास जैसे बैक्टीरिया औद्योगिक क्षेत्र के आसपास पाए जाते हैं, जो जहरीली धातुओं को कम जहरीली अवस्था में बदल सकते हैं, जो पर्यावरण के अनुकूल हो, जैसे क्रोमियम 6 (जो पर्यावरण के लिए बेहद नुकसानदेह है) को क्रोमियम 3 में बदल सकता है। इससे पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचेगा। ऐसे बैक्टीरिया के जीन से शोधकर्ता भविष्य में अपने बैक्टीरिया डिजाइन करने का दावा कर रहे हैं, जो पर्यावरण को औद्योगिकीकरण के दुष्प्रभाव से बचाने में सहायक रहेगा।

महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को पीटा

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र में पति ने पत्नी को घर में प्रेमी के साथ पकड़ लिया। पति ने विरोध किया तो पत्नी और प्रेमी ने मिलकर उसपर हमला कर दिया और प्रेमी पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। थाने में सुनवाई न होने पर पीड़ित ने एसएसपी से शिकायत की थी। मंगलवार को एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने प्रेमी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

युवक के मुताबिक पीलीभीत के धुंधरी का रहने वाला अजय से उसकी पत्नी का कई साल से प्रेम प्रसंग चल रहा है। वह उसके घर पर नही होने पर आता जाता था। उसके मुताबिक सोमवार को वह काम पर गया था इसी दौरान अजय उनके घर पहुंच गया और पत्नी को साथ ले गया।

पड़ोसी ने अजय को घर में घुसते हुए देखा तो उन्हें सूचना दी। जब वह घर पहुंचे तो पत्नी को अजय के साथ पकड़ लिया। उन्होंने विरोध किया तो अजय और पत्नी ने उनकी पिटाई कर दी। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो अजय जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया।

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बरेली

प्रवेश प्रारम्भ

बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ ह्यूमनटीज एण्ड जर्नलिज्म

- बी.ए. (जर्नलिज्म)
- बी.ए. (मास कम्युनिकेशन)
- एम.ए. (जर्नलिज्म)
- एम.ए. (मास कम्युनिकेशन)
- एम.ए. (अंग्रेजी)
- एम.ए. (मनोविज्ञान)

बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट

- बी.कॉम. (ऑनर्स)
- बी.बी.ए. (फाइनेन्स एण्ड टेक्सेशन)
- बी.सी.ए. (आई.टी. एंड मल्टीमीडिया)
- एम.कॉम.
- एम.बी.ए.

प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
डॉ. आशीष शर्मा (9105500202)
श्रीमती रिचा गुप्ता (9105500404)
श्री अतुल बाबू (7409998289)

आबादी के बीच कुत्तों ने वृद्धा को नोचकर मार डाला

संवाददाता, संभल

- विधायक आवास के नजदीक बेटी के घर जा रही थी महिला

अमृत विचार: सदर कोतवाली क्षेत्र में कुत्तों के झुंड ने शहर विधायक के आवास के निकट बुजुर्ग महिला पर हमला कर उसकी जान ले ली। कुत्ते महिला को उस समय तक नोचते रहे जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। आसपास के लोगों ने निर्वस्त्र अवस्था में पड़ी महिला के शव को चादर डालकर ढका। संभल शहर के मुहल्ला डेरा सराय निवासी हाजी समतुल्ला की 70 वर्षीय पत्नी जुबैदा मंगलवार की सुबह पांच बजे कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला बेगम सराय में अपनी बेटी के घर पैदल जा रही थी। जुबैदा जैसे ही मुहल्ला मियां सराय में विधायक इकबाल महमूद के आवास के पास पहुंची तो यहां मस्जिद के पास मैदान में कुत्तों के झुंड ने घेरकर जुबैदा पर हमला कर दिया।

मृतका जुबैदा।

डूंगरपुर से जुड़े एक मामले में आज भी जारी रहेगी बहस

रामपुर, अमृत विचार : गंज थाना क्षेत्र की डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने को लेकर 2019 में कई मुकदमे दर्ज हुए थे। इनमें घरों में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज, डकैती और आपराधिक षड्यंत्र रचने के आरोप में ठेकेदार बरकत अली, रिटायर्ड सीओ आले हसन के अलावा अलावा आजम खां को भी आरोपी बनाया गया था। आरोप था कि आजम खां के इशारे पर अन्य आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया था। एक प्रकरण में बहस शुरू हो गई। एडीजीसी सीमा सिंह राणा ने बताया कि मंगलवार को बचाव पक्ष ने बहस की। मगर यह पूरी नहीं हो सकी। बुधवार को भी बहस की जाएगी।

बस में आपत्तिजनक हालत में मिले युवक-युवती

रौसर कोठी, अमृत विचार : आवास एवं विकास परिषद कॉलोनी बरेली मोड़ के पहले गोल चौराहे पर एक बस में युवक और युवती आपत्तिजनक हालत में मिले। वहीं पास में खाने का ठेला लगाने वाली महिला ने यह देख 112 नंबर पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को बस से नीचे उतारकर पूछताछ की। युवक एक मिल की बस चलाता है। युवक ही युवती को लेकर आया था। सूचना पर अजीजगंज चौकी पुलिस भी मौके पर आ गई। इसी बीच मौका पाकर युवती वहां से चली गई। अजीजगंज पुलिस युवक को हिरासत में लेकर चौकी ले आई। अजीजगंज चौकी प्रभारी रोहित कुमार ने बताया कि मामला आपसी कहासुनी का था। युवती को बस में ले जाने के आरोप की पुष्टि नहीं हुई है। युवक से पूछताछ की जा रही है। वहीं लोगों में रोष व्याप्त है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बरेली संस्करण

स्मृतियाँ शेष

निधन | अंतिम यात्रा | पुण्यतिथि
पीपलपानी | स्मृतियां | उठावनी | पगड़ी

साइज व रेट
साइज --------5cmX8cm / 1000 with GST
साइज -------10cmX8cm / 1800 with GST
साइज -------15cmX8cm / 2500 with GST
अन्य साइज कलर 25 रुपए प्रति वर्ग सेमी.।

शोक संदेश प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-
0581-4000222

हेड ऑफिस :- 932, कटरा चांद खां भारत पेट्रोल पम्प के सामने, पीलीभीत बाईपास रोड बरेली 243006

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

आवश्यकता है
रेस्टोरेन्ट में एक बिलिंग कार्य करने वाले एकाउन्टेंट की व एक तन्दूरी शेफ की।
(रहने व खाने की सुविधा फ्री)
सम्पर्क करें
श्री कृष्णा रिजॉर्ट
बड़ा बाईपास, लखनऊ-दिल्ली हाइवे, NH-27, बरेली
मो. 6398112074

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

दक्षिण भारत से भाजपा को सिर्फ एक सीट का फायदा

दक्षिण भारत से कुल 132 सांसद चुनकर आते हैं। दक्षिण भारत की ये सीटें तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार जैसे कुल आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आती हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में इन 132 सीटों में से कांग्रेस और भाजपा दोनों ने 29-29 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, इन दलों से काफी आगे क्षेत्रीय पार्टियों के 74 सांसद चुनकर लोकसभा पहुंचे थे। इस बार भाजपा को दक्षिण के इन राज्यों से अपेक्षित सफलता नहीं मिली है, जबकि पार्टी ने उत्तर भारत से होने वाले नुकसान की भरपाई दक्षिण से करने की व्यूह रचना की थी। भाजपा इस बार दक्षिण में केवल 30 सीटें जीत पा रही है।

केरल वोट शेयर

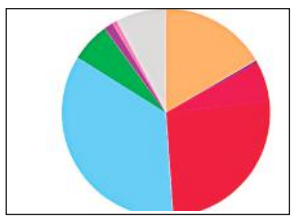

बीजेपी	16.68%
बीएसपी	00.25%
सीपीआई	06.17%
सीपीआई (एम)	25.79%
आईएनसी	35.00%
आईयूएमएल	06.10%
केईसी (एम)	01.37%
नोटा	00.79%
अन्य	07.84%

देश में तीन सबसे बड़ी जीत

इंदौर से भाजपा उम्मीदवार शंकर ललवानी ने 11.75 लाख वोटों से चुनाव जीतकर सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड बनाया है। दूसरी बड़ी जीत कांग्रेस के नाम रही। असम में कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने एआईडीयूएफ के प्रत्याशी बदरुद्दीन अजमल को 9.20 लाख वोटों के अंतर से हराया। मध्यप्रदेश में पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में तीसरी बड़ी जीत हासिल की। शिवराज सिंह की जीत का अंतर 8 लाख 21 हजार वोट का रहा। साल 2019 में भाजपा के सीआर पाटिल ने साल 2019 में नवसारी (गुजरात) से सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। साल 2019 में यूपी के मछलीशहर लोकसभा सीट से सबसे कम अंतर 181 वोट से जीत-हार का फैसला हुआ था।

केरल में पहली बार खिला कमल, कर्नाटक में लगी बड़ी चपत

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार। भाजपा जहां पहली बार केरल में खाता खोलने में कामयाब रही, वहीं कर्नाटक में उसे तगड़ा नुकसान उठाना पड़ा। 2019 में भाजपा ने कर्नाटक की 28 में से 25 सीटें जीत ली थीं। लेकिन इस बार भाजपा को 8 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। पार्टी को 17 लोकसभा सीटों पर जीत मिली है। कांग्रेस ने लंबी छलांग लगाते हुए पिछली बार की एक सीट से आगे बढ़ते हुए इस बार 9 सीटों पर कब्जा कर लिया। भाजपा की सहयोगी पार्टी जेडीएस को दो सीटों पर सफलता मिली है। अश्लील सीडी कांड में आरोपी एचडी रेवन्ना के बेटे प्रज्वल रेवन्ना हासन से चुनाव हार गए हैं। कर्नाटक कभी भाजपा का गढ़ था, लेकिन वहां इस बार सीटें बढ़ने के बजाय घट गई हैं। कर्नाटक में भाजपा को जेडीएस के साथ अलायंस में उम्मीद थी कि वो पूरी 28 सीटें जीत लेगी। राज्य में क्लीन स्वीप के मकसद से भाजपा ने आधे से ज्यादा प्रत्याशी बदल दिए थे। इसका कई जगह विरोध हुआ। अंदर ही अंदर इस बात को लेकर नाराजगी भी थी। नतीजों में इसका असर दिख रहा है। इसके मुकाबले कांग्रेस ने अपनी 5 गारंटी को प्रमोट किया, जो सरकार में आने के बाद उसने लागू की थीं। इसमें महिलाओं को दो हजार रुपये महीना देना और फ्री बस यात्रा शामिल है। इनके चलते राज्य में शून्य पर पहुंच चुकी कांग्रेस इस बार 7 सीटें जीत गई।

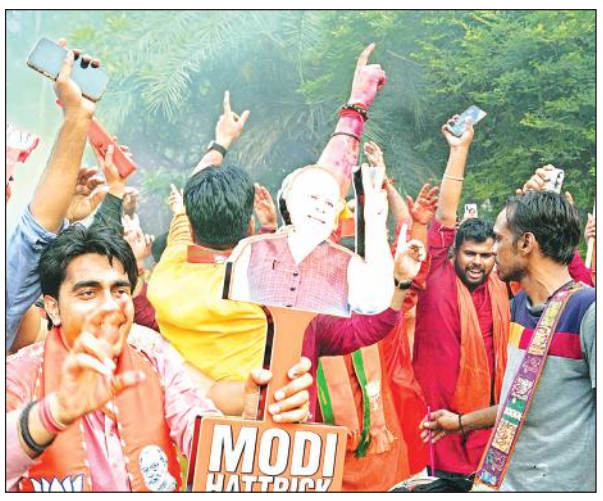

दिल्ली में जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

दो दशक में दूसरा सबसे दयनीय प्रदर्शन

- 2004 : भाजपा ने 18 सीटें जीती
- 2009 : भाजपा ने 19 सीटें जीती
- 2014 : भाजपा ने 17 सीटें जीती
- 2019 : भाजपा ने 25 सीटें जीती
- 2024 : भाजपा ने 17 सीटें जीती

त्रिशूर जीतकर भाजपा ने इतिहास रचा कांग्रेस की एक सीट घटी

अमृत विचार। केरल में भाजपा ने त्रिशूर की सीट जीतकर पहली बार कमल खिला दिया। राज्य में 20 लोकसभा सीटें हैं। 2019 के चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 19 सीटें जीती थीं। इसमें कांग्रेस को 15, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी को एक, केरल कांग्रेस (एम) को एक और आईयूएमएल ने दो सीटें मिली थीं। दूसरी तरफ वाम दलों के गठबंधन (एलडीएफ) में माकपा ही एक सीट जीत पायी थी। त्रिशूर को केरल की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है। यहां भाजपा ने दूसरी बार अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी को मैदान में उतारा था। पिछली बार 2019 में भी वह इस सीट से चुनाव लड़े थे, लेकिन तीसरे नंबर पर पिछड़ गए थे। भाजपा ने उन्हें 2021 के विधानसभा चुनाव में भी त्रिशूर से मौका दिया था, लेकिन सफल नहीं हो पाए थे। आखिरकार इस बार सुरेश गोपी ने भाकपा प्रत्याशी वीएस सुनील कुमार को 75 हजार मतों से हराकर केरल में भाजपा को पहली सफलता दिलाकर इतिहास रच दिया। राज्य में इस बार कांग्रेस 14 सीटे जीतती नजर आ रही है। उसकी सहयोगी आईयूएमएल पिछली बार की तरह दो सीटें जीत रही है।

सुरेश गोपी।

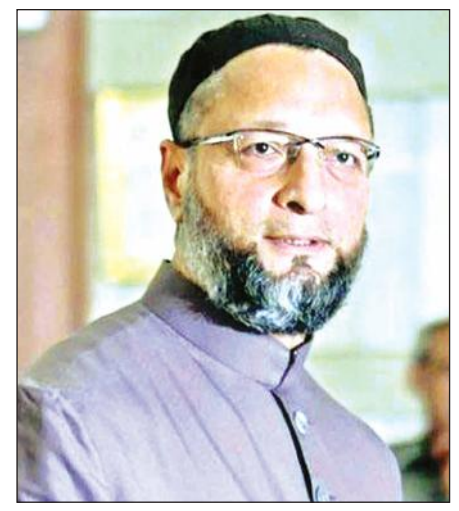
असदुद्दीन ओवैसी। अमृत विचार

तेलंगाना में भाजपा ने दोगुनी की सीटों की संख्या

- तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी ने 8 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की है, तो राज्य की सत्ता पर काबिज कांग्रेस को भी 8 सीटों पर जीत मिली है। हैदराबाद से एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी चुनाव जीतने में सफल रहे हैं। पिछले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 4 सीटों पर जीत मिली थी। इस तरह भाजपा को राज्य में 4 सीटों का फायदा मिला है।

तिरुवनंतपुरम में दूसरी बार दूसरे नंबर पर पिछड़ी भाजपा

2019 के चुनाव में भाजपा सिर्फ तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट पर दूसरे नंबर पर रही थी। इस बार पार्टी ने यहां से मोदी सरकार में आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर को उतार कर जीत की उम्मीद लगाई थी। लेकिन तिरुवनंतपुरम सीट पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने लगातार चौथी जीत दर्ज कर ली। उन्होंने राजीव चंद्रशेखर को कड़े मुकाबले में 16 हजार वोटों से हरा दिया। शशि थरूर को 3,58,155 जबकि राजीव चंद्रशेखर को 3,42,078 वोट मिले। तीसरे नंबर पर रहे सीपीआई के पन्नियन रवीन्द्रन 2,47,648 ने वोट पाए।

शशि थरूर।

ओडिशा में भाजपा को 10% का स्विंग, पटनायक नहीं रहे नायक

अमृत विचार। ओडिशा में विधानसभा की 147 और लोकसभा की 21 सीटों के चुनाव में भाजपा को बड़ा फायदा हुआ है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 10 फीसदी वोट शेयर बढ़ाकर सूबे में बीजद की नवीन पटनायक सरकार को तगड़ा झटका दिया है। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजद ने 12, भाजपा ने 8 और कांग्रेस ने एक सीट जीती थी। इस बार भाजपा ने 19 सीटें जीती हैं। उसका वोट शेयर 42 फीसदी है, जो कि 2019 में 32.49 फीसदी था। कांग्रेस और बीजद एक-एक सीट पर सिमट गए हैं। संबलपुर लोकसभा सीट पर भाजपा ने कब्जा कर लिया है। भाजपा उम्मीदवार धर्मेंद्र प्रधान 59162 वोट से जीत दर्ज की है। बीजद दूसरे नंबर पर रही। भुवनेश्वर संसदीय क्षेत्र से भी भाजपा ने जीत दर्ज की है। यहां अपराजिता सारंगी ने कड़े मुकाबले में बीजद के मन्मथ कुमार राउत्रे को शिकस्त दी। अपराजिता सारंगी को 512519 इतने वोट मिले जबकि मन्मथ को 477367 वोट मिले। कटक से भाजपा के भर्तुहरी महताब जीत गए हैं। उन्होंने बीजद के संत्रुप्त मिश्रा को हरा दिया है।

कांताबाजी सीट पर मिली हार: बीजद को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब मुख्यमंत्री नवीन पटनायक कांताबंजी सीट से चुनाव हार गए। उन्हें भाजपा के लक्ष्मण बाग ने 15 हजार मतों से पराजित कर दिया। बीजद अध्यक्ष पटनायक लगातार पांच बार से राज्य के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने साल 2000 में मुख्यमंत्री का पदभार संभाला था।

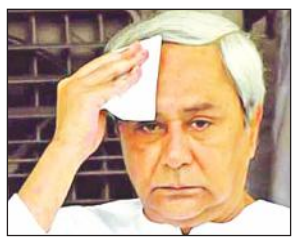
नवीन पटनायक।

- राज्य की 21 में से 19 लोकसभा सीटों पर खिलाया कमल
- विधान सभा चुनाव में पार्टी ने सरकार के लिए बहुमत पाया

विधान सभा चुनाव में भाजपा का परचम

- भाजपा ओडिशा में जीती गई और रुझान मिलाकर 85 विधानसभा सीटों पर आगे है। बीजू जनता दल (बीजद) के उम्मीदवार 47 सीटों पर आगे हैं। कांग्रेस 12 सीट पर और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) एक सीट पर आगे है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक विधानसभा सीट हिंजिली से जीत हासिल करते दिख रहे हैं। लेकिन उनके मंत्रिमंडल के कम से कम आठ मंत्री चुनाव हार गए हैं। ओडिशा विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 74 सीटों का है। 2019 के विधानसभा चुनावों में बीजद को 112 सीटें मिली थीं। जबकि भाजपा को 23 सीटें, कांग्रेस को नौ, सीपीआई एम को एक और एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। पिछली बार बीजद को करीब 45 फीसदी वोट मिले थे। भाजपा को 33 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। कांग्रेस के खाते में 16 फीसदी और अन्य को 6 फीसदी से कुछ अधिक वोट मिले थे।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने एक सीट गंवाई, भूपेश भी हार गए

अमृत विचार। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने 10 तो कांग्रेस ने 1 सीट पर जीत दर्ज की है। 2019 में कांग्रेस ने 2 सीट जीती थीं, लेकिन इस बार वह बस्तर में चुनाव हार गई है। राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 44 हजार से ज्यादा वोटों से चुनाव हार गए हैं। कोरबा एक मात्र सीट कांग्रेस के हाथ में आई है। यहां से सांसद ज्योत्सना महंत ने फिर जीत दर्ज की है। उन्होंने भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय को 43 हजार से वोटों से हराया।

दिल्ली के दिल में मोदी क्लीन स्वीप की हैट्रिक

अमृत विचार। दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों पर एक बार फिर भाजपा ने भगवा लहरा दिया है। साल 2019 में भी पार्टी ने यहां सातों सीटें अपने नाम की थी। हालांकि दिल्ली में इस बार कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गठबंधन के तौर पर चुनाव मैदान में उतरी थी। लेकिन इसका फायदा उन्हें नहीं मिल पाया। भाजपा ने सभी सातों सीटों पर क्लीन स्वीप की हैट्रिक लगा दी। भाजपा ने 2014 और 2019 में भी दिल्ली की सभी सीटों पर जीत दर्ज की थी।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने 4 जबकि कांग्रेस ने 3 सीटों पर लोकसभा का चुनाव लड़ा था। भाजपा ने अकेले दम पर सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे। भाजपा के सभी प्रत्याशियों चांदनी चौक से प्रवीण खंडेलवाल, उत्तर पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी, पूर्वी दिल्ली से हर्ष मल्होत्रा, नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज, उत्तर पश्चिम दिल्ली से योगेंद्र चंदोलिया, पश्चिमी दिल्ली से कमलजीत सहरावत और दक्षिण दिल्ली से रामवीर सिंह बिधूड़ी ने जीत दर्ज की है। इंडिया गठबंधन के साथ बसपा के प्रत्याशी भी सभी सीटों पर हार गए। लोकसभा में मिली जीत से भाजपा दिल्ली में और मजबूत होगी। वहीं आम आदमी पार्टी की परेशानी बढ़ेगी। भ्रष्टाचार के आरोप में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित अन्य नेताओं के जेल में होने से आप के सामने पार्टी को एकजुट रखने की चुनौती होगी। मनोज तिवारी के मुकाबले कन्हैया कुमार ने हार मानते हुए कहा उत्तर पूर्वी दिल्ली की जनता ने विपक्ष की भूमिका का आदेश दिया है।

तमिलनाडु ने सीट नहीं दी, झोली में डाल दिए 11% वोट

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। तमिलनाडु में इस बार भाजपा के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। इसके चलते पार्टी ने पूरी ताकत झोंक रखी थी। पूर्व आईपीएस अफसर अन्नामलाई को चेहरा बनाकर राज्य भाजपा की कमान सौंपी थी। अन्नामलाई ने पदयात्राओं से माहौल भी बनाया। भाजपा को उम्मीद थी कि उनकी लोकप्रियता और ब्रांड मोदी से 4 से 5 सीटें आएंगीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तमिलनाडु में भाजपा को सीटों के लिहाज से बड़ी निराशा हाथ लगी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में कई रैलियां और रोड शो किए थे। इनमें भीड़ भी जुटी, लेकिन लोगों ने अपेक्षित समर्थन नहीं दिया। हालांकि इस बार के चुनाव ने तमिलनाडु में भाजपा के लिए आगे की राह खोल दी है। भाजपा का वोट शेयर 10.87 फीसदी तक पहुंच गया है। डीएमके, एआईएडीएमके और कांग्रेस के बाद भाजपा वोट शेयर के मामले में राज्य की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गयी है। उसके साथ अलायंस में लड़ रही पीएमके एक सीट जीतते हुए नजर आ रही है।

तमिलनाडु से 39 संसद सदस्य चुने जाते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में डीएमके ने 24 सीटें, कांग्रेस ने 8, विदुथलाई चिरुथिगल काची ने एक, सीपीआई (एम) ने 2, सीपीआई ने 2, आईयूएमएल ने एक और एआईएडीएमके ने एक सीटें जीती थीं। इस बार राज्य में भाजपा के जोरदार चुनाव अभियान का मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बखूबी बचाव किय। उन्होंने केंद्र सरकार पर राज्य से भेदभाव का मुद्दा गर्म रखा और कहा कि राज्य सरकार केंद्र को एक रुपये भेजती है, तो केंद्र से 28 पैसे मिलते हैं। जीएसटी का बकाया नहीं दिया जा रहा। इससे राज्य का विकास रुका हुआ है। इसके मुकाबले उत्तर प्रदेश को एक रुपये के बदले केंद्र दो रुपये देता है। उन्होंने अपनी हर रैली में मिचौंग तूफान का जिक्र किया और कहा कि केंद्र ने न कोई मदद नहीं दी है।

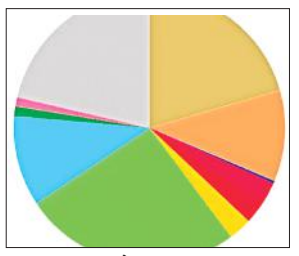

- डीएमके, एआईएडीएमके और कांग्रेस के बाद भाजपा वोट शेयर के मामले में राज्य की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी

एडीएमके	20.48%
बीजेपी	10.90%
बीएसपी	00.32%
सीपीआई	02.36%
सीपीआई (एम)	02.94%
डीएमडीके	02.77%
डीएमके	25.91%
आईएनसी	10.72%
आईयूएमएल	01.16%
नोटा	01.07%
अन्य	21.38%

आंध्र में नायडू नंबर वन, पार्टी को बनाया एनडीए में नंबर दो

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। आंध्र प्रदेश में एनडीए गठबंधन को बड़ी सफलता मिली है। राज्य में कांग्रेस का खाता नहीं खुल पाया है। राज्य की 25 लोकसभा सीटों से एनडीए गठबंधन को 21 सीटों पर जीत मिली है। इसमें भाजपा ने 3 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि टीडीपी को 16 सीटों पर सफलता मिली है। गठबंधन की सहयोगी जनसेना पार्टी को 2 सीटों पर जीत मिली है। राज्य में वाईएसआरसीपी को 4 सीटों पर जीत मिली है। भाजपा को इस बार चुनाव में 11.55 प्रतिशत वोट मिले हैं। 2019 के चुनाव में वाईएसआरसीपी ने राज्य की 25 लोकसभा सीटों में से 22 पर जीत हासिल की थी। टीडीपी केवल 3 सीटों पर सिमट गई थी। भाजपा और कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई थीं।

विधानसभा चुनाव में टीडीपी का परचम : आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजे भी घोषित किए गए हैं। राज्य में एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की वापसी तय नजर आ रही है। पार्टी ने घोषणा की है कि नायडू 9 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। पार्टी मुख्यालय में जश्न भी चल रहा है। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस केवल 24 सीटों के साथ बहुत पीछे रह गई है। वाईएसआरसीपी ने अकेले राज्य की सभी 175 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था।

टीडीपी ने 144 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी 122 सीटों पर बढ़त बनाए है। पवन कल्याण की अगुआई वाली जन सेना पार्टी (जेएसपी) ने 21 सीटों पर और भाजपा ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

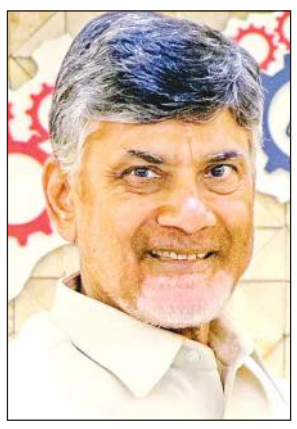
चंद्रबाबू नायडू।

मध्य प्रदेश में मोहन की बंसी पर खिला कमल

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। मध्य प्रदेश के आंकड़ों ने इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को बुरी तरह चौंकाया। यहां भाजपा और कांग्रेस में ही सीधा मुकाबला था। हालांकि कांग्रेस राज्य में चार-पांच सीटों से अधिक उम्मीद नहीं कर रही थी। लेकिन भाजपा ने क्लीन स्वीप करते हुए स्वतंत्रता के बाद पहली बार मध्य प्रदेश में सभी 29 लोकसभा सीटों पर कमल खिला दिया। माना जा रहा है कि प्रदेश में संघ ने सत्ता और संगठन के साथ मिलकर बेहतर तरीके से काम किया तो मुख्यमंत्री मोहन यादव की रणनीति भी काम कर गई। उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए 'अबकी बार छिंदवाड़ा पार' का नारा दिया था। मोहन यादव ने साफ-साफ कहा था कि छिंदवाड़ा में इस बार कमल खिलेगा। कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह भी हार गए।

मध्य प्रदेश में 2014 की मोदी लहर में कांग्रेस के बड़े-बड़े गढ़ ढह गए थे। सिर्फ गुना और छिंदवाड़ा में ही कांग्रेस को जीत मिली थी। 2019 में गुना में ज्योतिरादित्य सिंधिया को हार मिली। कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा से उनके बेटे नकुल नाथ महज 25 हजार वोट से जीत सके थे। 2023 के विधानसभा चुनावों के नतीजों के आधार पर कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह कम से कम 5 सीटों पर चुनौती देने की स्थिति में है। लेकिन पार्टी कहीं भी भाजपा का रास्ता नहीं रोक पाई।

भाजपा नेता पूर्व मुख्यमंत्री विदिशा से प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान ने 8 लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल कर गुना सीट पर जबरदस्त वापसी की। सिंधिया ने गुना सीट 5 लाख 29 हजार 193 लाख के अंतर से चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के यादवेन्द्र राव देशराज सिंह को 3,78,298 लाख वोट प्राप्त हुए।

ज्योतिरादित्य सिंधिया।

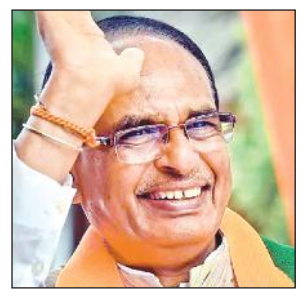
शिवराज सिंह चौहान।

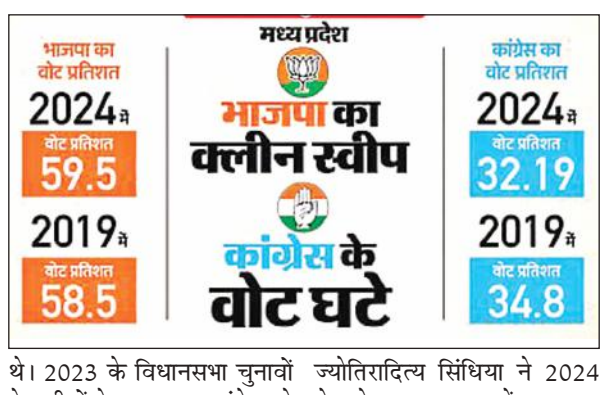

मध्यप्रदेश

29	00	00
भाजपा	कांग्रेस	अन्य

- भाजपा ने पहली बार किया क्लीन स्वीप, कमलनाथ का गढ़ छिंदवाड़ा भी ढहा

इंदौर में एक लाख वोट नोटा में पड़े

- इंदौर लोकसभा सीट से शंकर लालवानी विजयी घोषित किए गए। उन्होंने एक लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। सीट पर नोटा को एक लाख से ज्यादा वोट मिले। इंदौर से कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन के बाद भाजपा का दामन थाम लिया था।

भाजपा ने एक प्रतिशत ज्यादा मत लेकर किया कमाल

- भाजपा ने प्रदेश की 29 सीटों पर करीब 59.5 प्रतिशत वोट हासिल किए। यह 2019 के 58.5 प्रतिशत के मुकाबले सिर्फ एक प्रतिशत ज्यादा है। कांग्रेस को साल 2019 के चुनाव में मिले 34.8 प्रतिशत के मुकाबले इस बार 32.19 प्रतिशत वोट ही मिल पाए। ढाई प्रतिशत मतों की कमी से पार्टी शून्य पर आ गई।

ममता के गढ़ में भाजपा को लगा बड़ा झटका

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। भाजपा को पश्चिम बंगाल से काफी उम्मीदें थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथउत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में धुआंधार प्रचार किया था. लेकिन ममता के गढ़ में भाजपा की स्थिति सुधरने की जगह इस बार और ज्यादा खराब हो गई। जहां एक ओर 2019 में भाजपा को 18 सीटें मिली थीं तो वहीं इस बार पार्टी 12 सीट पर ही सिमट गई है। तृणमूल कांग्रेस ने 2019 में 22 सीटों पर जीत हासिल की थी। वह अब बढ़कर 29 सीटों पर पहुंच गई है। कांग्रेस अपने नेता अधीर रंजन चौधरी की सीट गंवाने के बाद एक सीट जीतने में सफल रही है। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने राज्य में बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया। 7,10,930 वोटों के अंतर से जीत हासिल की है।

गुजरात में क्लीन स्वीप से चूक गई भाजपा: भाजपा अपने गढ़ गुजरात में जीत की हैट्रिक लगाने से चूक गई। इस बार पार्टी राज्य की सभी 26 सीटों जीत नहीं पाई हैं। कांग्रेस ने भाजपा को कई सीटों पर कड़ी टक्कर देते हुए बनासकांठा की सीट छीन ली। यहां से कांग्रेस की महिला विधायक गेनीबेन ठाकोर विजयी घोषित हुईं। उन्होंने भाजपा की डा. रेखा बेन चौधरी को 30,406 मतों से पराजित किया। अपने ठेठ देसी अंदाज में ससुराल में घूंघट निकालकर वोट मांगती गेनी बेन को मतदाताओं ने वोटों के साथ ही क्राउड फंडिंग के जरिये करीब 27 लाख रुपये भी दिए थे। गांधी नगर से गृह मंत्री अमित शाह ने पिछला रिकॉर्ड तोड़ते हुए 7.44 लाख मतों के अंतर से चुनाव जीता।

ममता बनर्जी।

- पिछली बार 18 सीटें जीतने वाली भाजपा ने इस बार बंगाल में गंवा दी आधा दर्जन सीटें

अमृत विचार
www.amritvichar.com

क्षिप्रं विजानाति चिरं शृणोति विज्ञाय चार्थं भते न कामात्।
नासम्पृष्टो व्युपयुङ्क्ते परार्थे तत् प्रज्ञानं प्रथमं पण्डितस्य ॥

ज्ञानी लोग किसी भी विषय को शीघ्र समझ लेते हैं, लेकिन उसे धैर्यपूर्वक देर तक सुनते रहते हैं। किसी भी कार्य को कर्तव्य समझकर करते है, कामना समझकर नहीं और व्यर्थ किसी के विषय में बात नहीं करते।

संपादकीय

जनता की जीत

लोकसभा चुनाव 2024 के चुनावों की मतगणना जारी है। मतगणना में सामने आए रुझान और नतीजों से देश के मौजूदा राजनीतिक हालात की बनती तस्वीर नजर आ रही है। इंडिया गठबंधन ऊर्जा और उत्साह से भर गया है। उत्तर प्रदेश ने सबको चौंकाया है। अखिलेश यादव दमदार नेता साबित हुए। प्रदेश से इस तरह के परिणाम मिलेंगे, इस बात का आंकलन तो भाजपा के विरोधियों को भी नहीं था। जबकि एक्जिट पोल्स ने जो रूझान दिखाए, तकरीबन सभी एक स्वर में फिर से भाजपा की बड़ी जीत के अनुमान लगा रहे थे। नतीजों ने राजनीति के साथ-साथ जनता के बदलते मिजाज को भी रेखांकित किया है। चुनाव परिणाम कायदे से जनता को विजेता बना रहे हैं। लगभग डेढ़ वर्ष पहले तक जिन मोदी एवं भाजपा के लिए 2024 का चुनाव बेहद आसान माना जाता था, उसकी तस्वीर राहुल गांधी की यात्राओं ने बदल दी। भाजपा के मुकाबले चेहरे, विमर्श तथा संगठन तीनों ही स्तरों पर विकल्प तैयार हुए। इतना ही नहीं, संयुक्त विपक्ष भी खड़ा हुआ। साथ ही अजेय होने का मिथ टूटा। परिणाम साबित कर रहे हैं कि देश लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए संकल्पित है। संविधान को बदलने की भाजपा की मंशा का नैरेटिव जो विपक्ष ने तय किया, उसके जरिए बाबा साहेब आंबेडकर के नाम पर दलित समाज को भावनात्मक रूप से जोड़ने की कोशिश की गई, जो सफल होती नजर आई। विपक्ष के इस दांव ने बसपा के उस दलित वोट बैंक को अपनी ओर शिफ्ट करा लिया जो पिछले चुनावों में भाजपा के साथ खड़ा रहता था।

इस बार चुनाव जिस तरीके से लड़ा गया, वह कई सवाल खड़े करता है। देश के इतिहास में यह पहला चुनाव है जिनमें कई घटनाएं पहली बार हुईं। इससे पहले किसी चुनाव में इतने झूठ नहीं बोले गए थे। चुनाव में नेताओं का बड़बोलापन ही दिखता रहा। सैकड़ों अरब खर्च करने के बावजूद देश में पिछली बार से औसतन वोट कम क्यों पड़े? चुनाव नतीजों से देखना यह है कि भारत ने अपनी भारतीयता को कितना बचाकर रखा है और अभी 'भारतीय पुनर्निर्माण' के लिए आत्मनिरीक्षण, आत्मसुधार और संघर्ष करना कितना बाकी है। एक बड़ी समवेत आवाज बनने को आगे का रास्ता कैसे तय करते हैं। चुनाव के आंकड़े से ज्यादा महत्वपूर्ण है देश की विविधता, सामाजिक न्याय और बौद्धिक स्वतंत्रता की रक्षा। इस दृष्टि से कहा जा सकता है कि आज के नतीजे हम सब के लिए अच्छा संदेश है।

खेतों से उजड़ते पेड़, मानवीय अस्तित्व पर खतरा

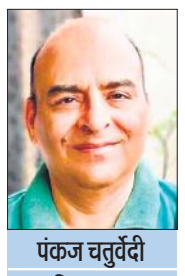

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजड़ा क्यों? यह किसान भलीभांति जानता है कि खेत कि मेढ़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है, पानी संचयन, पत्ते और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात- खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का एहसास।

न तो अब खेतों में कोयल की कूक सुनाई देती है और न ही सावन के झूले पड़ते हैं। यदि फसल को किसी आपदा का ग्रहण लग जाए तो आय का जरिया होने वाले फल भी गायब हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका "नेचर सस्टैनबिलिटी" में 15 मई 2024 को प्रकाशित आलेख बताता है कि भारत में खेतों में पेड़ लगाने की परंपरा अब समाप्त हो रही है। कृषि-वानिकी का मेलजोल कभी भारत के किसानों की ताकत था। देश के कई पर्व-त्योहार, लोकाचार, गीत- संगीत खेतों में खड़े पेड़ों के इर्द गिर्द रहे हैं। मार्टिन ब्रांट, दिमित्री गोमिंस्की, फ्लोरियन रेनर, अंकित करिरिया, वेंकन्ना बाबू गुथुला, फ़िलिप सियाइस, ज़ियाओये टोंग, वेनमिन झांग, धनपाल गोविंदराजुलु, डैनियल ऑर्टिज़-गोंज़ालो और रासमस फेंशोल्टन के बड़े दल ने भारत के विभिन्न हिस्सों में आंचलिक क्षेत्रों में जा कर शोध कर पाया कि अब खेत किनारे छाया मिलन मुश्किल है। इसके कई विषम परिणाम खेत झेल रहा है।

जब देश में बढ़ता तापमान व्यापक समस्या के रूप में सामने खड़ा है और सभी जानते हैं कि धरती पर अधिक से अधिक हरियाली की छतरी ही इससे बचाव का जरिया है। ऐसे में इस शोध का यह परिणाम गंभीर चेतावनी है कि बीते पांच वर्षों में हमारे खेतों से 53 लाख फलदार व छायादार पेड़ गायब हो गए हैं। इनमें नीम, जामुन, महुआ और कटहल जैसे पेड़ प्रमुख हैं।

इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0.6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे। बहुत जगहों पर तो खेतों में मौजूद आधे पेड़ गायब हो चुके हैं। अध्ययन से यह भी पता चला है कि 2018 से 2022 के बीच करीब 53 लाख पेड़ खेतों से अदृश्य थे। यानी इस दौरान हर किमी क्षेत्र से औसतन 2.7 पेड़ नदारद मिले। वहीं कुछ क्षेत्रों में तो हर किमी क्षेत्र से 50 तक पेड़ गायब हो चुके हैं।

इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0.6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे।

यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजड़ा क्यों? यह किसान भलीभांति जानता है कि खेत कि मेढ़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है, पानी संचयन, पत्ते और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात-खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का एहसास। इन पेड़ों पर पक्षियों का बसेरा भी रहता था। जो फसलों में लगने वाले कीट-पतंगों से रक्षा करते थे। फसलों को नुकसान करने वाले कीटाणु सबसे पहले मेड़ के पेड़ पर ही बैठते हैं। उन पेड़ों पर दवाओं को छिड़काव कर दिया जाए तो फसलों पर छिड़काव करने से बचत हो सकती है। जलावन, फल- फूल से अतिरिक्त आय तो है ही।

इसके बावजूद नीम, महुआ, जामुन, कटहल, खेजड़ी (शमी), बबूल, शीशम, करोई, नारियल आदि जैसे बहुउद्देशीय पेड़ों का काटा जाना, जिनका मुकुट 67 वर्ग मीटर या उससे अधिक था, किसान की किसी बड़ी मजबूरी की तरफ इशारा करता हैं। एक बात समझनी होगी कि हमारे यहां तेजी से खेती का रकबा कम होता जा रहा है। एक तो घरों में ही खेती की जमीन का बंटवारा हुआ, फिर लोगों ने समय-समय पर व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए खेतों को बेचा। आज से पचास साल पहले 1970-71 तक देश के कुल किसानों में से आधे किसान सीमांत थे। सीमांत यानि जिनके पास एक हेक्टेयर या उससे काम जमीन हो। 2015-16 आते-आते सीमांत किसान बढ़कर 68 प्रतिशत हो गए हैं। अनुमान यही आज इनकी संख्या 75 फीसदी है। सरकारी आंकड़ा कहता है कि सीमांत किसानों की औसत खेती 0.4 हेक्टेयर से घटकर 0.38 हेक्टेयर रह गई है। ऐसा ही छोटे, अर्ध मध्यम और मझोले किसान के साथ हुआ। कम जोत का सीधा असर किसानों की आय पर पड़ा है। अब वह जमीन के छोटे से टुकड़े पर अधिक कमाई चाहता है तो उसने पहले खेत की चौड़ी मेंढ़ को ही तोड़ डाला। इसके चलते वहां लगे पेड़ कटे। उसे लगा कि पेड़ के कारण हाल चलाने लायक भूमि और सिकुड़ रही है तो उसने पेड़ पर कुल्हाड़ी चला दी। इस लकड़ी से उसे तात्कालिक कुछ पैसा भी मिल गया। इस तरह घटती जाट का सीधा सर खेत में खड़े पेड़ों पर पड़ा। सरकार खेतों में पेड़ लगाने की योजना, सब्सिडी के पोस्टर छापती रही और किसान अपने काम होते रकबे को थोड़ा सा बढ़ाने की फिराक में धरती के श्रंगार पेड़ों को उजाड़ता रहा। देश में बड़े स्तर पर धान बोने के चस्के ने भी बड़े पेड़ों को नुकसान पहुंचाया। साथ ही खेतों में मशीनों के इस्तेमाल बढ़ने ने भी पेड़ों की बली ली। काई बार भारी भरकम मशीनें खेत की पतली पगडंडी से लाने में पेड़ आड़े आते थे तो तात्कालिक लाभ के लिए उन्हें काट दिया गया।

यह किस से छुपा नहीं हैं कि चरम मौसम की हर अवस्था खेत की फसल को नुकसान पहुंचाती है-अधिक गर्मी में डायना छोटा हो जाता है तो अधिक बरसात में फसल गिर कर सड़ने की संभावना ज्यादा होती है। यदि खेत में छायादार पेड़ हों तो हर चरम मौसम में ये फसल के लिए राहत की निशानी होते हैं। यह कड़वा सच है कि जमीन उपयोग के विस्तार से खेत तो कम होंगे ही, लेकिन पेड़ों का कम होना मानवीय अस्तित्व पर बड़े संकट का आमंत्रण हैं। आज समय की मांग है कि खेतों के आसपास सामुदायिक वानिकी को विकसित किया जाए, जिससे जमीन की उर्वरा, धरती की कोख का पानी और हरियाली का सारा बना रहे।

प्रसंगवश

साहित्य में पर्यावरण चिंतन

पर्यावरण विमर्श आधुनिक जीवन में महत्वपूर्ण और चर्चित विषय है। पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक सौंदर्य, वन्य जीवन, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से संबंधित कहानियां और गीतों का विवेचन भी साहित्य में एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मनुष्य ने अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए आरंभ में प्रकृति को समझने, उसे नियंत्रित करने में और अनुकूल बनाने की कोशिश की। मनुष्य प्रकृति की देखी-अनदेखी शक्तियों से डरा और उसे प्रसन्न करने के लिए उसकी वंदना में ऋचाएं और गीत भी लिख डाले। दुर्दम्य प्रकृति को उसने उस मात्रा में अपने अनुकूल बना लिया जितना कि उसके जीवन रक्षा के लिए आवश्यक था। वेदों की ऋचाएं हो या आदि कवि की वाणी सब में प्रकृति और मनुष्य का सहज संबंध व्यक्त किया गया है। रामायण, महाभारत, कालिदास संस्कृत साहित्य की अन्य महाकाव्यात्मक कलेवर वाली रचनाओं में प्रकृति और मनुष्य का सहज संबंध प्रदर्शित होता नजर आ रहा है। इन्हीं महाकाव्यात्मक कथानकों को आधार बनाकर आधुनिक काल में लिखी गई रचनाओं में जनजीवन और प्रकृति का बदला हुआ संबंध साफ दिखाई देता है।

प्रो. मीना यादव
हिंदी विभाग, बरेली कॉलेज बरेली

आदिकालीन वीर काव्यात्मक रचनाओं में प्रकृति का वर्णन वीर काव्य की पृष्ठभूमि के अनुरूप हुआ है। साथ ही एक दूसरा बड़ा क्षेत्र जीवन की क्षणभंगुरता को दिखाने के लिए प्रकृति को उपदेश की तरह पेश करना है-कबीर आदि भक्त कवियों में यह बखूबी देखा जा सकता है जैसे "माली आवत देखकर कलियां करें पुकार फूली फूली सब चुन लियो काल्ह हमारी बार"।

इसी तरह गर्मी के मौसम की निकटता को प्रकट करने के लिए बिहारी ने लिखा है- "कहलाने एके बसत अहि मयूर, मृग बाध जगत तपोवन सो कियो दीरघ दाघ निदाघ"।

प्रकृति के साथ तालमेल और उत्प्रेरणा का शानदार उदाहरण आधुनिक काल के हिंदी साहित्य का छायावादी काव्य है। यहां प्रकृति सिर्फ लुभाती नहीं है। वह प्रसन्नता तथा सुख-दुख की साथी भर नहीं है। वह प्रेरणा है, बंधन से मुक्ति की। 1930 का भारत जिसमें औपनिवेशिक गुलामी के बंधन में छटपटाता भारत है वही प्रकृति की उन्मुक्तता, बंधनहीनता, आत्मीयता, निराशा पूर्ण वातावरण में आशा और प्रफुल्लता का संचार करती है। मनुष्य को अपने बंधनों से मुक्त होकर स्वतंत्र भाव से जीने की प्रेरणा भी रचनाकारों को प्रकृति से मिली।

प्रकृति का मानवीकरण छायावाद की एक अद्भुत संवृति थी, जो छायावाद में घटित हुई महादेवी वर्मा ने इस विचार को अपने साहित्य में स्थान दिया और नामवर सिंह ने छायावाद शीर्षक से अपनी आलोचना पुस्तक में इसे स्थापित किया। कामायनी (जयशंकर प्रसाद) की चिन्ता प्रकृति और मनुष्य समाज के बीच का बढ़ता असंतुलन है। इसका कारण प्रसाद ने आधुनिक पूंजीवादी सभ्यता के लालच को ठहराया है। प्रसंगवश कहा जाए कि वर्तमान में असीमित पूंजीवादी लालच का दूसरा नाम विकास है। प्रकृति के साथ तालमेल और उत्प्रेरणा का शानदार उदाहरण आधुनिक काल के हिंदी साहित्य का छायावादी काव्य है। प्रकृति का मानवीकरण छायावाद की एक अद्भुत संवृति थी, जो छायावाद में घटित हुई। महादेवी वर्मा ने इस विचार को अपने साहित्य में स्थान दिया और नामवर सिंह ने छायावाद शीर्षक से अपनी आलोचना पुस्तक में इसे स्थापित किया। कामायनी (जयशंकर प्रसाद) की चिन्ता प्रकृति और मनुष्य समाज के बीच का बढ़ता असंतुलन है।

इसका कारण प्रसाद ने आधुनिक पूंजीवादी सभ्यता के लालच को ठहराया है। जीने के लिए जरूरी चीजों से ज्यादा प्रकृति के पास है लेकिन मनुष्य के लालच और मुनाफे के लिए नहीं। लालच से असंतुलित होकर प्रकृति क्रुद्ध रूप धारण करती है और फिर सब कुछ नष्ट हो जाता है। प्रसंगवश कहा जाए कि वर्तमान में असीमित पूंजीवादी लालच का दूसरा नाम विकास है इस कारण हम आज पर्यावरण संतुलन की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। छायावाद के महत्वपूर्ण कवि सुमित्रानंदन पंत प्रकृति के सुकुमार कवि कहलाए तो सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने स्वयं को बसंत का अग्रदूत कहा। नागार्जुन की रचना-वरुण के बेटे, सर्वेश्वर की-कुआनो नदी, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की-भेड़िया, नासिरा शर्मा की-कुइयांजान, काशीनाथ सिंह का-जंगल जातकम, रत्नेश्वर कुमार सिंह की-एक लड़की पानी पानी पर्यावरण के संदर्भ में लिखी गई है। पर्यावरण की समस्या अंतर्राष्ट्रीय समस्या है इस समस्या पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी होते रहते हैं। आज धरातल पर इस दिशा में ठोस कार्य किया जाना बाकी है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता : अर्थ और प्रयोजन

भारतीय संविधान में स्वतंत्रता का अधिकार मूल अधिकारों में शामिल किया गया है, जिसमे भारतीय नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित छह प्रकार की स्वतंत्रता दी गई हैं। संविधानविदों ने कदाचित सोचा होगा कि लोकतांत्रिक पद्धति में विभिन्न राजनैतिक विचारों का प्रादुर्भाव होगा। अतः यह आवश्यक है कि नागरिकों के सोच विचार का स्वागत होना चाहिए जिससे रचनात्मक प्रवृत्ति को बल मिले।

लोकतांत्रिक समाज के लोकतांत्रिक पद्धति के विकास के लिए विचारों का खंडन मंडान, तर्क-वितर्क, आरोप-प्रत्यारोप नकारा नहीं जा सकता परन्तु इसके साथ साथ यह भी अपेक्षित है कि यह सब मर्यादित तरीके से होना चाहिए, संयत भाषा में, सौम्यनसता के साथ, सैद्धांतिक सच को मुखरित करते हुए। प्रयोजन होना चाहिए अपने विचारों के माध्यम से व्यापक हित में रचनात्मक तत्वों को प्रतिस्थापित करना।

आजादी के पूर्व से ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के एक सबल पक्ष के रूप में पत्रकारिता को अनौपचारिक रूप से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में समाज में महत्व मिला जिसका एक गौरवपूर्ण इतिहास और परंपरा रहा है। उम्मीद जगी की पत्रकारिता लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में व्यक्ति, समाज, और विचार के अभिव्यक्ति का प्रमुख कारक बनते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का रक्षक बनेगा। समय की बात है तमाम अन्य मूल्यों के ह्रास के साथ साथ ही पत्रकारिता भी ह्रास के प्रभाव से मुक्त नहीं रह सका। इसका भी जितना राजनीतिकरण, बाजारीकरण हुआ, उतना लोकीकरण नहीं हो पाया।

पत्रकारिता अब जो प्रमुख रूप से मीडिया और सोशल मिडिया के रूप में स्थापित हो गया है। इस इलेक्ट्रानिक युग में, आज सर्वाधिक लांछित किया जा रहा है। इस लांछन से कि यही सबसे अधिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरूपयोग कर रहा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समस्यायों को गंभीर बनाने का प्रयास किया जाता है, समाधानों को भटकाया जाता है, अतिवाद को प्रोत्साहित किया जाता है, सत्य और सार्थक अभिव्यक्ति की उपेक्षा होती है, लोक को दिग्भ्रमित किया जाता है। यह बिडंबना ही है कि जिस पत्रकारिता पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संरक्षण का उत्तरदायित्व रहा है, वही कटघरे में खड़ा किया जा रहा है।

डॉ. चन्द्रविजय चतुर्वेदी
प्रयागराज

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ और प्रयोजन है की वेदनाओं से आहत लोक को करुणा के भाव से समाधान मिले। क्रूर मजाकों का पर्दाफाश हो।

विगत कई वर्षों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रश्न संविधानविदों, राजनीतिज्ञों तथा न्यायविदों के चिंतन का विषय रहा है। समय समय पर इसके अर्थ और प्रयोजन को भी विद्वजनों ने व्याख्यायित भी किया है। यह सच है कि किसी विचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वहीं तक हो सकती है जिससे किसी अन्य के अधिकार, स्वतंत्रता पर न तो प्रहार हो, न ही उसका हनन हो। सामान्य रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अर्थ और प्रयोजन को परिभाषित किया जा सकता है कि सच्चाई और साहस के साथ कल्याणकारी विचारों को सुन्दरतापूर्वक देश के, समाज के समक्ष मुखरित करना। अभिव्यक्ति में न तो निरंकुशता होनी चाहिए न ही मनमानीपन, न ही कुंठा, न अतिवादिता। सत्य सबके लिए एक होता है। एक के लिए जो कल्याणकारी है वह दूसरों के लिए अकल्याणकारी क्यों कर है। सौंदर्यबोध संवेदना की चेतना पर निर्भर करता है। अभिव्यक्ति का आवश्यक कारक है -संवेदनशीलता,सौमनस्यता और समन्वय। स्वतंत्रता एक उत्कृष्ट मूल्य है इसे स्वच्छंदता और अराजकता न बनाया जाए।

आज के परिप्रेक्ष्य में, इस विपत्तिकाल में जब मानव अस्तित्व के संकट से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में मीडिया सोशल मीडिया पर संवेदनहीन अमर्यादित बहसें, वाट्सअप पर अतिवादी अनर्गल प्रसारण, अमानवीयता की पराकाष्ठा है जो संवेदनशीलता, सौमनस्यता, समन्वय पर ही क्रूर प्रहार कर रहे है-फिर क्या शेष बच पाएगा। विपत्ति का राजनीतिकरण सारी मर्यादायों का उल्लंघन करता जा रहा है। निरीह किंकर्तव्यविमूढ़ अन्यान्य वेदनाओं को झेलता लोक समझ नहीं पा रहा है कि उसके साथ कौन यह क्रूर मजाक कर रहा है। समय सब कुछ जानता है वह किसी को क्षमा नहीं करता।

ऐसी स्थिति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ और प्रयोजन है की वेदनाओं से आहत लोक को करुणा के भाव से समाधान मिले। क्रूर मजाकों का पर्दाफाश हो। आसन्न संकट का संवेदनशीलता, सौमनस्यता, समन्वय के साथ सामर्थ्यवान हल ढूंढे।

सोशल फोरम

आत्ममंथन का समय

उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भाजपा की दुर्गति का विश्लेषण चलता रहेगा। मगर तमाम दुरभिसंधियों, दुष्प्रचारों, टूल किटों और बाह्य हस्तक्षेपों के बावजूद एनडीए का राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी गठबंधन की पार्टी के रुप में उभरना कोई कम उपलब्धि नहीं है। एक संकेत स्पष्ट देख रहा हूं कि इस बार वोट जिहाद का फतवा कामयाब हुआ है। इसलिए भाजपा को अभी और दृढ़ता के साथ अपने एजेंडे पर कायम रहना चाहिए। मोदी के नाम पर जिस तरह की आत्ममुग्धता, बेपरवाही भाजपा के पूरे कैडर में व्याप्त है उससे यथाशीघ्र उबरना होगा। उत्तर प्रदेश में प्रत्याशियों के चयन में घोर चूक की गई। स्थानीय नेतृत्व के बजाय जबर्दस्ती प्रत्याशी थोपे गए। अमित शाह द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री की उपेक्षा करके प्रत्याशी उतारे गए, ऐसी चर्चाएं आम जनता में व्याप्त है। कहीं कहीं दूसरे चर्चित और लोकप्रिय प्रत्याशियों को भाजपा के प्रत्याशी के पक्ष में जबरिया बैठा दिया गया। जनता को यह धौंसबाजी पसंद नहीं आई। इस सीमा तक जाने की जरुरत नहीं थी। दुष्परिणाम सामने है। जनता के मनोभावों और नब्ज को पकड़ने में उत्तर प्रदेश में भाजपा से चूक अवश्य हुई है।

डॉ. अरविंद मिश्र
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

संविधान को मोदी बदल देंगे। पिछड़ी जातियों और दलितों का आरक्षण छीन लेगी जैसे अनर्गल प्रचारों की काट कर पाने में भाजपा कैडर पूरी तरह नाकाम रहा। तरह-तरह की गलतबयानियां होती रहीं, फिजां बदलती रही मगर भाजपा कैडर केवल मोदी का चेहरा देखता रहा। न तो होमवर्क किया और न ही ग्राऊंड वर्क। यह भी एक सपाट सत्य है कि भाजपा के साथ अति पिछड़ों और दलित का जो एक बड़ा सपोर्ट था वह उत्तर प्रदेश में उससे खिसक गया। सभी भाजपाई इसी खयाम खयाली में डूबे रहे कि मोदी हैं तो मुमकिन है। बाकी छुट्टे गोवंश से फसलों का नुकसान आदि मुद्दे प्रभावी रहे। बहरहाल जो हुआ सो हुआ। अभी केंद्र में और प्रदेश में भाजपा का शासन ही है। उसे अपनी भूलों से सबक लेकर समर्पित भाव से जनता जनार्दन की सेवा में अभी से जुट जाना चाहिए। 2027 का विधान सभा चुनाव अब लक्ष्य होना चाहिए।

-फेसबुक वॉल से

400 पार: अहंकार पर प्रहार

कुछ काम करने और अधिक भावनात्मक मुद्दे उभार कर, अतिशय प्रचार द्वारा अनिश्चित काल तक देश पर राज्य करने के नरेंद्र मोदी के सपने को ग्रहण लग गया है। उनकी अपनी पार्टी 240 के आसपास सिमट रही है। रही बात एनडीए गठबंधन की, तो राजनीति में कोई स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होता। कोई किसी से मिल सकता है। स्वार्थ सिद्ध होना चाहिए। पर्दे के पीछे की वार्ताओं के दौर शुरू हो गए हैं। ऊंट किस करवट बैठेगा, यह चंद रोज़ में साफ हो जाएगा, किंतु इतना तो स्पष्ट हो ही गया है कि भाजपा का नारा 'अबकी बार, चार सौ पार' ध्वस्त हो गया और मोदी-शाह का अहंकार चूर चूर। यह पार्टी भगवान और धर्म वाली मानी जाती थी। इन्हें यह जान लेना चाहिए था कि भगवान गर्व-प्रहारी हैं। समय समय पर उन्होंने अपने भक्तों के भी अहंकार चूर्ण किए हैं, दैत्यों की कौन कहे। नारद जी को जब अहंकार हुआ कि उन्होंने काम को जीत लिया और सब जगह गाते फिरे, तो शंकर जी ने उन्हें मना किया कि भगवान विष्णु को यह प्रसंग न सुनाना। वे नहीं माने और क्षीरसागर जाकर श्री हरि को अपनी अहंकार मूलक काम विजय कथा सुना ही डाली। बस फिर क्या था भगवान ने गर्व चूर्ण करने की ठान ली-

करुणानिधि मन दीख विचारी। उर अंकुरेउ गर्व तरु भारी/ बेगि सो मैं डारिहउँ उखारी।पन हमार सेवक हितकारी।। वही हुआ। दो तिहाई से ज्यादा बहुमत की कहीं आवश्यकता नहीं होती है। पार्टी ने अधिनायकवाद पनपाया। व्यक्ति पूजा शुरू हो गई। जनता से कहा गया 'समझो हर सीट से मोदी खड़े हैं'। मोदी को भगवान बताने की होड़ लग गई। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि 'पुरी के जगन्नाथ स्वामी भी मोदी के भक्त हैं'। एक कार्यक्रम में एक विशाल माला मोदी के गले में डाली जा रही थी, तो राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा ने भी अपना सिर उसमें डाल दिया। अमित शाह ने तुरंत इशारा किया और इन नेताओं को माला के बाहर सिर करना पड़ा। यह दंभ! पार्टी के एक से एक कद्दावर नेताओं को दूध की मक्खी की तरह तिरस्कृत किया गया। विपक्षी मुख्यमंत्री तक जेल में डाले गए। जिस पर मोदी की निगाह टेढ़ी हुई, उस के पीछे प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और सीबीआई लगाए गए। लोकतंत्र दम तोड़ रहा था। नारा यहां तक दिया गया कि 'मोदी राम को लाए हैं'। अतः अब राम उन्हें लाएंगे'। यानी राम अपने ऊपर किए गए उपकार का बदला देंगे। इस सारे अहंकार को चूर्ण होना ही था। अच्छा हो कि भाजपा अपने संसदीय दल का नेता अब मोदी के अतिरिक्त किसी दूसरे को चुने और तब आगे बढ़े।

करुणानिधि मन दीख विचारी। उर अंकुरेउ गर्व तरु भारी/ बेगि सो मैं डारिहउँ उखारी।पन हमार सेवक हितकारी।। वही हुआ। दो तिहाई से ज्यादा बहुमत की कहीं आवश्यकता नहीं होती है।

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई केन्या से हिमालय में पहुंचे

यदि आप हिमालय क्षेत्र में रहते हैं तो इन दिनों और एक विशेष प्रकार की ड्रैगनफ्लाई हजारों लाखों की संख्या में अपने आस पास उड़ते हुए देख रहे होंगे। यह ड्रैगनफ्लाई इन दिनों अरबों खरबों और उससे भी अधिक संख्या में इन दिनों हिमालय क्षेत्र में प्रवास में आई हुई हैं। बटर फ्लाई शोध संस्थान के निदेशक पीटर स्मैटाचैक बताते हैं कि यह ड्रैगन फ्लाई अपनी चौथी पीढ़ी के रूप में इन दिनों हिमालय क्षेत्र में हैं। बताते हैं कि अभी यह ड्रैगनफ्लाई भारत में केन्या से आई है। अभी इसकी यह पीढ़ी भारत में अंडे देगी और मर जाएगी। अंडों से निकली ड्रैगन फ्लाई फिर केन्या वापस जाएगी। वहां वह पीढ़ी अंडे देगी और वह मर जाएगी। उन अंडों से निकले बच्चे केन्या से दक्षिण अफ्रिका जाएंगे। वहां अंडे देंगे और मर जाएंगे। वहां अंडों से निकले बच्चे केन्या का रूख करते हैं और वहां अंडे देंगे। वहां भी अंडे देने के बाद वह मर जाएगी और वहां अंडों से निकले बच्चे फिर भारत पहुंचेंगे। बताते हैं कि यह चार पीढ़ी में लगभग 25 हजार किमी का सफर तय करते हैं।

राकेश सनवाल
पत्रकार, भीमताल

अमूर फाल्कन से इस ड्रैगन फ्लाई का विशेष संबंधः अमूर फाल्कन बाज़ परिवार का एक छोटा शिकारी पक्षी है। यह दक्षिणी और पूर्वी अफ्रीकी तटों में सर्दियों के लिए भारत और अरब सागर में बड़े झुंडों में प्रवास करने से पहले दक्षिण-पूर्वी साइबेरिया और उत्तरी चीन में प्रजनन करता है। पक्षी विशेषज्ञों के मुताबिक अमूर फाल्कन एक मात्र ऐसा मांसहारी पक्षी है जो कि माइग्रेट करते हुए समुद्र के बीच से भी गुजरती है और ऐसे में भी कभी यात्रा के दौरान नहीं उतरती है। बताते हैं कि अमूर फाल्कन ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई के साथ उड़ान भरती है और रास्ते में इनको खाती है और इसलिए रास्ते भर उसको भोजन मिलता रहता है। बाकी माइग्रेट पक्षी समुद्र के किनारे किनारे माइग्रेट करती हैं।

ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई

दक्षिण भारत में पाई जाने वाली ड्रैगन फ्लाई भी इसी प्रजाति की ड्रैगनफ्लाई है। दक्षिण भारत की यह ड्रैगन फ्लाई माइग्रेट नहीं करती है।

पीटर स्मैटाचैक
निदेशक, बटर फ्लाई शोध संस्थान

बिजनौर-बागपत में रालोद के सांसद, 4 से 12 हो गईं सपा की सीटें, सहारनपुर से कांग्रेस व नगीना से आसपा जीती

पश्चिमी उप्र में भाजपा को बड़ा नुकसान, गंवानी पड़ीं 8 सीटें

अखिलेश शर्मा, अमृत विचार

- प्रथम से लेकर चौथे चरण तक हुआ था पश्चिमी उप्र की 29 सीटों पर मतदान

मुरादाबाद : लोकसभा चुनाव में पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। पश्चिमी उप्र में 29 लोकसभा सीटें हैं। इनमें से 21 भाजपा के पास थीं। मंगलवार को घोषित हुए परिणाम के बाद भाजपा की आठ सीटें कम हुई हैं। हालांकि सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल के बिजनौर से चंदन चौहान और बागपत से डा. राजकुमार सांगवान चुनाव जीत गए हैं। फिर भी पिछली सीटों की भरपाई नहीं हो सकी है।

समाजवादी पार्टी के पास पश्चिमी उप्र में चार सीटें थीं जोकि इस चुनाव में आठ सीटें बढ़कर संख्या 12 हो गई है। इंडी गठबंधन के सहयोगी दल के रूप में कांग्रेस को भी सहारनपुर की एक सीट इमरान मसूद के जीतने से मिल गई है। वहीं नगीना सुरक्षित सीट को आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर ने जीत लिया है। नगीना सीट पर बसपा के गिरीश कुमार 2019 में सांसद चुने गए थे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्रथम से लेकर चौथे चरण तक मतदान हुआ। मथुरा से हेमा मालिनी और मेरठ से रामायण धारावाहिक में राम का अभिनय करने वाले अरुण गोविल मैदान में थे, इसलिए सभी की नजरें इन सीटों पर थी। दोनों ही अभिनेता चुनाव भी जीत गए। केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय कुमार टेनी को खीरी में सपा के उत्कर्ष वर्मा ने हरा दिया तो मुजफ्फरनगर में संजीव बालियान को सपा के हरेंद्र सिंह मलिक ने हरा दिया। भारतीय जनता पार्टी शुरू से ही पश्चिम को लेकर रणनीति बना रही थी। टिकट वितरण के दौरान भी ऐसा देखने को मिला था। लेकिन एक साथ आठ सीटों का नुकसान भाजपा के रणनीतिकारों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

इन सीटों पर हारी भाजपा

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आंवला (बरेली) लोकसभा सीट पर सपा के नीरज मौर्य ने भाजपा के धर्मेंद्र कश्यप को हराया। फिरोजाबाद में डा. चंद्रसेन जादौन सांसद थे लेकिन भाजपा ने इस बार विश्वदीप सिंह को प्रत्याशी बनाया था। लेकिन सपा के अक्षय यादव ने विश्वदीप को शिकस्त दे दी। रामपुर में 2019 के चुनाव में आजम खां सांसद बने थे। लेकिन उन्होंने 2022 में जेल में रहते हुए विधान सभा चुनाव जीत लिया। लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था। उपचुनाव हुए तो भाजपा के घनश्याम सिंह लोधी चुनाव जीत गए। इस बार भी भाजपा ने घनश्याम को मैदान में उतारा था। सपा ने संसद भवन की मस्जिद के इमाम मौलाना मुहिब्बुल्लाह नदवी को प्रत्याशी बनाया था। आजम खां ने इनके विरोध की घोषणा की थी, लेकिन घनश्याम को हराकर मौलाना सांसद चुने गए हैं। एटा में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह राजू को सपा के देवेश शाक्य ने शिकस्त दे दी। कैराना में भाजपा के प्रदीप कुमार को सपा की इकरा चौधरी ने शिकस्त दी है। बदायूं में भाजपा ने सांसद संघ मित्रा मौर्य (पुत्री स्वामी प्रसाद मौर्य) का टिकट काटकर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय शाक्य को प्रत्याशी बनाया था। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव के पुत्र आदित्य यादव ने भाजपा के दुर्विजय को शिकस्त दी है।

धरी रह गई मायावती की चुनावी रणनीति

लखनऊ, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव 2024 में बहुजन समाज पार्टी की चुनावी रणनीति धरी रह गई। बिना गठबंधन के अकेले चुनाव लड़ने का बसपा प्रमुख मायावती का फैसला कारगर साबित नहीं हुआ। पार्टी शून्य पर चली गई। 2019 में बसपा ने सपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में बसपा को 10 सीटें व सपा को पांच सीटें मिली थीं। चुनाव के बाद बसपा प्रमुख ने सपा से गठबंधन तोड़ लिया था। इस चुनाव में कांग्रेस ने इंडी गठबंधन में शामिल होने का न्योता था दिया था, पर बसपा ने गठबंधन में शामिल होने का फैसला नहीं लिया। बसपा ने प्रदेश की सभी 80 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे, पर प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा।

जीत का भरोसा था

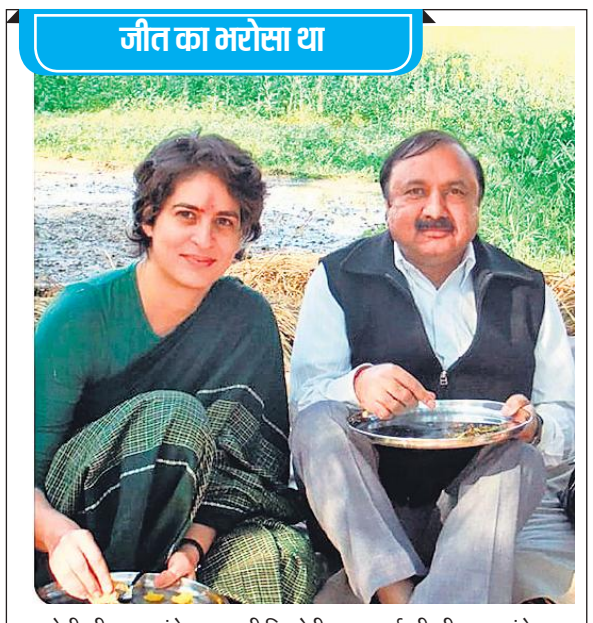

अमेठी सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा की जीत पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा काफी उत्साहित नजर आईं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पार्टी प्रत्याशी के साथ पूर्व में खिंचाई कई फोटो साझा करते हुए कहा कि उन्हें कभी कोई शक नहीं था, शुरू से यकीन था कि किशोरी भइया जीतेंगे। उन्होंने प्रत्याशी व अमेठी के लोगों को हार्दिक बधाई दी। ● अमृत विचार

सोनिया ने जिसके लिए अपनी सीट छोड़ी वही जीता

रायबरेली, अमृत विचार : पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुत्रवधू व पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की धर्मपत्नी सोनिया गांधी का राजनीतिक व्यक्तित्व करिश्माई रहा है। राजनीतिक जीवन में प्रवेश के बाद सोनिया गांधी ने सक्रिय राजनीति की शुरुआत अपनी पति की संसदीय सीट रायबरेली से शुरुआत की। वे लगातार दो बार वहां से सांसद चुनी गयीं। 2004 में उन्होंने राहुल गांधी को सक्रिय राजनीति में उतारने के लिए अपनी संसदीय सीट अमेठी से उन्हें चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया। राहुल गांधी 2004 से 2019 तक अमेठी से सांसद रहे। श्रीमती गांधी ने राहुल के लिए अमेठी सीट छोड़ने के बाद रायबरेली से चुनावी मैदान में उतरीं। यहां भी रायबरेलीवासियों ने श्रीमती गांधी का स्वागत किया। वे 2004 से 2024 तक यहां सांसद चुनी गईं। 2019 में जब राहुल गांधी अमेठी से चुनाव हार गए तो श्रीमती गांधी ने पुनः राहुल गांधी के कैरियर को पटरी पर लाने के लिए अपनी रायबरेली की सीट छोड़कर राजस्थान से राज्यसभा के लिए चली गईं।

इतिहास में दूसरी बार सपा ने जीती फैजाबाद की सीट

1998 के लोस चुनाव में पहली बार सपा ने दर्ज कराई थी जीत

विवेक सक्सेना, अयोध्या

अमृत विचार : इतिहास में समाजवादी पार्टी ने दूसरी बार फैजाबाद की सीट पर जीत दर्ज कराई। अयोध्या वाली फैजाबाद सीट पर भाजपा अपने इतिहास में दूसरी हैट्रिक बनाने से चूक गई। अयोध्या में पहली बार लोकसभा का चुनाव सपा ने 1998 में जीता था। अयोध्या में मंदिर आंदोलन 80 के दशक में शुरू हुआ।

सन् 1984 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के निर्मल खत्री, 2004 के लोकसभा चुनाव में बसपा से मित्रसेन यादव सांसद चुने गए थे। सन् 2009 के चुनाव में कांग्रेस के निर्मल खत्री एक बार फिर सांसद चुने गए लेकिन इसके अलावा ज्यादातर चुनाव में सपा और भाजपा आमने सामने रही। वह चाहे लोकसभा का चुनाव रहा हो या फिर ज्यादातर विधानसभा चुनाव। समाजवादी पार्टी की स्थापना चार अक्टूबर 1992 को हुई थी। वह दौर मंदिर आंदोलन का था।

अवधेश प्रसाद (सपा)।

लल्लू सिंह (भाजपा)।

आंदोलन के एक ओर भाजपा थी तो सियासी तौर पर दूसरी ओर सपा। दोनों एक-दूसरे को कटघरे में खड़ा करते रहे। अयोध्या दोनों के बीच की धुरी थी। गठन के छह साल बाद सपा ने पहली बार सन् 1998 में इस सीट पर अपना झंडा बुलंद किया था। मित्रसेन यादव सांसद बने थे। इसके बाद चुनाव दर चुनाव संघर्ष सपा के स्थापना के 31 साल बाद एक बार फिर सपा ने अयोध्या वाली फैजाबाद संसदीय सीट पर कब्जा करके पूरे देश को बड़ा संदेश दिया। सपा के अवधेश प्रसाद ने दो बार से भाजपा के सांसद लल्लू सिंह को हरा दिया।

1991 में भाजपा को यहां पहली बार जीत मिली

भाजपा, अयोध्या की इस सीट पर हारी ही नहीं। एक और बड़ा झटका लगा। हार ने अतीत को दोहरा दिया। भाजपा की स्थापना छह अप्रैल 1980 को हुई थी। अयोध्या ने भाजपा को फर्श से अर्श तक पहुंचाया। प्रदेश से केंद्र तक की सत्ता में पहुंचाने का श्रेय अयोध्या को ही जाता है। वर्ष 80 से अब तक भाजपा ने पांच बार जीत दर्ज कराई। 1991 में भाजपा को यहां पहली बार जीत मिली। विनय कटियार यहां से सांसद बने। सन् 1996 के लोकसभा चुनाव में कटियार एक बार भी सांसद चुने गए लेकिन 1998 के लोकसभा चुनाव में वह चुनाव हार गए। इस बार के लोकसभा चुनाव में फिर इतिहास दोहराया गया। सन् 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज कराने वाले लल्लू सिंह चुनाव हार गए और भाजपा की हैट्रिक बनने से रह गई। सपा ने अपने इतिहास की दूसरी जीत दर्ज कराई।

सुलतानपुर के नतीजे ने सभी को चौंका दिया

सुलतानपुर, अमृत विचारः मंगलवार को सुलतानपुर लोकसभा चुनाव के आए नतीजों ने सभी का चौका दिया। यहां सिटिंग सांसद भाजपा उम्मीदवार व कद्दावर नेता मेनका संजय गांधी को समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी रामभुआल निषाद ने 43,174 मतों से पराजित कर दिया। सपा को 4,44,330 तो भाजपा को 4,01,156 मत प्राप्त हो सके। तीसरे नंबर पर बसपा के उदराज वर्मा रहे। उन्हें 1,63,025 वोट मिले। इन तीन प्रमुख उम्मीदवारों के बाद चौथे पर नंबर पर नोटा रहा। 8,513 मतदाताओं को सभी नौ प्रत्याशी पसंद ही नहीं आए। मंगलवार को मंडी परिषद अमहट में पांचों विधानसभा के लिए अलग-अलग हाल में मतगणना शुरू हुई। सभी विधानसभा में मतगणना के लिए 14-14 टेबल लगाए गए थे। निर्धारित समय आठ बजे से मतों की गणना शुरू हुई। हालांकि, कार्मिक इसके दो घंटे पहले ही पहुंच गए थे।

मेनका गांधी का विजय रथ फिर रुका

अशोक शुक्ला, सुलतानपुर

अमृत विचारः पर्यावरण प्रेमी व कद्दावर नेता मेनका संजय गांधी का विजय रथ एक बार फिर रुक गया। सियासी जीवन में यह उनकी तीसरी शिकस्त है। पहली बार उन्हें अपने ज्येष्ठ स्व. राजीव गांधी से शिकस्त का मुंह देखना पड़ा था, जबकि तीसरी बार वे मंगलवार को सपा के राम भुआल निषाद से चुनाव हार गईं। अब तक 11 चुनाव लड़ चुकीं मेनका गांधी कुल आठ बार सांसद निर्वाचित हो चुकी हैं।

मेनका गांधी देश की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इन्दिरा गांधी की बहू और संजय गांधी की पत्नी है। एक आकस्मिक दुर्घटना में संजय गांधी के देहान्त के बाद वे सन 1982 में राजनीति में आयीं। उन्होंने अपना पहला चुनाव अमेठी संसदीय सीट से अपने ज्येष्ठ राजीव गांधी के खिलाफ निर्दलीय प्रत्याशी (संजय विचार मंच) के रूप में लड़ा और करारी हार का सामना करना पड़ा। 1988 में उन्होंने वीपी सिंह का जनता दल ज्वाइन किया और इसकी महासचिव बनीं। 1989 में मेनका ने पहली बार पीलीभीत से चुनाव जीता और पर्यावरण राज्यमंत्री बनीं। लेकिन उन्हें 1991 के संसदीय चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। 1996 में फिर पीलीभीत संसदीय सीट से जनता दल के प्रत्याशी के रूप कामयाब हुई। 1998, 1999, में भाजपा के समर्थन से वे निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पीलीभीत संसदीय सीट से कामयाब होकर संसद पहुंचने में सफल रही। मेनका संजय गांधी मंगलवार को आए नतीजों में हार गई। उन्हें गठबंधन से सपा उम्मीदवार राम भुआल निषाद ने शिकस्त दी। इस चुनाव में राम भुआल को 4,44,330 मत प्राप्त हुए, जबकि मेनका गांधी को 4,01,156 मतों से संतोष करना पड़ा। इस हिसाब से राम भुआल ने 43,174 मतों से चुनाव जीत लिया।

- पहले चुनाव में अमेठी से अपने ज्येष्ठ राजीव गांधी से खाई थी शिकस्त

वायनाड के साथ-साथ रायबरेली से भी राहुल युग का आगाज

दिलीप सिंह, रायबरेली

अमृत विचार : जिले की राजनीति में राहुल युग का आगाज हो गया है। एक बार फिर रायबरेली ने इतिहास रचते हुए भारी मतों से जीत दिलाकर यह साबित कर दिया कि गांधी परिवार का रिश्ता आज भी पहले की ही तरह से बरकरार है।

विपक्ष के सारे दावों को दरकिनार करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी ने एक तरफा जीत हासिल कर राजनीतिक पंडितों के सारे दावों को झुठला दिया है। देर शाम आए परिणाम में भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को तीन लाख 88 हजार 615 मतों से करारी शिकस्त मिली है। देश की सबसे हाट सीट में शुमार रायबरेली के चुनाव परिणाम पर सबकी निगाहें लगी हुई थी। भाजपा हर हाल में यहां पर जीत का परचम लहराना चाहती थी।

वहीं कांग्रेस किसी भी कीमत पर यह सीट नहीं हारना चाहती थी। यही वजह रही कि यहां पर अंतिम पलों में कांग्रेस ने राहुल गांधी को प्रत्याशी बना दिया। वहीं अमेठी से सांसद सोनिया गांधी के प्रतिनिधि रहे किशोरी लाल शर्मा को प्रत्याशी बनाकर भाजपा को चारों खाने चित कर दिया। इसके बाद भाई राहुल की जीत को सुनिश्चित कराने के लिए प्रियंका गांधी ने दिन रात एक करके साबित कर दिया कि उनका रायबरेली वासियों से गहरा नाता है। जिले के लोगों ने उन्हें हाथोंहाथ लिया। प्रचार के दौरान घंटों लोग इंतजार करते दिखाई दिए। यहां तक कि कुछ जगहों पर तो अंधेरे में मोबाइल की रोशनी के बीच उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद जब परिणाम आया तो एक नए युग का रायबरेली साक्षी बन गया। इतिहास बनाते हुए भारतीय राजनीति में रायबरेली से राहुल युग का आगाज हुआ है। राहुल युग का आगाज रायबरेली में आने के साथ ही उनकी पार्टी का भी सफलता का ग्राफ बढ़ने लगा। चुनावी परिणामों के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लगभग एक दशक बाद शतक लगाने जा रही है। इसे राहुल गांधी के रायबरेली आगमन से जोड़कर भी देखा जा सकता है।

सोनिया की भावुक अपील से जीत की मुहर

चुनाव के दौरान सांसद सोनिया गांधी ने राज्यसभा से पर्चा दाखिल करने से पहले भावुक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने जिले के लोगों के प्रति आभार जताया। इसके बाद परिवार के किसी सदस्य को भेजने के संकेत भी दे दिए थे। वहीं जनसभा में उन्होंने बेटे राहुल गांधी को सौंपने की बात कही। यही वह पल रहा, जब लोगों के दिल में घर कर गई। कहीं ना कहीं यही से उन्होंने संभावित कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी की जीत की आधारशिला रख दी और अपनी एक मात्र चुनावी सभा में उन्होंने मैं अपना बेटा रायबरेलीवासियों को सौंपती हूं यह कहकर राहुल गांधी की जीत सुनिश्चित कर दी थी।

पुराने प्रदर्शन को नहीं दोहरा सके दिनेश

भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह इस बार पुराने प्रदर्शन तक को नहीं दोहरा सके। 2019 के चुनाव में उन्होंने सांसद सोनिया गांधी को कड़ी टक्कर दी थी। वहीं इस बार पूरी तरह चुनाव से बाहर ही रहे। शुरुआती दौर में लगा कि मुकाबला जोरदार होगा, लेकिन जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ा, वैसे-वैसे कांग्रेस मजबूत होती गई। मतदान का दिन आते-आते कांग्रेस ने अपनी स्थिति मजबूत बना ली।

वर्ग पहेली-91

बाएं से दाएं

1.1. जो दिखाई न दिया हो 2. जो देखा न गया हो।
3.1. पिशाच का, पिशाच संबंधी 2. क्रूरतापूर्ण, घोर।
5. जनता के सामने, खुले बाज़ार में, लोगों के सामने।
6.1. पानी में रहने वाला 2. जिसमें पानी मिला हो।
7.1. प्रकट करने वाला 2. जताने वाला 3. भेद खोलने वाला 4. समझाने-बुझाने वाला, कहने या सुनने वाला 5. डाँटने-डपटने वाला।

ऊपर से नीचे

1. अधिकमास।
2. रात्रि में विचरण करने वाला, रात में निकलने वाला।
4.1. जिसका भरोसा न किया जा सके, बात का कच्चा 2. निष्ठाहीन, विचलनशील 3. कच्ची तली या पेंदी का 4. ओछा, ढुलमुल।

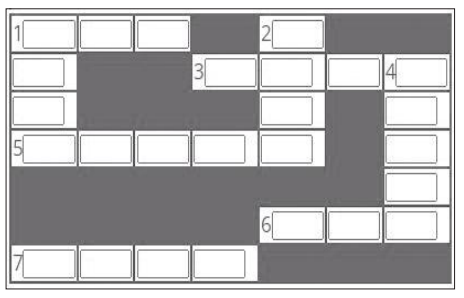

वर्ग पहेली -90 का हल

		1 उ	2 प	गि	रि	
	3 ख़ि		र			4 सों
5 ज़	रा	सी	म			टा
	जी		6 पु	लि	या	
	भू		रु			7 टे
	मि		ष			नि
				8 पा	र	स

सुडोकू -4

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		4					
4			8		2			
9		6	5			8	3	4
3		8			6			1
	9						2	
1		2				7		5
7	4	1			8	9		3
			1		5			8
					3		6	

सुडोकू -3 का हल

9	4	1	8	6	5	2	7	3
7	3	5	4	1	2	6	8	9
6	8	2	9	7	3	1	5	4
2	5	4	3	8	6	9	1	7
8	7	6	1	5	9	4	3	2
3	1	9	7	2	4	8	6	5
5	2	7	6	9	1	3	4	8
1	9	3	5	4	8	7	2	6
4	6	8	2	3	7	5	9	1

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 5 जून बुधवार 2024 संवत-2081,शक संवत 1946 मास-ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-चतुर्दशी 19 .54 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

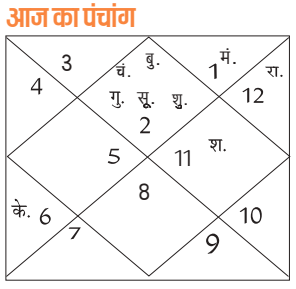

दिशाशूल-उत्तर। **ऋतु**-ग्रीष्म।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृत्तिका 21.16 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष — आज परिवार को लेकर आप कुछ परेशान हो सकते हैं। आप छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा कर सकते हैं, इसका प्रभाव आपके दांपत्य जीवन पर भी पड़ सकता है। यदि नए घर के निर्माण आदि में लगे हुए हैं, तो उसमें कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृष — आज आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। निर्णय लेने में जो आपको परेशानी हो रही थी, वह आज दूर होगी। कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा बढ़ेगा। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी दूर होगी। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे।

मिथुन — आज आंखों में समस्या होने की संभावना है। आप किसी बात को लेकर विचलित हो सकते हैं। मन कभी प्रसन्न, तो कभी बहुत उदास हो सकता है। आज किसी पर बहुत ज्यादा विश्वास न करें। महत्वपूर्ण कार्यों से आपको बचना चाहिए।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। विवाहादि कार्यों को लेकर समस्या दूर होगी। अपनी कार्यक्षमता को बढ़ा सकते हैं। सरकारी कार्यों को लेकर आपके मन में जो डर था, वह दूर होगा। उत्तम धन लाभ के योग बन रहे हैं। कड़वी भाषा का प्रयोग न करें।

सिंह — आज होटल और रेस्टोरेन्ट से जुड़े व्यवसाय में उत्तम लाभ होगा। अधिकारी वर्ग के लोग आपकी बातों को काफी महत्व देंगे। समाज सेवा में आपकी रुचि बढ़ सकती है। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। अपनी कमियों में सुधार करने के लिए दिन बहुत अच्छा है।

कन्या — आज आपसे प्रेम भाव रखने वाले लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। यात्राओं के लिए दिन अच्छा नहीं है। किसी भी डील को फाइनल करने से पहले, उसके विषय में बहुत अच्छी तरह से रीसर्च कर लें। परिवार में कलह का माहौल हो सकता है।

तुला — आज आप कई गुप्त रहस्यों को समझने में रुचि लेंगे। विवेकपूर्ण निर्णय लेने में आपको कठिनाई होगी। गलत लोगों की संगत से दूर रहें। कुछ लोग आपको बहकाने का प्रयास करेंगे। अध्यात्मिक चर्चाओं के प्रति आपका लगाव बढ़ेगा।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। व्यवसाय में आप काफी फोकस रहेंगे। दांपत्य जीवन कुछ कलहपूर्ण हो सकता है। जीवनसाथी को आपको विशेष समय देना चाहिए। क्रोध कम से कम करें। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

धनु — आज आप अपने काम में कमी महसूस करेंगे। जिसको लेकर आपका मन असन्तुष्ट हो सकता है। शत्रुओं को लेकर आपको काफी सावधान रहना होगा। चलते हुए कार्यों में बाधा देखने को मिलेगी। दवाइयों के कारोबारियों की आय बढ़ सकती है।

मकर — आज वैवाहिक संबंधों में आपको बोरियत महसूस होगी। काम को लेकर भी काम काफी सुस्त हो सकते हैं। आज वही कार्य करें जिसको लेकर आप उत्सुकता महसूस कर रहे हैं। गर्भवती महिलाओं को अपनी सेहत का विशेष ध्यान देना होगा। किसी पर बहुत ज्यादा निर्भर न रहें।

कुंभ — आज व्यवसाय में आपको सहकर्मियों पर काफी ध्यान देना होगा। कुछ ऐसे कार्य होंगे, जो आपको जबरदस्ती करने पड़ेंगे। भोजन के प्रति अरुचि हो सकती है। आपको सम्मान प्राप्त हो सकता है। अनावश्यक कार्यों में समय बर्बाद न करें।

मीन — आज आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। पैतृक संपत्ति के लाभ होने के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आप किसी नए प्रोजेक्ट की शुरुआत कर सकते हैं। अपनी सफलता को लेकर आत्मविश्वास से युक्त रहेंगे। सेहत की समस्याओं से जूझ रहे लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
अल्ला रक्ख़ा — सुबह : 11.48
वन टू थ्री — शाम : 06.51

&pictures
यू टर्न — सुबह : 08.32
फितूर — रात : 08.00

SONY PIX
द मैकेनिक — दोपहर : 01.12
मैड मैक्स : फरी रोड — शाम : 06.28

ZEE CINEMA
रमैया वस्तावैया — सुबह : 08.40
गंगाजल — रात : 09.10

colors CINEPLEX
अलादीन — सुबह : 11.52
प्यार का पंचनामा — रात : 09.00

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर्स पर रात : 08.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया?
पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था।
डॉक्टर - तो इससे क्या?
पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।
पिता की बात सुनकर डॉक्टर रह गया दंग!

टीचर- इरादे बुलन्द होने चाहिए,
पत्थर से भी पानी निकाला जा सकता है गप्पू- मैं तो लोहे से भी पानी निकाल सकता हूं
टीचर- कैसे
गप्पू- हैंड पम्प से
गप्पू का जवाब पढ़कर टीचर ने अपना माथा पीट लिया।

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 965 फ्लैग 1080 डीएमओ 850 बोल्ड 1140, **सम्भल-चन्दौसी**-शिवालिक 980 फ्लैग 1105 बोल्ड 1150 डीएमओ 860।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन-तुलसी 2070, राज श्री 1410, फ़ॉर्चून कि. 1750, रविन्द्रा 1960, फॉर्चुन ली. 1610, जय जवान 1510, सचिन 1545, सूरज 1535, अवसर 1650, राग गोल्ड 1630, गृहणी 1520, क्लासिक (किलो) 1700, मोर 1655, चक्र टिन 1880, ब्लू 1640, आशीर्वाद मस्टर्ड 1915, स्वास्तिक 2040, **किराना (प्रति कु.)**-हल्दी निजामाबाद 20200, जीरा 36000, लाल मिर्च 20000-28500, धनिया 9000-11000, अजवायान 16000-24000, मेथी 7400, सौंफ 9000-13000, सोंठ 41000, (प्रति कि.) लौंग 920-1000, बादाम 580-680, काजू 2 पीस 600, किसमिस पीली 140-180, मखाना 650-950, **चावल (प्रति कु.)**-डबल चाबी सेला 10100, स्पाइस 7700, शरबती कच्ची 5200, शर्बती स्टीम 5600, डायमंड मंसूरी 4500, महबूब सेला 4550, गौरी रॉयल 9500, राजभोग 7350, हरी पत्ती (1 किलो, 5 किलो) 10600, हरी पत्ति नेचुरल नया 10500, जेनिथ 10700, गलैक्सी 7400, सूमो 3900, पतंजलि गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4450, खजाना 4450, **दाल दलहन**-मूंग दाल इंदौर 11500, मूंग धोवा काला क्राउन 11000, राजमा चित्रा 13300-14600, राजमा भूटान नया 12200, मलका काली 6850-7300 मलका दाल 7575-7900, मलका छाँटी 7650, दाल उड़द बिलासपुर 10300-11200, मसूर दाल छोटी 9000-9600, दाल उड़द दिल्ली 12200, उड़द साबुत दिल्ली 11900, उड़द धोवा इंदौर 13900, उड़द धोवा 11900-12900, दाल चना 8500, लाल हिंदुस्तान 8700, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 9400, चना अकोला 8200, डबरा 9000-11500, सच्चा हीरा 10700, मोटा हीरा 11900, अरहर गोला मोटा 15800, अरहर पटका मोटा 16400, अरहर कोरा मोटा 16800, अरहर पटका छोटा 15600-15900, अरहर कोरी छोटी 17600, **चीनी**-डालमियां 4190, पीलीभीत 4150, नवाबगंज (नई) 4140, बहेड़ी (नई) 4150 रुपये।

अडाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट

एग्जिट पोल की तुलना में भाजपा को नुकसान से बाजार पूंजीकरण 3.64 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली, एजेंसी

शेयर बाजार के मंगलवार को औंधे मुंह गिरने के साथ अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में जोरदार गिरावट आई और ज्यादातर निचली सर्किट सीमा पर आ गए। मंगलवार की चुनाव मतगणना और एग्जिट पोल की तुलना में भाजपा को नुकसान से शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई। समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3.64 लाख करोड़ रुपये घट गया।

कारोबार समाप्त होने पर अडाणी पोर्ट्स का शेयर 21.26 प्रतिशत, अडाणी एनर्जी सोल्यूशंस 20 प्रतिशत, समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज 19.35 प्रतिशत, अडाणी ग्रीन एनर्जी ने 19.20 प्रतिशत का गोता लगाया। अडाणी टोटल गैस

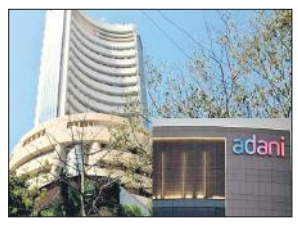

18.88 प्रतिशत, एनडीटीवी 18.52 प्रतिशत, अडाणी पावर 17.27 प्रतिशत और अम्बुजा सीमेंट 16.88 प्रतिशत नीचे आया। वहीं एसीसी का शेयर 14.71 प्रतिशत और अडाणी विल्मर 9.98 प्रतिशत नीचे आया। कारोबार के दौरान समूह की 10 कंपनियों में से आठ निचले सर्किट पर पहुंच गए थे। कारोबार के दौरान अडाणी एंटरप्राइजेज 25 प्रतिशत के निचले सर्किट पर पहुंच गया था। वहीं अडाणी पोर्ट्स 25 प्रतिशत और अम्बुजा सीमेंट्स 22.5 प्रतिशत लुढ़क कर सर्किट के निचले स्तर पर पहुंच गया था। अडाणी पावर 20%और अडाणी एनर्जी 20% लुढ़क कर निचले सर्किट सीमा पर पहुंच गया था। अडाणी ग्रीन 20% और अडाणी टोटल गैस 19.89 प्रतिशत नीचे आ गया। वहीं एनडीटीवी 19.98 और एसीसी 19.69% की गिरावट के साथ सर्किट के निचले स्तर पर पर पहुंच गया था। अडाणी विल्मर का शेयर भी 10% की गिरावट के साथ सर्किट के निचले स्तर पर आ गया था।

चुनावी नतीजों के चलते सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

चुनावी नतीजों और वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 450 रुपये के उछाल के साथ 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अतिरिक्त, चांदी की कीमत भी 200 रुपये बढ़कर 93,100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोने की कीमत (24 कैरेट) 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही, जो पिछले बंद भाव से 450 रुपये अधिक है। विदेशी बाजारों में, कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,335 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से 15 डॉलर अधिक है। गांधी ने कहा कि मंगलवार को सोने में तेजी आई क्योंकि अमेरिका में विनिर्माण क्षेत्र के निराशाजनक आंकड़ों से उम्मीद जगी है कि फेडरल रिजर्व के पास इस साल उधारी लागत कम करने की गुंजाइश होगी।

देश में नई सरकार के गठन और उनकी आर्थिक नीतियों से तय होगा शेयर बाजार का भविष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

आम चुनाव के नतीजों से सरकार के गठन को लेकर स्थिति स्पष्ट न होने के बीच बाजार के विशेषज्ञों ने मंगलवार को कहा कि शेयर बाजार का भविष्य नई सरकार की आर्थिक नीतियों पर निर्भर करता है जिसमें जीडीपी वृद्धि, मुद्रास्फीति और वैश्विक परिस्थितियां जैसे कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चुनावी नतीजों के रुझानों में बहुमत से आगे दिख रहा है। लेकिन गठबंधन के सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ने का असर सरकार की निर्णायक नीतियों पर पड़ने की संभावना को लेकर बाजार में चिंता नजर आने लगी है।

उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में भारी गिरावट ने इस आशंका पर मुहर भी लगाने का काम किया।

- भारतीय बाजार के विशेषज्ञों ने जताई आशंका

बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही सूचकांक कारोबार के दौरान आठ प्रतिशत तक टूटने के बाद थोड़ा संभले लेकिन अंत में लगभग छह प्रतिशत के भारी नुकसान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 4,389.73 अंक गिरकर 72,079.05 पर और निफ्टी 1,379.40 अंक गिरकर 21,884.50 पर बंद हुआ। हालांकि शनिवार को अंतिम चरण का मतदान होने के बाद विभिन्न समाचार चैनलों पर आए एग्जिट पोल में भाजपा की अगुवाई वाले राजग को भारी बहुमत मिलने की संभावना जताई गई थी।

स्टॉक्सबॉक्स के शोध प्रमुख मनीष चौधरी ने कहा कि राजग सरकार के पिछले दो कार्यकालों की खासियत रहा सुधारवादी दृष्टिकोण इसके तीसरे कार्यकाल में पीछे रह सकता है। इसकी वजह यह है कि भाजपा अपने दम पर बहुमत पाने की स्थिति में नहीं है और उसे सरकार चलाने के लिए अपने सहयोगी दलों पर निर्भर रहना होगा। अबान्स होल्डिंग्स में वरिष्ठ प्रबंधक (शोध एवं विश्लेषण) यशोवर्धन खेमका ने कहा-गठबंधन सरकार होने से महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेने और मंत्रिमंडल में कुछ अहम पदों के लिए सहयोगियों पर निर्भरता बढ़ेगी, जिससे नीतिगत असमंजस और सरकार के कामकाज में अनिश्चितता पैदा होगी।

सर्राफा

कानपुर	
चॉदी 999 (प्रति किलो)	92,050
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	95,000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	100000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	74,100
गिन्नी (प्रति नग)	55,225-55,425
लखनऊ	
सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	72,800
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	72,650
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	89,500
चांदी तैयार	89,600
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000
बरेली	
सोना जेवरात पक्के	72,900
सोना जेवरात गिन्नी	71,900
चांदी पक्की	895 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	72,750
चांदी आभूषण	89,900।

दूरसंचार विभाग ने स्पेक्ट्रम नीलामी की तारीख बढ़ाकर 25 की

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने मंगलवार को स्पेक्ट्रम नीलामी 19 दिन आगे बढ़ाकर 25 जून कर दी है। विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना से यह जानकारी मिली है। बोली के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाले नोटिस में किए गए संशोधन के अनुसार-लाइव नीलामी की शुरुआत की नई तारीख छह जून से बदलकर 25 जून कर दी गई है। सरकार मोबाइल फोन सेवाओं के लिए लगभग 96,317 करोड़ रुपये के आधार मूल्य पर आठ स्पेक्ट्रम बैंड की नीलामी करेगी। रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए 3,000 करोड़ रुपये की सबसे अधिक राशि जमा की है।

सरकार ने गेहूं उत्पादन के अनुमान को संशोधित कर 11.29 करोड़ टन किया

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने अपने तीसरे अनुमान में फसल वर्ष 2023-24 (जुलाई-जून) के लिए गेहूं उत्पादन अनुमान को संशोधित कर रिकॉर्ड 11 करोड़ 29.2 लाख टन कर दिया है।

कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उत्पादन, जिसे दूसरे अनुमान से 9.1 लाख टन ऊपर की ओर संशोधित किया गया है, वह फसल वर्ष 2022-23 में हासिल किए गए 11 करोड़ 5.5 लाख टन के पिछले रिकॉर्ड उच्च स्तर से भी अधिक है। मुख्य रबी (सर्दियों) की फसल गेहूं की कटाई हो चुकी है और केंद्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 2.6 करोड़ टन से अधिक की खरीद पहले ही की जा चुकी है। अपने तीसरे अनुमान में, कृषि मंत्रालय ने फसल वर्ष 2023-24 के लिए चावल उत्पादन में पिछले फसल वर्ष के 13 करोड़ 57.5 लाख टन से बढ़कर 13 करोड़ 67 लाख टन होने का अनुमान लगाया है। हालांकि, कुल खाद्यान्न उत्पादन वर्ष 2022-23 में प्राप्त स्तर की तुलना में थोड़ा कम यानी 32 करोड़ 88.5 लाख टन होने का अनुमान है।

सीबीआईसी लाएगा व्यापक आबकारी कानून

नी दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने मंगलवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क विधेयक, 2024 के मसौदे पर टिप्पणियां आमंत्रित कीं। यह दशकों पुराने केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की जगह लेगा।

वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि विधेयक का मकसद कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने और पुराने तथा निरर्थक प्रावधानों को निरस्त करने के साथ ही एक व्यापक आधुनिक केंद्रीय उत्पाद शुल्क कानून बनाना है। विधेयक में 12 अध्याय, 114 धाराएं और दो अनुसूचियां शामिल हैं।

समाशोधन निगम के स्वामित्व, आर्थिक ढांचे की समीक्षा के लिए समिति का गठन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने समाशोधन निगमों के स्वामित्व और आर्थिक संरचना की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया है।

इस पहल का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि समाशोधन निगम को मजबूत, स्वतंत्र और तटस्थ जोखिम प्रबंधकों के रूप में कार्य करें। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पूर्व डिप्टी गवर्नर उषा थोराट तदर्थ समिति की अध्यक्ष होंगी। यह निर्णय हाल के वर्षों में भारतीय प्रतिभूति बाजारों में उल्लेखनीय वृद्धि और केंद्रीय जोखिम प्रबंधन संस्थानों के रूप में समाशोधन निगम के महत्व को देखते हुए लिया गया है। सेबी ने मंगलवार को बयान में कहा कि समिति को स्वामित्व संरचना के साथ-साथ समाशोधन निगमों के वित्त की समीक्षा करने का काम सौंपा गया है। समिति स्वामित्व संरचना के संबंध में व्यवहार्यता की जांच करेगी। साथ ही पात्र निवेशकों की सूची का विस्तार करेगी, जिन्हें एक समाशोधन निगम में हिस्सेदारी लेने की अनुमति है। इसके साथ उन निवेशकों की श्रेणियों का सुझाव देगी जो ऐसे निगमों में हिस्सेदारी हासिल कर सकते हैं।

राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार हुई : खरगे

लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन बोले-यह जनता और लोकतंत्र की जीत है

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव का परिणाम जनता और लोकतंत्र की जीत है तथा यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक एवं नैतिक हार है। खरगे ने संवाददाताओं से कहा-यह जनता का परिणाम है। यह जनता की जीत है, लोकतंत्र की जीत है। हम पहले से कह रहे थे कि यह लड़ाई मोदी बनाम जनता थी।

उनका कहना था कि 18वीं लोकसभा के इस चुनाव में हमने विनम्रता से जनमत को स्वीकार किया है। इस बार जनता ने किसी एक दल को पूर्ण बहुमत नहीं दिया। खासकर सत्ताधारी भाजपा ने एक

व्यक्ति और एक चेहरे के नाम पर वोट मांगा था। खरगे ने कहा-यह प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार है। यह उनकी बहुत बड़ी हार है।

चुनाव के नतीजे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जनता ने नरेंद्र मोदी को पूरी तरीके से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश मोदी के खिलाफ है। यह नरेंद्र मोदी की नैतिक हार है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी की दोनों यात्राएं यानी कि भारत जोड़ो यात्रा और भारत छोड़ो न्याय यात्रा पूरी तरीके से सफल हुआ। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान हमें परेशान किया गया लेकिन हम हमेशा सकारात्मक मुद्दों पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर भाजपा ने कब्जा करने की कोशिश की।

खरगे ने राहुल गांधी सोनिया गांधी प्रियंका गांधी जैसे तमाम पार्टी के नेताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इनकी वजह से हमें पूरे देश में प्रोत्साहन मिला और हम चुनाव जीतने में कामयाब रहे। उन्होंने कहा कि करोड़ो कार्यकर्ताओं ने हमारा साथ दिया। जिसकी वजह से हम इस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब र हे उन्होंने दावा किया कि हमने यह चुनाव सिर्फ मुद्दों पर लड़ा है। हमारा कैंपेन पूरी तरीके से सकारात्मक रहा। इंडिया गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर चुनाव लड़ा सकारात्मक प्रचार किया।

ममता ने मोदी और अमित शाह के इस्तीफे की मांग की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने पर नैतिक आधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग की। सुश्री बनर्जी ने इंडिया समूह के सहयोगियों को धन्यवाद दिया और राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर एक बार फिर से भरोसा जताने के लिए जनता को बधाई दी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि जैसा कि मैंने घोषणा की थी एग्जिट पोल को मोदी पोल बना दिया गया था और मेरी बात सच हो गई है, हालांकि राज्य में चुनाव में धांधली की कोशिशें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के अगली बैठक में इंडिया समूह का प्रतिनिधित्व करने की संभावना है। अभिषेक ने डायमंड हार्बर सीट रिकॉर्ड अंतर से जीती है। सुश्री बनर्जी ने कहा-मैं राज्य में व्यस्त रहूंगी, मैं राज्य को केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के हाथों में नहीं छोड़ सकती हूं।

कांग्रेस का धीमी मतगणना का आरोप, निर्वाचन आयोग से शिकायत की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव की मतगणना में गति धीमी होने का दावा करते हुए मंगलवार को निर्वाचन आयोग से शिकायत की। पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से आग्रह किया कि हर चरण की मतगणना के आंकड़े वेबसाइट पर समयबद्ध तरीके से सार्वजनिक किए जाएंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस नेता अभिषेक सिंघवी और सलमान खुर्शीद शामिल थे। सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा-हमें अपनी राज्य इकाइयों और उम्मीदवारों से रिपोर्ट मिली है कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर दोपहर 2:30 बजे के बाद मतगणना अपडेट मिलने में देरी हो रही है। हमने यह भी बताया कि संसदीय क्षेत्र के आधार पर कोई अपडेट नहीं है। हमने कोई आरोप नहीं लगाया है, हमने सिर्फ अपडेट देने के लिए कहा है।

चुनाव परिणाम ने साबित किया कि स्थिति बदलाव के लिए अनुकूल है

मुंबई, एजेंसी

- शरद पवार बोले-रणनीति तय करने के लिए आज करेंगे बैठक

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव परिणामों ने दिखा दिया है कि देश में स्थिति राजनीतिक बदलाव के लिए अनुकूल है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि आगे की रणनीति तय करने के लिए बुधवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन के नेताओं के बैठक करने की संभावना है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन के केंद्र में सरकार बनाने की संभावना नहीं है। पवार ने कहा-मैंने (कांग्रेस अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खरगे और (माकपा महासचिव) सीताराम येचुरी से बात की है। इंडिया गठबंधन की बैठक बुधवार को दिल्ली में होने की संभावना है। आज शाम तक अंतिम निर्णय लिये जाने की उम्मीद है। उसी के अनुसार, मैं दिल्ली जाऊंगा। यह पूछे जाने पर कि अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, पवार ने कहा-हमने इस पर विचार नहीं किया है। उन्होंने कहा, '' इंडिया गठबंधन के सरकार बनाने को लेकर मैं आश्वत नहीं हूं। हम कल बैठक करेंगे और आगे की रणनीति पर निर्णय लेंगे। पवार ने कहा कि चुनाव में उनकी पार्टी और शिवसेना का स्ट्राइक रेट बहुत अच्छा है।

एक नजर

केजरीवाल के खिलाफ अदालत नौ जुलाई को पारित करेगी आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत आबकारी नीति से जुड़े कथित धन शोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर नौ जुलाई को आदेश पारित कर सकती है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को मंगलवार को आदेश पारित करना था, लेकिन उन्होंने इसे नौ जुलाई तक के लिए टाल दिया है।

सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि वह इस मामले के गुण-दोष पर कुछ नहीं कह रही है।

जद (एस) से निलंबित प्रज्वल रेवन्ना हासन सीट से हारा चुनाव

बेंगलुरु। महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के निलंबित नेता एवं हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना मंगलवार को अपनी सीट नहीं बचा सके और 42,649 मतों के अंतर से हार गए। इस सीट पर कांग्रेस के श्रेयस एम पटेल विजेता रहे। प्रज्वल को 6,30,339 वोट मिले, जबकि पटेल को 6,72,988 वोट मिले। जद (एस) के संरक्षक एवं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल (33) ने राजग उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। छब्बीस अप्रैल को हासन में चुनाव होने के बाद प्रज्वल के खिलाफ महिलाओं के यौन शोषण के आरोप सामने आने के पश्चात जद (एस) ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। वह फिलहाल मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की हिरासत में हैं।

दिल्ली में दी कड़ी टक्कर, लोगों ने नफरत के खिलाफ दिया वोट

नई दिल्ली, एजेंसी

आप नेता संजय सिंह ने मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इसके उम्मीदवारों ने दिल्ली में भाजपा को कड़ी टक्कर दी और साथ ही लोगों ने भाजपा की नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के खिलाफ मतदान किया।

आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन

- आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने पर साधा निशाना

में कहा-मैं देश के मतदाताओं के सामने सिर झुकाना चाहता हूं। आज चुनाव परिणाम आ रहे हैं। तस्वीर साफ होती जा रही है। उन्होंने कहा-यह चुनाव जनता के लिए एक संदेश है कि वह भाजपा के 10 साल के शासन से थक गई है और उसे बाहर करना चाहती है। लोग महंगाई से परेशान हो गए हैं। यह भारत के लोकतंत्र की सुंदरता है कि लोगों ने भाजपा को वापस जाने के लिए कहा है। भाजपा के 400 के बहुमत के आंकड़े से दूर दिखाई देने पर सिंह ने कहा-नतीजे भाजपा और उसकी नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के लिए एक बड़ा सबक हैं। पीएम मोदी को नैतिकता के आधार पर अपना पद छोड़ देना चाहिए।

इंदौर में नोटा ने 2.18 लाख वोटों के साथ बनाया नया रिकॉर्ड

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर में नोटा ने बिहार के गोपालगंज का पिछला कीर्तिमान ध्वस्त करते हुए 2,18,674 वोट हासिल किए और 14 में से 13 उम्मीदवारों को पटखनी देकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया। इंदौर, मतदाताओं की तादाद के लिहाज से सूबे में सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है जहां मुख्य चुनावी भिड़ंत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच होती रही है, लेकिन इस बार सियासी समीकरण एकदम बदले हुए थे। कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी अक्षय कांति बम पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 29 अप्रैल को अपना पर्चा वापस लेकर तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। नतीजतन इस सीट के 72 साल के इतिहास में कांग्रेस पहली बार चुनावी दौड़ से बाहर हो गई।

सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त दो पायलट सुरक्षित बाहर निकले

नासिक, एजेंसी

- विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में हुआ दुर्घटनाग्रस्त

भारतीय वायुसेना का एक सुखोई लड़ाकू विमान मंगलवार को महाराष्ट्र के नासिक जिले में क्रैश हो गया। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डी आर कराले ने बताया कि सुखोई एसयू-30 एमकेआई विमान के पायलट और सह-पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है।

आईपीएस अधिकारी ने बताया कि सुखोई विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। लड़ाकू विमान को विंग कमांडर बोकिल और उनके दूसरे कमांडर बिस्वास उड़ा रहे थे। करीब दोपहर 1.20 बजे यह निफाड तहसील के शिरसगांव गांव के एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें एचएएल अस्पताल ले जाया गया है। दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है।

भाजपा मुख्यालय में जीत के शंखनाद की गूंज, कांग्रेस में जश्न

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा चुनाव के रुझान और नतीजे आने के बाद डीडीयू मार्ग स्थित भाजपा मुख्यालय में शंखनाद शुरू हो गया। भारत माता की जय और मोदी है तो मुमकिन है जैसे नारों गूंज सुनने को मिली। रुझानों में बढ़त देख भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ता गया। कार्यकर्ता ढोल नगाड़ों की थाप पर झूमते-थिरकते दिखे। दोपहर 12 बजे के करीब जब जीत स्पष्ट होने लगी तो वैसे ही कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर एक-दूसरे का मुंह मीठा किया। वहीं देश के महाराष्ट्र, बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व राजस्थान आदि में दोनों पार्टियों के

नई दिल्ली में पार्टी कार्यालय में पार्टी की बढ़त का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। ●

मुंबई में कांग्रेस समर्थकों ने पार्टी की बढ़त का जश्न मनाया। ● एजेंसी

समर्थकों ने अपनी-अपनी जीत का जश्न अपने अंदाज में मनाया।

जश्न को लेकर सुबह से ही कार्यकर्ता अलग-अलग अंदाज में यहां पहुंचते नजर आए। कोई साइकिल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कटआउट, तो कोई मोदी की ड्रेस में व कुछ विजय शंख लेकर पहुंचे। जैसे-जैसे चुनावी नतीजे आ रहे थे, वैसे-वैसे कार्यकर्ताओं व समर्थकों में उत्साह बढ़ता जा रहा था। मुख्यालय के आस-पास का इलाका पूरा भगवा नजर आ रहा था। वहीं अकबर रोड स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मुख्यालय में हर्ष का माहौल दिखा। कांग्रेस कार्यकर्ता ढोल की ताल पर झूमते नजर आए। यहां मौजूद कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह प्यार-मोहब्बत की जीत है।

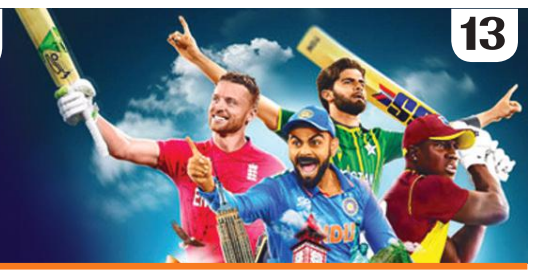

खेल डायरी

बोपन्ना ने बालाजी को अपना जोड़ीदार चुना

नयी दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने फ्रेंच ओपन में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले एन श्रीराम बालाजी को पेरिस ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना है और अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) के इस अनुभवी खिलाड़ी की पसंद पर आपत्ति जताने की संभावना नहीं है। बोपन्ना ने एआईटीए को ईमेल लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी। इस ईमेल को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) को भी भेजा गया है। एआईटीए ने भी इसकी पुष्टि की है। बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार एमए रेयेस-वारेला मार्टिनेज को सोमवार को फ्रेंच ओपन के पुरुष युगल के तीसरे दौर में बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को कड़ी चुनौती देने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा।

आशुतोष के चार गोल ईमी ने विक्ट्री को हराया

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्लेयर ऑफ द मैच आशुतोष थपलियाल के चार शानदार गोलों की मदद से डीएसए ए डिवीजन लीग में ईमी हीरोज ने विक्ट्री एफसी को 6-0 से रौंद दिया। ऐन गंबोई और राहुल ने एक-एक गोल किये। वहीं एक अन्य मुकाबले में मोहम्मद अयमान बिन के दो दर्शनीय गोलों की मदद से गुड विल एफसी ने हॉप्स एफसी को 2-1 से हराकर संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। पिछले कुछ मुकाबलों में कड़ा संघर्ष करने वाली विक्ट्री को पहली जीत की तलाश है। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में मजबूत प्रतिद्वंद्वी के विरुद्ध विक्ट्री की रक्षा पंक्ति दूसरे हाफ में टूट गई। जिसका फायदा उठाकर थपलियाल ने तिकड़ी सहित चार गोल दाग दिए।

म्यूनिख विश्व कप में ईशा छठे स्थान पर

म्यूनिख, एजेंसी। निशानेबाज ईशा सिंह म्यूनिख में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप की महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में छठे स्थान पर रहीं। जिससे प्रतियोगिता में भारत का पहले पदक का इंतजार जारी रहा। ईशा ने फाइनल में 20 अंक जुटाए। फ्रांस की कैमिली जेद्रेवस्की ने स्वर्ण पदक जीता। कैमिली ने खिताब की दौड़ में जर्मनी की डोरीन वेनेकैंप को पछाड़ा। विजेता का फैसला करने के लिए दो शूट ऑफ का सहारा लेना पड़ा। दोनों निशानेबाज 10 सीरीज के बाद 40 अंक के साथ बराबर थीं। फाइनल्स की मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक कोरिया की किम येजी 35 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। लगातार दूसरी स्पर्धा के फाइनल में निशानेबाज छठे स्थान पर रहीं।

एआईएफएफ ने कामत के निधन पर शोक जताया

नयी दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सहायक महासचिव और प्रतियोगिता निदेशक अनिल कामत का मंगलवार को निधन हो गया। वह कुछ दिनों से बीमार थे। एआईएफएफ ने उनके निधन की जानकारी दी। गोवा के चिनचिनिम गांव के रहने वाले कामत लगभग 25 वर्षों से एआईएफएफ से जुड़े हुए थे। वह सीआरसी चिनचिनिम और सेलकेट फुटबॉल क्लब से अधिकारी के रूप में जुड़े हुए थे। वह गोवा फुटबॉल संघ में कार्यकारी समिति के सदस्य और संयुक्त सचिव भी रहे। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा, ''अनिल कामत के निधन से मैं बेहद दुखी हूं। अनिल के निधन से भारतीय फुटबॉल की संरचना ने एक ऐसा स्तंभ खो दिया है जिसकी भरपाई करना मुश्किल होगा।'' उन्होंने कहा, ''फुटबॉल और इसके प्रबंधन के बारे में उनका गहरा ज्ञान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फुटबॉल के लिए एक संपत्ति थी। दुख की इस घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। ओम शांति।''

मिशन विश्व कप का आगाज करेगी टीम इंडिया

आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच आज, बरसों से आईसीसी ट्रॉफी का सूखा दूर करने उतरेंगे खिलाड़ी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

आलोचक भले ही उन्हें 'नयी बोतल में पुरानी शराब' कहें लेकिन भारत के सुपरस्टार क्रिकेटर बरसों से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने का मलाल मिटाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहेंगे और अपने इस मिशन की शुरूआत टी20 विश्व कप में बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच के जरिये करेंगे।

भारतीय टीम में अभी भी कई अनसुलझे सवाल हैं मसलन यहां 'ड्रॉप इन' पिच पर टीम संयोजन क्या रहेगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली तो विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रह चुके हैं लेकिन जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा जैसे 'दशकों में एक' माने जाने वाले क्रिकेटरों ने अभी तक खिताब नहीं जीता है। भारतीय क्रिकेट टीम 1982 और 1986 की ब्राजील फुटबॉल टीम की तरह नहीं बनना चाहती जब सुकरात, जिको, कारेका, फाल्काओ और अलेमाओ जैसे सितारे भी फीफा विश्व कप नहीं जीत सके थे। पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल के बाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम के ड्रेसिंग रूम की सीढियां चढते हुए कप्तान रोहित शर्मा अपने आंसू नहीं छिपा सके थे। वहीं 765 रन बनाने वाले कोहली के चेहरे पर भी उदासी साफ देखी जा सकती थी। कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिलकर सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं बना पाते। भारत ने अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिये कि यही टीम कई बार आखिरी दो तिलिस्म नहीं तोड़ सकी है। सैतीस बरस के रोहित का यह आखिरी विश्व कप है और यह लगभग तय है कि वह भारत में होने वाले अगले टी20 विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप तक नहीं खेलेंगे। दूसरी ओर आयरलैंड की टीम में पॉल स्टर्लिंग, जोश लिटिल, हैरी टेक्टर, एंडी बालबर्नी जैसे अच्छे टी20 क्रिकेटर हैं। नासाउ काउंटी मैदान की धीमी और औसत विकेट पर भारतीय टीम आयरलैंड के बायें हाथ के स्पिनर जॉर्ज डॉकरेल को कैसे खेलती है, यह देखना रोचक होगा। भारत को फायदा इस बात का है कि उसके पास आयरलैंड से बेहतर स्पिनर हैं हालांकि बुमराह के अलावा तेज गेंदबाजी आक्रमण थोड़ा कमजोर लग रहा है। कई बार बहुत ज्यादा विकल्प होना भी अच्छी स्थिति नहीं होती है और शीर्षक्रम पर भारत के साथ ऐसा ही हो रहा है। कप्तान रोहित और कोहली के लिये यशस्वी जायसवाल को बाहर रहना पड़ सकता है। ऋषभ पंत ने अभ्यास मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और हार्दिक पंड्या ने अच्छी गेंदबाजी की। पंड्या ने अभ्यास सत्र में कोहली, सूर्यकुमार यादव और रोहित को अच्छी खासी गेंदबाजी की।

भारत
रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

आयरलैंड
पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

मैच का समय : रात आठ बजे से।

अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रनों से रौंदा

फजलहक फारूकी

प्रोविडेंस (गुयाना), एजेंसी

- **फारूकी के पांच विकेट, गुरबाज और जदरान की बल्लेबाजी से विश्व कप का पहला मैच जीता**

तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के पांच विकेट और रहमानुल्लाह गुरबाज तथा इब्राहिम जदरान के बीच पहले विकेट की शतकीय साझेदारी की मदद से अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप के पहले मैच में युगांडा को 125 रन से हराया। कोलकाता नाइट राइडर्स के सलामी बल्लेबाज गुरबाज ने 45 गेंद में 76 रन बनाये जबकि जदरान ने 46 गेंद में 70 रन की पारी खेली। दोनों ने पुरूषों के टी20 विश्व कप में पहले विकेट के लिये सर्वोच्च 154 रन की साझेदारी की जिसकी मदद से अफगानिस्तान ने पांच विकेट पर 183 रन बनाये। बायें हाथ के तेज गेंदबाज फारूकी ने चार ओवर में नौ रन देकर पांच विकेट लिये।

विश्व कप में पहली बार उतरी युगांडा की टीम 16 ओवर में 58 रन पर आउट हो गई। फारूकी दो बार हैट्रिक लेने के करीब पहुंचे थे। पहली गेंद पर चौका पड़ने के बाद उन्होंने बेहतरीन इनस्विंगर पर रौनक पटेल को आउट किया। इसके बाद रोजर मुकासा पगबाधा आउट हो गए। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिये खेल चुके फारूकी ने 13वें ओवर में तीन और विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने रियाजत अली शाह को बोल्ड किया और युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा को गुरबाज के हाथों लपकवाया। वह हैट्रिक से चूक गए लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर एक और विकेट लिया। इससे पहले अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने आक्रामक शुरूआत की। गुरबाज ने पारी की दूसरी ही गेंद पर छक्का जड़ा। जदरान ने दिनेश नकरानी के छठे ओवर में लगातार चार चौके लगाये। पावरप्ले के आखिर में अफगानस्तान ने 11 रन प्रति ओवर की दर से रन बना डाले थे। गुरबाज ने चार चौके और चार छक्के लगाये और अपना अर्धशतक सिर्फ 28 गेंद में पूरा किया। जदरान ने नौ चौके और एक छक्का जड़ा। ऐसा लग रहा था कि दोनों पूरे 20 ओवर खेल जायेंगे लेकिन युगांडा के गेंदबाजों ने वापसी की और उन्हें 200 रन के भीतर रोक दिया। अफगानिस्तान का सामना अब न्यूजीलैंड से होगा।

अफगानिस्तान : 183/5, ओवर : 20

गुरबाज का रियाजत बो रामजनी	76
इब्राहिम जदरान बो मसाबा	70
जदरान का नकरानी बो मसाबा	02
मोहम्मद नबी नाबाद	14
नईब का मसाबा बो क्येवूता	04
उमरजई का रामजनी बो क्येवूता	05
राशिद खान नाबाद	02

गेंदबाजी : अल्पेश 4-0-33-1, कॉसमास क्येवूता 4-0-25-2, दिनेश नकरानी 3-0-37-0, बिलाल हसन 2-0-34-0, हेनरी सेनयोंडो 2-0-19-0, रियाजत अली शाह 1-0-11-0, मसाबा 4-0-21-2

युगांडा : 58/10, ओवर : 16

रौनक बो फजलहक 04

साइमन का फजलहक बो मुजीब	04
मुकासा पगबाधा फजलहक	00
रियाजत बो फजलहक	11
दिनेश बो नवीन उल हक	06
अल्पेश का नईब बो नवीन उल हक	00
रॉबिंसन का गुरबाज बो फजलहक	14
मसाबा का गुरबाज बो फजलहक	00
बिलाल हसन पगबाधा राशिद	08
कॉसमास क्येवूता नाबाद	02
हेनरी सेनयोंडो बोल्ड राशिद	00

गेंदबाजी : फजलहक फारूकी 4-0-9-5, मुजीब उर रहमान 3-0-16-1, नवीन उल हक 2-0-4-2, अजमतउल्लाह उमरजई 2-0-7-0, राशिद खान 4-0-12-2, मोहम्मद नबी 1-0-8-0

स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के मैच में बारिश ने डाला खलल

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), एजेंसी

गत चैंपियन इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच टी20 विश्व कप मैच मंगलवार को बारिश और मैदान गीला होने के कारण देर से शुरू हुआ। केंसिंग्टन ओवल में टॉस के तुरंत बाद बारिश आ गई, जिसे स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बेरिंगटन ने जीता। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बारिश के कारण मैच को 10-10 ओवरों का कर दिया गया। स्कॉटलैंड ने इंग्लैंड को जीत के लिए 91 रनों का लक्ष्य दिया है।

बारिश के कारण खेल की शुरूआत में लगभग 20 मिनट का विलंब हुआ। मैच के 7वें ओवर में दोबारा बारिश शुरू होने के कारण मैच को रोकना पड़ा। स्कॉटलैंड के खिलाड़ी जॉर्ज मोन्से 31 गेंदों पर 41 और माइकल जोंस 30 गेंदों पर 45 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड और स्कॉटलैंड ऑस्ट्रेलिया, ओमान और नामीबिया के साथ ग्रुप बी में है।

जेब्युर की हार, कोको सेमीफाइनल में

पेरिस, एजेंसी। अमेरिका की कोको गॉफ ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में ओन्स जेब्युर को हराकर लगातार तीसरी बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पिछले साल सितंबर में अमेरिकी ओपन के रूप में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली गॉफ ने आठवीं वरीय जेब्युर को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया। अमेरिकी ओपन के बाद गॉफ ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के भी अंतिम चार में जगह बनाई थी। गॉफ की सेमीफाइनल में भिड़ंत शीर्ष वरीय ईगा स्वियातेक से हो सकती है, जिन्होंने पेरिस में पिछले चार में से तीन खिताब जीते हैं।

नोवाक जोकोविच घुटने में चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे

पेरिस, एजेंसी

नोवाक जोकोविच दाहिने घुटने में चोट के कारण मंगलवार को फ्रेंच ओपन से हट गए, जिससे खिताब के बचाव के मौके के साथ रैंकिंग में शीर्ष स्थान को भी गंवा देंगे। फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने बताया कि 'जोकोविच के दाहिने घुटने के 'मीडियल मेनिस्कस' में चोट है। इस चोट की गंभीरता का पता एमआरआई जांच के दौरान चला।

जोकोविच को यह चोट विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान के खिलाड़ी फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के खिलाफ चौथे दौर में साढ़े चार घंटे से अधिक समय तक चले मैच के दौरान लगी थी। चौबीस बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को बुधवार को क्वार्टर फाइनल में दो बार के फ्रेंच ओपन उपविजेता कैस्पर रुड से मुकाबला करना था। रूड को अब वॉकओवर मिल गया है और सेमीफाइनल में उनका सामना रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज अलेक्जेंडर ज्वेरेव या 11वें स्थान के खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर से होगा।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टरफाइनल में

पेरिस, एजेंसी। जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने डेनमार्क के होल्गर रूण को हराकर फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। मंगलवार को हुये मुकाबले में ज्वेरेव ने लगातार तीन सेट जीतकर फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में लगातार चौथी बार जगह बनाई है। उन्होंने चार घंटे और 11 मिनट में तक चले मुकाबले में रुण पर 4-6, 6-1, 5-7, 7-6(2), 6-2 से जीत दर्ज की। ज्वेरेव का अगले मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एलेक्स डी मिनौर से होगा। डी मिनौर ने डेनियल मेदवेदेव को 4-6, 6-2, 6-1, 6-3 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे हैं।

राहुल द्रविड़ को लेकर भावुक हुए रोहित शर्मा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को पिछले ढाई वर्षों में टीम में उनके व्यापक योगदान को स्वीकार करने के साथ इस जिम्मेदारी को जारी रखने के लिए मनाने की कोशिश की थी। द्रविड़ ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया था कि टी20 विश्व कप भारतीय टीम के साथ उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। रोहित इसके एक दिन बाद राष्ट्रीय टीम में अपने पहले कप्तान के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए।

गौतम गंभीर को द्रविड़ के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने इस पद के लिए आवेदन किया है या नहीं। रोहित ने टी20 विश्व कप में आयरलैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''मैंने उन्हें रोकने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन जाहिर तौर पर ऐसी कई चीजें हैं जिनका उन्हें ध्यान रखना होगा। मैंने व्यक्तिगत रूप से उसके साथ अपने समय का आनंद लिया।'' रोहित ने इस मौके पर अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राहुल की कप्तानी में अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू किया था। उन्होंने कहा, '' जब मैंने आयरलैंड में पदार्पण किया था तो वह मेरे पहले अंतरराष्ट्रीय कप्तान थे। जब मैं टेस्ट मैचों के लिए टीम में आया था तब मैंने उन्हें करीब से खेलते हुए देखा था। वह हम सभी के लिए इतने बड़े आदर्श रहे है।'' उन्होंने कहा, '' बड़े होते हुए, हमने उन्हें खेलते हुए देखा है और हम जानते हैं कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से एक खिलाड़ी के रूप में क्या हासिल किया है। हम पिछले कुछ वर्षों में टीम के लिए उनके योगदान की सराहना करते है।''

नीदरलैंड ने नेपाल को 106 रनों पर समेटा

डलास, एजेंसी। नीदरलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में मंगलवार को नेपाल की पारी को 19.2 ओवर में 106 रन पर समेट दिया। नेपाल की ओर से कप्तान रोहित पौडेल ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाये। नीदरलैंड के लिए टिम प्रिंगल और लोगन वैन बीक ने तीन-तीन विकेट चटकाये। खबर लिखे जाने तक नीदरलैंड ने 10 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 52 रन बना लिए थे।

ग्रांड प्रेरी स्टेडियम में मंगलवार को नेपाल और नीदरलैंड के बीच विश्वकप के खेले गए मैच में कप्तान रोहित पौडेल की जुझारू पारी की बदौलत नेपाल 100 रनों का आंकड़ा पार कर सकी। रोहित के अलावा नेपाल का कोई भी खिलाड़ी नीदरलैंड के गेंदबाजों के सामने ज्यादा समय तक नहीं टिक सका। नीदरलैंड के गेंदबाजों ने सधी गेंदबाजी की।

शतरंज : प्रज्ञानानंदा ने डिंग लिरेन को हराया

स्टावेंजर (नॉर्वे), एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन के खिलाफ आर्मोगेडोन पर मिली हार का बदला चुकता करते हुए नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में जीत दर्ज की हालांकि इससे पहले चीनी खिलाड़ी ने मजबूत स्थिति में पहुंचकर खुद गलतियां की थी जो उन पर भारी पड़ी। पहला मुकाबला ड्रॉ रहा और प्रज्ञानानंदा ने आर्मागेडोन में बाजी मारी। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नकामूरा के खिलाफ धीमी शुरूआत की और आर्मागेडोन में हार गए। वहीं फ्रांस के फिरोजा अलीरजा ने अमेरिका के फेबियानो कारूआना को हराया। कार्लसन 13 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। नकामूरा उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रज्ञानानंदा 11 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि अलीरजा उनसे डेढ अंक पीछे हैं। कारूआना पांचवें स्थान पर हैं और लिरेन सबसे नीचे हैं। महिला वर्ग में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक ने चीन की विश्व चैम्पियन वेंजुन जू को हराकर एकल बढ़त हासिल की। जू उनसे आधा अंक ही पीछे हैं। कोनेरू हम्पी ने हमवतन आर वैशाली को हराया जो तीसरे स्थान पर हैं। चीन की तिंगजि लेइ ने स्वीडन की पिया क्रामलिंग को हराया।

ग्रैंडमास्टर अर्जुन विश्व में शीर्ष पांच में

नयी दिल्ली, एजेंसी। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने फ्रेंच टीम शतरंज चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके फिडे रेटिंग में पांचवां स्थान हासिल कर लिया और लाइव रेटिंग में वह सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय हैं। अर्जुन के ईएलओ रेटिंग अंक 2769.7 हैं और उन्होंने इसमें 8.7 अंक का इजाफा किया है। उनसे आगे नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन, अमेरिका के हिकारू नकामूरा और फेबियानो कारूआना और रूस के इयान नेपोम्नियाशिच हैं। वह इस सप्ताह लाइव रेटिंग में 2771.2 अंक तक पहुंचे और विश्वनाथन आनंद के बाद यहां तक पहुंचने वाले दूसरे भारतीय हैं।

लक्ष्य सेन दूसरे राउंड में पहुंचे

जकार्ता, एजेंसी

- **इंडोनेशिया ओपन में प्रियांशु ने एचएस प्रणॉय को हराया**

लक्ष्य सेन और प्रियांशु रजावत मंगलवार को इंडोनेशिया ओपन 2024 बैडमिंटन बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए दूसरे राउंड में पहुंच गये है। मंगलवार को पुरुष एकल मुकाबले में लक्ष्य सेन ने जापान के कांता त्सुनेयामा को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 21-12, 21-17 से हराया। राउंड ऑफ 16 में लक्ष्य का सामना जापान के केंटा निशिमोटो से होगा, जिन्होंने पहले राउंड में सातवीं वरीयता प्राप्त एंथोनी गिंटिंग को हराया है।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य ने पहले गेम में ही मजबूत शुरुआत करते हुए 10-4 से बड़ी बढ़त बनाई और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़ कर नहीं देखा और वह लगातार अंक अपने नाम करते रहे और आखिर में इस गेम को बड़ी आसानी से 21-12 से जीत लिया। कांता त्सुनेयामा को इस गेम में काफी संघर्ष करना पड़ा। दूसरे गेम में लक्ष्य शुरू से ही जापान के खिलाड़ी पर हावी रहे और 2-2 से स्कोर बराबर होने के बाद भारतीय शटलर ने 5-3 की बढ़त बनाई और शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाये रखा। जापानी खिलाड़ी ने गेम को आखिर तक ले जाने का प्रयास किया और स्कोर 17-14 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने जापानी खिलाड़ी की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए 21-17 से जीत दर्ज की। इसके अलावा दिन का एक और रोमांचक मुकाबले में एचएस प्रणॉय को पहले राउंड में हमवतन दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु रजावत से 17-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रणॉय की अपने जूनियर खिलाड़ी के खिलाफ चार मैचों में यह पहली हार थी। रजावत अगले राउंड में मौजूदा विश्व चैंपियन थाईलैंड के कुणालवुट विटिदसर्न से मुकाबला करेंगे। मिश्रित युगल जोड़ी बी सुमित रेड्डी और सिक्की रेड्डी ने भारतीय अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। भारतीय जोड़ी ने यूएसए के विसन चिउ-जेनी गाई को 18-21, 21-16, 21-17 से हारकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने,बरेली,पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी**, **कार्यकारी संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल-amritvichar120@gmail.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

बाढ़ बनी आफत

रेमल चक्रवात के बाद से गुवाहाटी में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया। इससे लोगों को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। लगातार हो रही बारिश और बाढ़ की वजह से कई लोग जान गवां चुके हैं।

चांद के अंधेरे हिस्से से निकाली दो किलो मिट्टी

बीजिंग, एजेंसी

- चीन का मून लैंडर चांग ई-6 धरती पर लौट रहा है, चीन अपने इस मिशन में कामयाब हुआ तो ऐसा करने वाला पहला देश होगा

चीन ने पिछले महीने 3 मई को चांग ई-6 मून लैंडर लॉन्च किया था। अब इस मून लैंडर ने चांद के अंधेरे हिस्से से मिट्टी निकालने में कामयाबी हासिल कर ली है। ये जानकारी चीनी स्पेस मिशन ने दी है। न्यूज वेबसाइट अलजजीरा के मुताबिक चीन ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से से मिट्टी का सैंपल लेने के लिए मून लैंडर में ड्रिल कर खोदने और फिर मलबे को उठाने की मैकेनिकल आर्म लगाई गई थी।

चीन की अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि इस सैंपल के विश्लेषण से अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को चंद्रमा, पृथ्वी और सौर मंडल के बनने और उनका विकास होने से जुड़े सुराग मिल पाएंगे। इस डेटा का इस्तेमाल चीन के आने वाले मून मिशन्स में भी होगा।

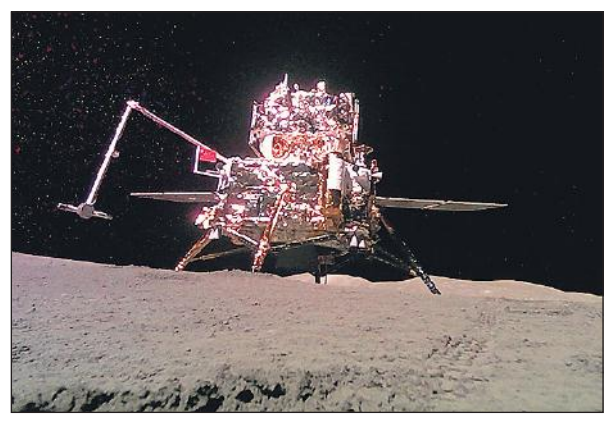

पहली बार चांद के दक्षिणी हिस्से में फहराया चीनी झंडा : चांद से मिट्टी इकट्ठा करने के बाद चांग''ई-6 ने पहली बार चांद के दक्षिणी हिस्से में चीन का झंडा फहराया। चीनी स्टेट मीडिया के मुताबिक अब अपने मिशन को अंजाम देने के बाद मून लैंडर चांग''ई-6 वापस लौट रहा है।

25 जून को वापस लौटेगा चांग ई-6

चीनी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने चीनी स्पेस एजेंसी का हवाला देते हुए बताया कि चांग''ई-6 ने मंगलवार सुबह 7:38 बजे चांद से उड़ान भरी। चांग''ई-6 फिलहाल चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर चुका है। योजना के मुताबिक चांग''ई-6 चीन के इनर मंगोलिया इलाके के रेगिस्तान में करीब 25 जून के आसपास लैंड करेगा। इसे चीन का अब तक का सबसे मुश्किल मून मिशन बताया जा रहा है। अगर 25 जून को चीनी मून लैंडर वापस धरती पर सफलतापूर्वक उतरने में सफल होता है तो चीन के साथ-साथ ये पूरे मानवजाति के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। इससे पहले बीते रविवार की सुबह चांग''ई-6 ने चांद के अंधेरे वाले हिस्से ऐटकेन बेसिन पर सफल लैंडिंग की थी।

चांद के सुदूर हिस्से तक पहुंचना क्यों मुश्किल?

चांद के इस हिस्से पर लैंडिंग दूसरे हिस्सों के मुकाबले ज्यादा मुश्किल है। इसकी वजह ये है कि चांद के इस हिस्से में अंधेरा होता है, ये उबड़-खाबड़ है। इसके चलते यहां संपर्क मुश्किल होता है और लैंडिंग में परेशानी आती हैं। चीन को 2030 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजना है। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर चीन एक रिसर्च बेस बनाना चाहता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक चांग''ई-6 लैंडर जो सैंपल लेकर आएगा उनसे चंद्रमा, पृथ्वी और सौर मंडल के बनने और उनका विकास होने से जुड़े सुराग मिल पाएंगे। इस डेटा का इस्तेमाल चीन के आने वाले मून मिशन्स में होगा।

एक नजर

पाकिस्तान में कोयला खदान में गैस रिसाव से 11 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के क्वेटा के पास एक कोयला खदान में गैस रिसाव के कारण नौ खनिकों सहित 11 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने सोमवार को बलूचिस्तान के मुख्य खान निरीक्षक अब्दुल गनी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कोयला खदान क्वेटा से 40 किलोमीटर दूर स्थित है। इस घटना के बाद खदान बंद कर दी गई थी। अखबार ने कहा कि नौ खनिकों के अलावा, एक ठेकेदार और एक खदान प्रबंधक भी मृतकों में शामिल हैं।

300 से अधिक अफगान शरणार्थी परिवार घर लौटे

काबुल। पिछले कुछ दिनों में 300 से अधिक अफगान शरणार्थी परिवार पाकिस्तान और ईरान से स्वदेश लौट आए हैं। सरकारी बख्तर समाचार एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि कुल 303 परिवार जो दोनों पड़ोसी देशों में वर्षों तक शरणार्थी के रूप में रहते थे, कुछ दिन पहले अपने वतन लौट आए। कथित तौर पर पिछले नवंबर से दोनों देशों से 10 लाख से अधिक अफगान शरणार्थी, जिनमें से अधिकांश बिना दस्तावेज वाले प्रवासी हैं, घर लौट आए हैं। अफगान की कार्यवाहक सरकार अफगान शरणार्थियों से विदेश में शरणार्थी के रूप में रहना बंद करने और युद्धग्रस्त मातृभूमि की पुनर्निर्माण प्रक्रिया में योगदान देने के लिए घर लौटने का आह्वान करती रही है।

कॉर्निल ने ग्रहण किया प्रधानमंत्री का पदभार

पोर्ट-ओ-प्रिंस। हैती के अंतरिम प्रधानमंत्री गैरी कॉर्निल ने आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण कर लिया है। संक्रमणकालीन राष्ट्रपति परिषद ने मई के अंत में अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) के स्थानीय विभाग के निदेशक गैरी कॉर्निल को चुना। श्री कॉर्निल पहले ही 2011-2012 में प्रधानमंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर कहा, सोमवार को एक समारोह के दौरान प्रधानमंत्री डॉक्टर गैरी कॉर्निल को संक्रमणकालीन राष्ट्रपति परिषद के अध्यक्ष एडगार्ड लेब्लांक फिल्स से संक्रमणकालीन सरकार के प्रमुख के रूप में उनकी नियुक्ति पर एक विस्तारित निर्णय प्राप्त हुआ। कार्यालय ने जारी बयान में कहा कि समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने प्रस्ताव दिया कि सभी इच्छुक पक्ष अपने विवादों को छोड़ दें।

भारत में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों पर वर्ल्ड मीडिया की रहीं नजरें

वॉशिंगटन पोस्ट ने कहा- मोदी पहली बार पूर्ण बहुमत से चूके

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में 2024 के लोकसभा चुनाव में वोटों की गिनती जारी है। बीजेपी की अगुआई वाले एनडीए गठबंधन को उम्मीद के मुताबिक सीटें मिलती नहीं दिख रहीं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नतीजों को न सिर्फ देश के लोग बल्कि पूरी दुनिया टकटकी लगाकर देख रही है। वॉशिंगटन पोस्ट ने कहा- मोदी पहली बार पूर्ण बहुमत से चूक गए। न्यूयॉर्क टाइम्स से लेकर ब्रिटेन का बीबीसी ने लाइव कवरेज किया। शुरुआती नतीजों को वर्ल्ड मीडिया अपने नजरिये से परख रहा है।

न्यूयॉर्क टाइम्स-10 साल के कार्यकाल का रेफरेंडम

न्यूयॉर्क टाइम्स ने नतीजों को प्रधानमंत्री मोदी के 10 साल के कार्यकाल पर रेफरेंडम बताया है। टाइम्स के मुताबिक, काफी हद तक नरेंद्र मोदी को तीसरा टर्म मिलेगा। भारत में नए बने विपक्षी गठबंधन ने मोदी की बंटवारे की राजनीति के खिलाफ वोट मांगा था। विपक्ष ने लोगों के मन में ये डर भरा था कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो संविधान बदल देगी।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा।

- अलजजीरा ने लिखा- जीते तो भी पीठ नहीं थपथपा पाएंगे

द डेली स्टार-कमजोर भाजपा की सरकार बनेगी

बांगलादेशी अखबार द डेली स्टार ने लिखा- ऐसा लगता है कि इस बार कमजोर भाजपा की सरकार बनेगी। भारतीय शेयर बाजार को पीएम मोदी की भारी जीत की उम्मीद थी लेकिन शुरुआती परिणामों ने उसे डरा दिया है। यही वजह है कि शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। अखबार ने सीएम ममता बनर्जी की तारीफों के पुल भी बांधे हैं। अखबार लिखता है कि ममता बनर्जी ने बीजेपी को एक बार फिर से मात दी है।

रॉयटर्स-उम्मीद से उलट नतीजे

रॉयटर्स ने लिखा है कि शुरुआती रुझानों में पीएम मोदी की पार्टी और उनका गठबंधन आगे दिखाई दे रहा है। उम्मीद के उलट नतीजों की वजह से बाजार परेशान होकर लगातार गिरता जा रहा है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने लिखा विपक्ष ने दिया झटका

भारत के नरेंद्र मोदी बहुमत हासिल करने के लिए जूझ रहे हैं। शुरुआती रुझानों में उन्हें उम्मीद मुताबिक नतीजे नहीं मिल रहे। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने लिखा कि मोदी और उनकी पार्टी को विपक्ष ने कड़ा झटका दिया है।

फ्रांस 24- विपक्ष दे रहा टक्कर

फ्रांस 24 ने कहा भारत के चुनाव में विपक्ष उम्मीद से कड़ी टक्कर दे रहा है। 10 साल की सत्ता में नरेंद्र मोदी ने भारत की राजनीति के परिदृश्य को ही बदल दिया था। उनकी पॉपुलैरिटी ने उनकी पार्टी को पीछे छोड़ दिया। मोदी ने संसदीय चुनाव को राष्ट्रपति चुनाव जैसा बना दिया। नतीजा ये रहा कि बीजेपी चुनाव जीतने के लिए मोदी ब्रांड पर निर्भर रहती है।

उ. कोरिया के साथ सैन्य समझौता स्थगित करेगा द. कोरिया

सियोल। दक्षिण कोरिया की सरकार ने उत्तर कोरिया के साथ एक विवादास्पद सैन्य समझौते को निलंबित करने को मंजूरी दे दी है। यह एक ऐसा कदम है जिससे वह उत्तर कोरिया के उकसावे पर सख्त प्रतिक्रिया दे सकेगा।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब हाल ही में दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच दुश्मनी तेजी से बढ़ी है। इससे पहले दक्षिण कोरिया द्वारा कुछ पर्चे भेजे जाने के जवाब में उत्तर कोरिया ने सीमा पार कचरा ले जाने वाले गुब्बारे उड़ाए थे। मंगलवार को दक्षिण कोरिया की कैबिनेट काउंसिल ने सीमा पर सैन्य तनाव को कम करने के लिए 2018 के अंतर-कोरियाई समझौते को निलंबित करने के उद्देश्य से एक प्रस्ताव पारित किया।

- कचरे के गुब्बारे उड़ाने के मामले पर दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच दुश्मनी तेजी से बढ़ी

सरकारी अधिकारियों के अनुसार यह प्रस्ताव राष्ट्रपति यूं सूक येओल द्वारा हस्ताक्षर किए जाने के बाद औपचारिक रूप से प्रभावी होगा। वे संभवतः मंगलवार देर शाम तक इस पर हस्ताक्षर करेंगे।

टोक्यो में कार्गो विमान की कराई इमरजेंसी लैंडिंग

आपात लैंडिंग के बाद सुरक्षा कर्मियों ने विमान को घेर लिया।

टोक्यो, एजेंसी

- विमान में आग लगने के बाद करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

जापान में टोक्यो के नारिता हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही एक मालवाहक विमान में आग लगने की वजह से आपात स्थिति में उतारा गया।

राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। एनएचके द्वारा प्रसारित लाइव फुटेज में दिखाया गया कि विमान के दाहिने ओर की इंजन में आग लग गई। इसके बाद विमान ने आपातस्थिति में उतारने के लिए घोषणा की। हवाई अड्डे के अनुसार विमान को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:20 बजे उतरना था। आपातकालीन लैंडिंग के बाद रनवे को बंद करने की कोई योजना नहीं है।

तुर्की में विमान दुर्घटना में दो सैनिकों की मौत

अंकारा। तुर्की के मध्य प्रांत काइसेरी में मंगलवार को सैन्य प्रशिक्षण के दौरान विमान दुर्घटना में दो सैनिकों की मौत हो गई। तुर्की रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा, हमारे वायु सेना कमान का एक एसएफ-260डी प्रकार का प्रशिक्षण विमान, जो प्रशिक्षण के लिए काइसेरी में 12वीं वायु परिवहन मुख्य बेस कमान से उड़ान भर रहा था, अज्ञात कारणों से दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान काइसेरी प्रांत के कोकासिनान जिले के हसन अर्पा इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

थ्यानमेन नरसंहार की वर्षगांठ पर चीन-हांगकांग में भारी सुरक्षा

बीजिंग, एजेंसी

- लोकतंत्र समर्थकों पर कार्रवाई का गवाह है थ्यानमेन चौक

थ्यानमेन नरसंहार की 35वीं बरसी पर चीन और हांगकांग में सुरक्षा के भारी बंदोबस्त किए गए। इस दौरान लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर खूनी कार्रवाई के गवाह रहे थ्यानमेन चौक को जाने वाली सड़कों पर पुलिस चौकियां और बख्तरबंद वाहनों की कतारें देखी गईं।

हांगकांग पुलिस ने भारी चौकसी बरतते हुए बरसी संबंधी किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम को रोकने के लिए सड़क से कम से कम दो लोगों को हटा दिया। चीन काफी समय पहले ही नरसंहार की उन सभी निशानियों को कुचल चुका है जब चीनी सरकार ने कम्युनिस्ट शासन को बनाए रखने और महीनों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों को समाप्त करने के लिए सेना को कार्रवाई का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद अनुमान है कि 180,000 सैनिक और सशस्त्र पुलिस बल टैंकों के साथ पहुंचे और थ्यानमेन चौक पर प्रदर्शनकारी छात्रों पर गोलियां बरसाईं। आज तक मरने वालों की संख्या का पता नहीं चल पाया है। ये माना जाता है कि हजारों नहीं तो सैकड़ों लोग इस अभियान में मारे गए थे जो कि एक रात पहले शुरू होकर 4 जून, 1989 की सुबह समाप्त हुआ था। यह नरसंहार आधुनिक चीनी इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। कम्युनिस्ट पार्टी के कट्टरपंथियों के पक्ष में संकट समाप्त हो गया जो राजनीतिक सुधारों की बजाय नियंत्रण का समर्थन करते थे।

सैन फ्रांसिस्को में इजराइली मिशन की इमारत से फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को में इजराइली वाणिज्य दूतावास की इमारत की लॉबी में घुसे फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों को सोमवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। हालांकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन एसोसिएट प्रेस के संवाददातओं ने पुलिस को लगभग 50 लोगों को अपने साथ ले जाते हुए देखा। अधिकारी उन्हें पुलिस वैन में बैठाकर वहां से ले गए।

सोमवार को फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों का एक समूह इमारत में घुस गया और कई घंटों तक वहां रहा। प्रदर्शनकारियों ने इमारत के मुख्य द्वार पर इजराइल-हमास युद्ध को रोकने का आह्वान करते हुए पोस्टर लगाए। सैन फ्रांसिस्को पुलिस विभाग ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को कई बार चेतावनी दी और उन्हें वहां से चले जाने को कहा, लेकिन इसके बाद वे आगे बढ़ते रहे, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इजराइल के महावाणिज्यदूत मार्को सेरमोनेटा ने कहा कि प्रदर्शनकारी सुबह करीब नौ बजे फाइनेंशियल डिस्ट्रिक की इमारत के पास एकजुट हुए, लेकिन वाणिज्य दूतावास के कार्यालयों में प्रवेश नहीं कर सके।

प्रदर्शनकारियों को ले जाती पुलिस।

- सोमवार को दूतावास की इमारत में घुस गए थे प्रदर्शनकारी

द. कोरिया ने की अफ्रीकी देशों संग पहले शिखर सम्मेलन की मेजबानी

सोल, एजेंसी

- 4 से 8 जून तक चीन की यात्रा पर हुए रवाना

दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को अफ्रीकी देशों के साथ अपना पहला शिखर सम्मेलन आयोजित किया।

शिखर सम्मेलन सोमवार रात को शुरू हुआ और बुधवार को एक व्यापार शिखर सम्मेलन के साथ समाप्त होने वाला है, जिसमें राज्य और सरकार के प्रमुख और 48 अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुखों के साथ-साथ अफ्रीकी संघ और उसके संस्थानों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। संयुक्त घोषणा के तहत दोनों पक्षों ने यह विचार साझा किया कि द. कोरिया और अफ्रीका के बीच आपसी विश्वास, एकजुटता और समान ऐतिहासिक अनुभवों के आधार पर नए रणनीतिक सहयोग बनाने की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य संकट, ऊर्जा संकट और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान सहित जटिल चुनौतियों के उद्भव के बीच, दोनों पक्ष तीन स्तंभों के आसपास संरचित मजबूत और पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी बनाने के लिए दृढ़ हैं। द. कोरिया और अफ्रीकी देशों ने 40 से अधिक व्यापार और निवेश संवर्धन ढांचे और आर्थिक विकास सहयोग निधि पर बुनियादी समझौते, साथ ही प्रमुख खनिज, बुनियादी ढांचे, गतिशीलता, कृषि, मत्स्य पालन पर समझौता ज्ञापन, चिकित्सा और स्वास्थ्य सहयोग जैसेएमओयू पर हस्ताक्षर किए।

बॉलीवुड हलचल

मिस्टर एंड मिसेज माही के गाना का वीडियो रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आने वाल फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का गाना तू ही तो का वीडियो रिलीज कर दिया गया है। राजकुमार राव और जान्हवी कपूर अभिनीत रोमांटिक ड्रामा मिस्टर एंड मिसेज माही लगातार लोगों का दिल जीत रही है। अपनी शानदार सिनेमाई रिलीज के बाद, फिल्म के निर्माताओं ने अब तू है तो नामक रोमांटिक गीत का आधिकारिक वीडियो जारी किया है। हनी एंड बनी द्वारा रचित, बनी और सागर द्वारा गाया गया, सागर के बोलों के साथ, तू है तो एक सूफी प्रेम गीत है। गाने के बारे में बात करते हुए, संगीतकार और गीतकार जानी ने साझा किया, तू है तो एक भावपूर्ण धुन है जो श्रोताओं को सूफी प्रेम गीतों के युग में वापस ले जाती है। यह व्यक्तिगत रूप से फिल्म के मेरे पसंदीदा गीतों में से एक है और मुझे लगता है कि हनी और बनी ने इसे अविश्वसनीय रूप से बेहतरीन तरीके से पेश किया है। मुझे खुशी है कि गाना आखिरकार अब रिलीज़ हो गया है।

पिता बने वरुण धवन पत्नी नताशा ने दिया बेटी को जन्म

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और नताशा दलाल के घर बेटी का जन्म हुआ है। वरुण धवन के पिता और निर्देशक डेविड धवन ने सभी फैंस को बेबी गर्ल के जन्म की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नताशा ने बेटी को जन्म दिया है और वरुण बेटी के पिता बन गए हैं। यह खबर सुनकर फैंस काफी खुश हो रहे हैं। हर कोई वरुण को बधाई दे रहा है और साथ ही ढेर सारी शुभकामनाएं भी फैंस द्वारा दी जा रही है।

भारत के दो हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रहे मालदीव के रक्षा कर्मी

माले। भारत के मालदीव से अपने सैनिकों को वापस बुलाने के बाद भी, भारत की ओर से मालदीव को दिए गए दो हेलीकॉप्टरों का नियमित रूप से संचालन किया जा रहा है।

अजाजू डॉट कॉम ने एक हवाईअड्डा अधिकारी के हवाले से कहा कि हेलीकॉप्टर उड़ाए जाने पर मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) का एक सैनिक उनपर मौजूद रहता है। चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पिछले साल सितंबर में सत्ता में आने पर अपने देश से सभी भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजने का वादा किया था। 10 मई की तय समयसीमा तक 88 में से अंतिम भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेज दिया गया था। भारत की तरफ से उपहार में दिए गए दो हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान का उपयोग मालदीव में सैकड़ों निकासी और मानवीय मिशनों के लिए किया गया है।

खगोल विज्ञान | चीनी विज्ञान अकादमी युन्नान वेधशाला के वैज्ञानिकों की खोज

बौनी आकाशगंगाओं में तारा निर्माण व विलय का खुलासा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : बौनी आकाशगंगाओं में तारों का निर्माण व उनके विलय का खुलासा वैज्ञानिकों ने किया है। बौनी आकाशगंगाओं में होने वाली भौतिक प्रक्रिया की यह पहली खोज है। जिस कारण इस खोज को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चीनी विज्ञान अकादमी युन्नान वेधशाला के वैज्ञानिकों ने यह खोज की है। दरअसल बौनी आकाशगंगाओं के बारे में हमारी जानकारी अभी भी प्रयाप्त नही है। माना जाता था कि बौनी आकाशगंगाओं का ब्रह्मांड में सीमित स्थान है और उनमें बहुत कम प्रक्रिया होती होगी। मगर वास्तव में ऐसा नही है, बल्कि ब्रह्मांड में अपना खासा वर्चस्व रखती है।

बौनी आकाशगंगा की तस्वीर।

चीनी विज्ञान अकादमी के वैज्ञानिकों ने बौनी आकाशगंगाओं में विलय और ज्वारीय अंतःक्रियाओं सहित आकाशगंगाओं के बीच अंतःक्रियाओं का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया गया है। शोध में बताया है कि विशाल आकाशगंगाओं के बीच विलय से आकाशगंगाओं की आकृतियाँ बदल सकती हैं, तारों का निर्माण बढ़ सकता है और यहाँ तक कि तारों का विस्फोट भी हो सकता है। मगर बौनी आकाशगंगाओं के कमजोर गुरुत्वाकर्षण के कारण तारा निर्माण वितरण और घनत्व विलय और तारकीय नकारात्मक प्रतिक्रिया से अधिक आसानी से प्रभावित होते हैं। वैज्ञानिकों ने बौनी आकाशगंगा वीसीसी 322 का विश्लेषण किया। यह शोध द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने आकाशगंगा का रंग और एकल तारकीय जनसंख्या मॉडल फिटिंग के आधार पर ज्वारीय धात्विकता और तारकीय आयु का अध्ययन किया। तब जाकर बौनी आकाशगंगा की भीतरी जानकारी सामने आ पाई।

बौनी आकाशगंगाओं पर अधिक शोध की जरूरत

बौनी आकाशगंगाओं को लेकर अधिक शोध की जरूरत है। भले ही यह पूर्णरूप से विकसित नही हो पाई हों, लेकिन ब्रह्मांड में इनके अस्तित्व को कम करके नही आंका जा सकता है। संभव है कि यह ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर करने में महत्वपूर्ण कड़ी की भूमिका निभा सके।